सुरेन्द्र मोहन पाठक

हंगरी में हंगामा

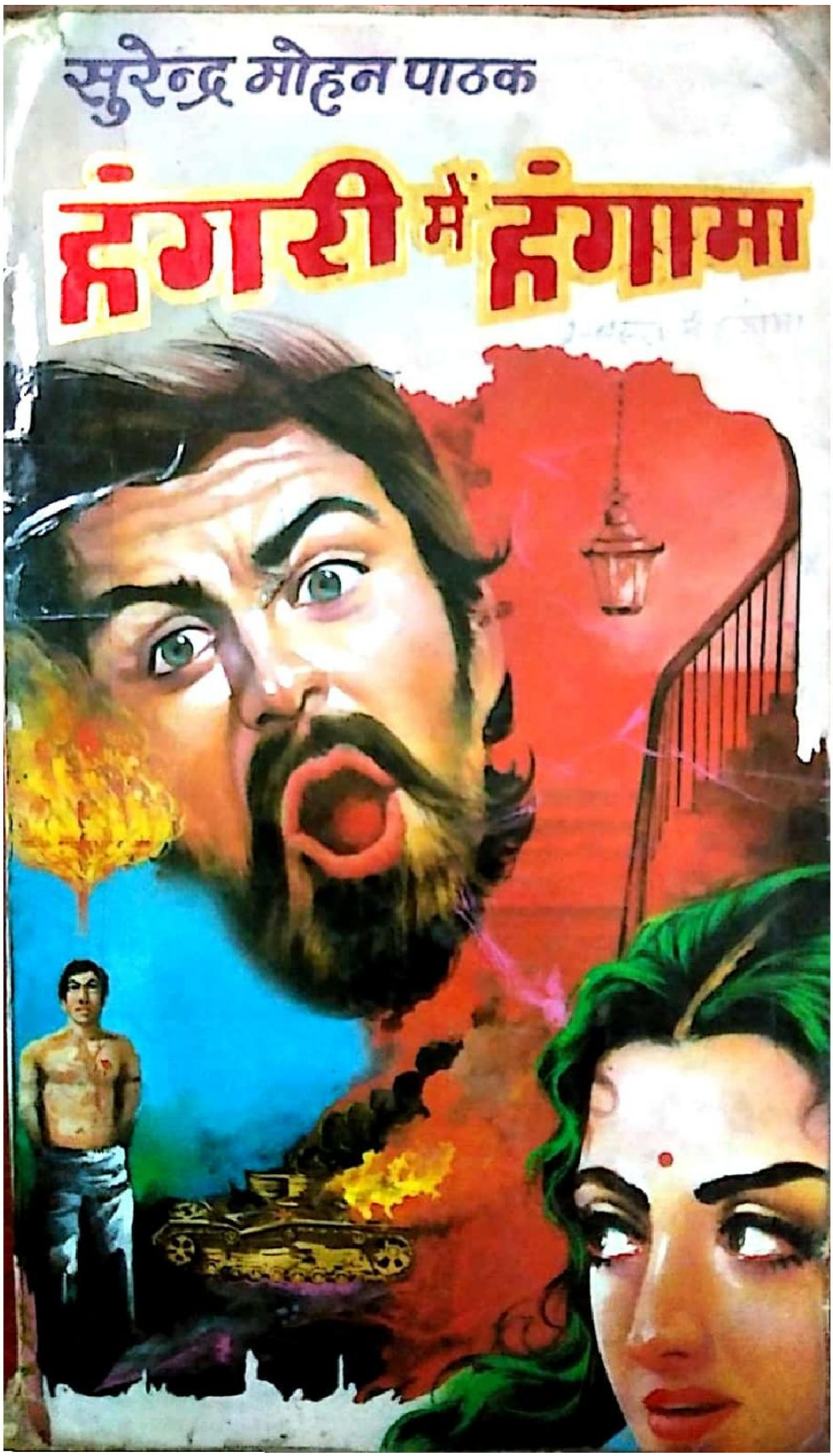

'एम को तुम्हें बुडापेस्ट में नहीं भेजना चाहिए था।' मेजर विचारपूर्ण स्वर में बोला।

'क्यों?'

'अगर तुम सचमुच ही हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर में पहुंच जाते-तो वे लोग भी रगड़े जाते । तुम तो हम लोगों के लिये खतरा बनकर हंगरी में आये हो।'

'यह सच नहीं है।' जेम्स बांड ने विरोध किया- 'एम ने हर पहलू पर विचार किया था। मैं पकड़ा जा सकता था-लेकिन इससे तुम लोगों पर कोई खतरा आने की संभावना नहीं थी। तुम्हारे बारे में भी मैं केवल तुम्हारा नाम जानता हूँ और तुम्हारे चित्रों के माध्यम से तुम्हारी सूरत पहचानता हूँ।'

हंगरी में हंगामा

सुरेन्द्र मोहन पाठक का एक सनसनीखेज उपन्यास

हंगरी में हंगामा

सुरेन्द्र मोहन पाठक

हंगरी में हंगामा

कॉपीराइट : नरेन्द्र गुप्ता

प्रकाशक: सुमन पॉकेट बुक्स

वितरक: रतन एंड कंपनी,

16, दरियागंज नई दिल्ली-110 002

फोन : 3278087, 3278235

फंक्स : 011-3279341

प्रिंटर: न्यू पब्लिक प्रेस

HANGREY MAIN HANGAMA:

सुनेल सीरीज:

सुरेंद्र मोहन पाठक

हंगरी में हंगामा--

तापमान जीरो से भी कई अंश नीचे था। वातावरण में चारों आर फैली हुई बर्फ की सफेदी के अतिरिक्त कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। चारों ओर मौत का-सा सलाटा छाया हुआ था।

जेम्स बांड सड़क के धरातल से पांच-छः फुट नींची एक बर्फ से भरी हुई खड्ड में सांस रोके पड़ा था। उसने अपने रुमाल का एक गोला-सा बनाकर अपने मुंह में ठूंसा हुआ था ताकि दांत न किटकिटाएं। गहरे संनाटे में किसी भी प्रकार की हल्की-सी आवाज भी हंगेरियन सीक्रेट पुलिस को उसकी स्थित का आभास दे सकती थी।

कई क्षण यूं ही पड़े रहने के बाद उसने धीरे से सिर उठाकर दूर सड़क की दिशा में देखा।

कहीं कोई नहीं था।

उसकी सतर्क दृष्टि आस-पास के सारे इलाके को टटोलती हुई फिर सड़क पर लौट आई।

पुलिस का कहीं नामोनिशान भी नहीं था।

जेम्स बांड की यह सोचकर बड़ी हैरानी हुई कि पुलिस ने इतनी आसानी से उसकी तलाश छोड़ दी है।

पहले उसने फौरन उठकर किसी ओर भाग निकलने का इरादा किया। लेकिन फिर उसने कुछ देर और प्रतीक्षा कर लेना ही उचित समझा।

शुरुआत ही इतनी गन्दी होगी, इसकी जेम्स बांड को आशा नहीं थी।

लन्दन में ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के हैडक्वार्टर में 'एम' ने उसे बताया था कि हवाई जहाज द्वारा बुडापेस्ट पहुंचना असंभव था। आगामी अन्तरर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कान्फ्रेंस के दौरान में एयरोड्राम पर सिक्योरिटी पुलिस का कड़ा पहरा था और किसी अनचाहे व्यक्ति का हवाई जहाज द्वारा बुडापेस्ट में प्रवेश कर पाना बहुत कठिन था। यही हाल स्टेशनों का था। लम्बे रास्तों की तमाम गाडियां पोलिस द्वारा बड़ी बारीकी से चैक की जा रही थीं। 'एम' अनुसार बुडापेस्ट तक पहुंच पाने के लिए केवल सड़क का

ही रास्ता एक सम्भावना थी और वही रास्ता अपनाया भी गया था।

जेम्स बांड को लन्दन से वियना भेजा गया था और वहाँ से गैर कानूनी ढंग से बार्डर क्रॉस करके वह हंगरी में प्रवेश कर गया था।

एक बार हंगरी में पहुंच जाने के बाद उसे बुडापेस्ट पहुंच जाना बड़ा मामूली काम लगा था। वह बुडापेस्ट की आर जाने वाले एक ट्रक में चुपचाप संवार हो गया था।

जेम्स बांड को पहले भी बता दिया गया था कि बुडापेस्ट के बाहर सड़क पर सिक्योरिटी पुलिस का कड़ा पहरा है और नगर में प्रवेश करने वाले हर व्हीकल को चैक किया जा रहा है और जेम्स बांड उस खतरे से बचने के लिए पूरी तरह तैयार बैठा था।

लेकिन शायद जेम्स बांड को निर्देश देने वालों को भी इस बात की जानकारी नहीं थी कि बुडापेस्ट से चालीस मील दूर कोमारोम में ही इस प्रकार की चैकिंग शुरु हो जायगी।

इस समय जेम्स बॉण्ड खून जमा देने वाली सर्दी में बर्फ से भरी खाई में पड़ा हुआ था।

उसी क्षण उसके कानों में सख्त बर्फ पर लोहा लगे जूतों की एडिया टकराने की 'आवाज पड़ी ।

उपने बड़ी सावधानी से थोडा-सा सिर उठाकर बाहर झांका। बर्फीली धुंध में उसे कुछ भी दिखाई नही दिया लेकिन कदमों की आवाज समीप आती जा रही थी।

जेम्स बांड सांस रोक कर प्रतीक्षा करने लगा।

उसी क्षण कदमों की आहट के साथ उसे एक नई आवाज सुनाई दी-एक कुत्ते के गुर्राने की आवाज।

'जेम्स बांड के नथुनों से गहरी सांस निकल गई।

तो पुलिस ने उसका पीछा छोड़ा नहीं था। वे लोग पीछा करने में दक्ष पुलिस के कुत्ते लेने गये थे जो केवल गन्ध को सूंघ कर ही इच्छित व्यक्ति को ढूंढ निकालते हैं।

जेम्स बांड ने अपने मुह में रुमाल हटाकर जेब में रख लिया। वो फुर्ती से उठा और खड्ड के पीछे बने पेड़ के झुरमुट की और लपका।

पेड़ों के समीप पहुंचकर वह एक बड़े पेड़ के तने के पीछे छुप गया ।

आवाज उसी ओर बढ़ रही थी।

जेम्स बांड ने भागने का विचार त्याग दिया और अपनी जेब से 35 कलिबर की आटोमेटिक बेल्जियन रिवाल्वर निकाल ली। उस रिवाल्वर को हैंडल करने की जेम्स बांड को महीनों ट्रेनिंग दी गई थी। उस रिवाल्वर से वह एक इंच की गोलाई के टारगेट से बीस कदम की दूरी से दस बार में से दस बार निशांना लगा सकता था। लेकिन आज उसे लग रहा था कि वह इससे आधे फासले से एक पूरी लम्बाई-चौडाई का निशाना भी नहीं लगा सकेगा। सर्दी के कारण उसका सारा शरीर कांप रहा था।

कदमों की आहट समीप आती जा रही थी।

उसने पेड़ के तने की ओट में से बाहर झांका ।

वे चार आदमी थे। चारों की बगल में सब-मशीनगन दबी हुई थी और उनके हाथ में एक-एक कुत्ते की जंजीर थी। एक कुत्ता तो बल्ड हाउन्ड था, बाकी तीन की नसल को बांड नहीं पहचान सका ।

जेम्स बांड की उंगलियां रिवाल्वर के ट्रेगर पर कस गई। वे लोग अब केवल तीस कदम दूर रह गए थे और सीधे जेम्स बांड की और बढ़ रहे थे।

उसी क्षण जेम्स बांड की दृष्टि अपनी रिवाल्वर की नाल पर पड़ी और वह एकदम बौखला गया।

रिवाल्वर की नाल जमकर पत्थर की तरह सख्त हो चुकी थी वह बर्फ से ब्लाक हो चुकी थी। ऐसी सूरत में फायर करने से नाल में से बर्फ साफ हो सकती थी और यह भी सम्भव था कि नाल एकदम फण्ट जाएं और उसके हाथ के परखच्चे उड़ जाये।

उसने 'बड़ी फुर्ती से अपनी पेन्ट की बेल्ट में छुपा हुआ चाकू निकाला और उसके तेज फल की सहायता से रिवाल्वर की नाल में फसी हुई बर्फ खुरचने लगा।

वे लाग बहुत समीप आ गये थे।

जेम्स बांड ने फुर्ती से रिवाल्वर को दायें हाथ में थामा और पांच इन्च लम्बे फल के स्टील के चाकू को दायें हाथ में थामकर तैयार हो गया। रिवाल्वर से वह सिपाही को भुगत लेगा और चाकू कुत्तों के लिए।

उसी क्षण उसकी दृष्टि बाकी तीन कुत्तों पर पड़ी और एकाएक उसका मुंह सूखने लगा।

बाकी के तीन कुल्ले ब्लड हाउन्ड नहीं डोबरमैन पिवर थे। डोबरमैन संसार का सबसे खतरनाक कुत्ता। जिसमें एक भेड़िये

जैसी फुर्ती और अलसेशियन जैसी ताकत होती है। जो शैतान से नहीं डरता और जो पलक झपकते ही बड़ी बेरहमी से इन्सान की गरदन फाड़कर रख देता है। डोबरमैन से भिड़ना आत्महत्या करने के समान था। गिरफ्तार हो जाने के बाद भी बच निकलने की आशा हो सकती थी लेकिन डोबरमैन से भिड़कर जिन्दा रह पाना असम्भव था।

जेम्स बांड ने अपना अगला कदम निर्धारित करने में एक क्षण की भी देर नहीं लगाई।

उसने चाकू और रिवाल्वर दोनों चीजें उछालकर सिपाहियों के कदमों में फेंक दी और फिर दोनों हाथ सिर से ऊपर उठाये पेड़ की ओट में से बाहर निकल आया।

बीस मिनट बाद चारों सिपाही जेम्स बांड को गिरफ्तार करके पुलिस चौकी पर ले आये। पुलिस चौकी एक छोटे से झोपड़े में स्थित थी जो उस इलाके की अकेली इमारत मालूम होती थी।

रास्ते में सिपाहियों ने उसके साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करने का प्रयत्न नहीं किया जबकि उन चार सिपाहियों में वे दो सिपाही भी मौजूद थे जिन्हें घायल करके वह ट्रक में से भागने में सफल हुआ था।

जिस ट्रक में छुपकर जेम्स बांड बुडापेस्ट की ओर जा रहा था, वह आर्मी की चौकी के सामने खड़ा था।

ट्रक का ड्राइवर आतंक से मरा जा रहा था और बार-बार सिपाहियों को विश्वास दिलाने का प्रयत्न कर रहा था कि उसकी ट्रक में जेम्स बांड की मौजूदगी की जानकारी नहीं थी।

सिपाही उसे झोंपड़ी में ले गये।

झोपड़ी में एक छोटी-सी मेज थी जिसके पीछे एक बेहद छोटे कद का हास्यास्पद-सा लगने वाला वर्दीधारी अफसर बैठा था जो शायद चौकी का इन्चार्ज था।.

जेम्स बांड जबरदस्ती सिपाहियों के बन्धन से निकलकर उस आदमी की ओर बढ़ा। समीप आकर उसने इतनी जार से अपने दोनों हाथ मेज पर मारे कि मेज पर रखा टेलीफोन अपने स्थान से उठ्ठल गया।

'यहाँ के इन्चार्ज तुम हो?' जेम्स बांड क्रुद्ध स्वर में बोला । वह आदमी 'एकदम बौखला गया। शायद उसे जेम्स बांड की स्थिति के आदमी से ऐसे भीषण एक्शन की आशा नहीं थी !

'हाँ, मैं इन्चार्ज हूँ।' वह हड़बड़ाकर बोला।

जेम्स बांड ने उसे आगे बोलने का अवसर नहीं दिया। उसने अपने पर्स में से अपनी शिनाख्त के कागजात निकाले और उन्हें इन्चार्ज की मेज पर पटकता हुआ बोला-'तो

फिर इस बदतमीजी का क्या मतलब है? मुझे यहाँ क्यों लाया गया है? मेरे पेपर वगैरह देखो और छुट्टी करो। मेरे पास बरबाद करने के लिए समय नहीं हैं।

जेम्स बांड के इस आकस्मिक आक्रमण जैसे व्यवहार का इन्चार्ज पर अच्छा असर पड़ा। उसने चुपचाप जेम्स बांड के पेपर उठा लिये और उन्हें देखने लगा।

' जोहान बुहल' वह पेपर पढ़ने लगा-'बार्न लिंज 1923, नाउ रेजिडेन्ट आफ वियना, बिजनेस नैन, इम्पोर्ट एक्सपोर्ट डीलर, मशीन पार्टस ।'

'और यहाँ में तुम्हारी इकानॉमिक मिनिस्ट्री के निमंत्रण पर आया हूँ।' जेम्स बांड तनिक नम्र स्वर में बोला और उसने एक और पत्र इन्चार्ज के सामने फेंक दिया। वह पत्र मिनिस्ट्री के आफीशियल कागज पर लिखा हुआ था और लिफाफे पर बुडापेस्ट पोस्ट आफिस की चार दिन पहले की तारीख की मोहर लगी हुई थी।

वह पत्र, जेम्स बांड का जोहान बुहल नाम का पासपोर्ट और बाकी कागजात वगैरह सब नकली थे जो 'एम' ने उसे दिये थे लेकिन वे नकलें इतनी शानदार थीं कि एक बार तो संसार का बड़े सा बांडा एक्सपर्ट भी धोखा खा सकता था।

जेम्स बांड ने बड़ी शान से सिगरेट निकालकर सुलगा लिया। सिगरेट लाइटर, केस, होल्डर वगैरह सबे आस्ट्रिया के बने हुए थे।

इन्चार्ज अब तक स्वयं को काफी नियन्त्रित कर चुका था। उसने जेम्स बांड के कागजात उसे वापस लौटा दिये और फिर स्थिर स्वर `में बोला-'तुम भागे क्यों थे?'

जेम्स बांड इसी प्रश्न की प्रतीक्षा कर रहा था और इसका उत्तर सांचने के लिये उसे पर्याप्त समय मिल चुका था।

'हे भगवान!' वह असहाय भाव से अपना सिर हिलाता हुआ वाला-

'कुछ लुटेरे राइफलें लेकर मेरी ओर बढ़ रहे हों तो तुम मुझसे क्या आशा करते हो? मैं वहीं बैठा रहता ताकि वे लोग मुझे कत्ल कर देते?

'वे लुटेरे नहीं थे। स्पेशल पुलिस के सिपाही थे। तुम....।'

'यह तो मुझे अब पता लगा है कि वे पुलिस के सिपाही हैं। उस समय तो मै ट्रक के अन्धेरे में इन्हें कोई लुटेरा ही समझा था।'

इन्चार्ज चुप रहा।

जेम्स बांड़ एकदम मित्रतापूर्ण स्वर में बोला- खैर छोड़ो, जो हुआ उसे भूल जाओ। मुझे असुविधा हुई है उसमें आखिर तुम्हारी गलती तो नहीं थी न? वह सब तो एक गलतफहमी के कारण हो गया। अब तुम जल्दी से मुझे बुडापेस्ट पहुंचाने का इन्तजाम कर दो। मैं तुम्हारे व्यवहार की रिपोर्ट तुम्हारे सीनियर अफसरों के सामने नहीं करूंगा।'

सारी बात जेम्स बांड ने यूँ कहीं जैसे वह इन्चार्ज पर कोई भारी अहसान कर रहा हो।

'थैंक्यू, बड़े दयावान हैं आप?' स्वर में उस उत्साह का अभाव था-- इन्चार्ज बोला, लेकिन उसके जिसकी जेम्स बांड आशा कर रहा था-'अब, मिस्टर बुहल आप यह बताइये आप उस ट्रक में क्या कर रहे थे? आप जैसा महत्वपूर्ण बिजनेस मेन एक ट्रक में सफर करे, बड़े अचम्भे की बात है और फिर आपने ट्रक ड्राइवर को ट्रक में अपनी मौजूदगी की जानकारी क्यों नहीं होने दी?'

"क्योंकि पूछने पर वह मुझे हरगिज ट्रक में नहीं चढ़ाता ।' जेम्स बांड बोला-'क्योंकि ट्रक' वालों को पुलिस द्वारा नोटिस मिल चुका है कि वे किसी अनजाने आदमी को ट्रक में न बैठायें। मेरा बुडापेस्ट फौरन पहुंचना जरूरी था क्योंकि मुझे फौरन इकानॉमिक मन्त्रालय के एक बड़े अफसर से मिलना है और तुम खामखाह देर किये जा रहे हो।'

'लेकिन मिस्टर बुहल, आपने यह अभी भी नहीं बताया है कि आपके ट्रक में चढ़ने की नौबत कैसे 'आई?'

' अरे भई ..... जेम्स बांड मुस्कराकर बाला-'आजकल तुम जानते ही हो सड़कों की कितनी बुरी हालत है। हर जगह एक-एक फुट बर्फ जमी हुई है। मेरी कार बर्फ से फिसलकर एक खड़डे में जा गिरी थी और उसका सामने का एक्सल टूट गया था।

'आप कार द्वारा वियना से बुडापेस्ट जा रहे थे? लेकिन जल्दी पहुंचने के लिए तो लोग...।'

'मुझे मालूम है, मालूम है।' जेम्स बांड जल्दी में बोला। उसके

दिमाग में खतरे की घन्टियां बजने लगी थीं- जल्दी पहुंचने के लिए लोग हवाई जहाज से सफर करते हैं लेकिन मैं अपनी कार में अपने साथ दो सौ पचास किलो वजन की मशीनरी रखकर ला रहा था लेकिन वजन आप जहाज में लादकर नहीं ला सकते हैं।'

फिर जेम्स बांड ने बड़ी क्रोधपूर्ण मुद्रा बनाकर अपने सिगरेट के बचे हुए टुकड़े को मेज के कोने से रगड़कर बुझाया और फिर बोला- अब ये उल्टे-सीधे सवाल मुझसे कब तक पूछेगे? मैं तुम्हें अपने कागजात वगैरह दिखा चुका हूँ और तुम्हें बीस बार बता चुका हूँ, मुझे बहुत जल्दी है। इकानामिक मिनिस्ट्री में कैसे पहुंचूंगा मै?'

"केवल दो सवाल और ।' इन्चार्ज बोला- 'उसके बाद आप तशरीफ ले जाइयेगा।'

'आप सीधे वियना से आ रहे है?' इन्चार्ज ने पूछा।

हॉ।

आज सुबह?

'दोपहर के बाद!' जेम्स बांड ने उत्तर दिया। वियना उस स्थान से एक सी बीस मील दूर था।

'कितने बजे?'

जेम्स बांड हिचकिचाये ।

'चार बजे? पाँच बजे?'

'नहीं, इसस भी बाद में। ठीक छः बजकर दस मिनिट पर। तुम्हारे कस्टम पोस्ट से गुजरते समय मैंने घड़ी देखी थी।'

'सच बोल रहे हैं आप?

'आप कसम खाकर कहते हैं कि आप सच बोल रहे हैं।'

हाँ।'

इन्चार्ज का सिर हल्के से हिला और फिर थोड़ी देर के लिए उसके नेत्र जेम्स बांड के चेहरे से हट गये।

जेम्स बांड का हैरानी दिखाने का भी अवसर नहीं मिला।

पलक झपकते ही तीन जोड़ी हाथों ने उसे मजबूती से पकड़कर कुर्सी से उठा दिया, उसकी बाहें मरोड़कर सामने की ओर कर दीं और फिर उसकी कलाइयों में चकमदार स्टील की हथकड़िया पहना दी गई।

जम्प बांड गुस्से में भड़क उठा- 'इस बेहूदा हरकत का क्या मतलब है?'

'इसका मतलब यह है मिस्टर ।' इन्चार्ज कर्कश स्वर में बोला।

11

उसके स्वर में से जेम्स बांड के प्रति आदर को भाव एकदम उड़ चुका था-'कि सफल झूठ बोलने के लिए तथ्यों की जानकारी होना बहुत जरूरी है जोकि तुम्हें नहीं है। शायद तुम्हें यह जानकर हैरानी होगी, बुहल-और यह मत समझो कि मैंने विश्वास कर लिया है कि तुम्हारा नाम बुहल ही है कि आज शाम को ठीक चार बजे हंगरी का आस्ट्रिया साइड वाला बार्डर किसी भी प्रकार के ट्रैफिक के लिए चौबीस घन्टे के लिए बन्द कर दिया गया है। और तुम कहते हो कि तुम हमारी कस्टम पोस्ट से छः बजकर दस मिनट पर गुजरे थे।' वह बड़े व्यंग्यात्मक ढंग से मुस्कराया और उसका हाथ टेलीफोन की ओर बढ़ गया-'बुडापेस्ट पहुंचना चाहते थे न तुम? अभी पहुंचवाता हूँ तुम्हें बुडापेस्ट । मैं तुम्हारे लिए स्पेशल गाड़ी सिरोव ाता हूँ जिसमें एक-एक इन्च मोटी लोहे की छडें लगी होती है।'

उसने रिसीवर उठाकर कान से लगाया, दो तीन बार पलंजर ठकठकाया और फिर रीसीवर भडाक से केडिल पर पटक दिया।

फिर. वह सबसे समीप खड़े सिपाही से बोला- 'आस-पास टेलीफोन कहां है?'

'गांव में है। यहाँ से तीन किलोमीटर दूर ।'

जितनी जल्दी जा सकते हो चले जाओ। वह जल्दी-जल्दी एक कागज पर कुछ लिखकर सिपाही को थमाता हुआ बोला- 'इस नम्बर पर यह सन्देश दे देना और यह कहना मत भूलना कि रिपोर्ट मैंने भिजवाई है। भागो अब ।'

सिपाही झोपडी से बाहर निकल गया।

केवल एक क्षण के लिए द्वार खुला और जेम्स बांड ने बाहर झांका।

बाहर अन्धकार और गहरा हो गया था और बर्फ और ज्यादा गिरने लगी थी।

'तुम भारी गलती कर रहे हो। वह इन्चार्ज से बोला- 'और तुम्हें यह गलती बड़ी महंगी पड़ेगी।'

'गलती मैंने एक ही की है। है।' इन्चार्ज आत्म-आत्म-विश्वासपूर्ण स्वर में ने उस पर बोला- 'कि जो बकवास तुमने की थोडी देर के लिए मैंने विश्वास कर लिया। बुडापेस्ट से गाडी यहाँ पर दो घन्टे में पहुंचेगी। तब तक तुम अपना रिकॉर्ड चालू कर दो। सबसे पहले अपना नाम बताओ-मतलब है अपना असली नाम बताओ?'

'मेरा असली नाम वही है जा मेरे पासपोर्ट पर लिखा है।

जो कुछ मेरे कागजात में लिखा है, वह अक्षरशः सत्य है। अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें खुश करने के लिए झूठ बोलने के लिए तैयार हूँ।'

बोलने के साथ-साथ जेम्स बांड हथकड़ियों की मजबूती परख रहा था लेकिन वहाँ कोई आशा नहीं थी। हथकड़ियाँ बहुत मजबूत थीं। अकेले इन्चार्ज से तो वह हथकड़ी लगे हाथों से भी निपट सकता था। उसे अपने हैट के भीतरी भाग में छुपे चाकू पर बहुत भरोसा था लेकिन अपने पीछे खड़े सब -मशीनगनों से लैस तीन पुलिसमैन उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दे रहे थे।

'मुझे खुश करने की जरूरत नहीं है। तुम सिर्फ सच बोलो।' इन्चार्ज अपनी कुर्सी से उठा और मेज के पीछे से निकलकर जेम्स बांड के सामने आ गया। खड़े हो जाने के बाद उसका मोटा, ठिगना शरीर और भी भद्दा लगने लगा था-'तुम्हारा असली नाम क्या है?'

'जोहान बुहल। मैंने कहा न..।'

बाकी शब्द जेम्स बांड के मुंह में ही रह गये। इन्चार्ज का भारी हाथ पूरी शक्ति से दो बार उसके चेहरे से टकराया। जेम्स बांड के होठों के किनारे से खून की एक पतली-सी लकीर बह निकली।

'मेरा ख्याल है दूसरी बार तुम ज्यादा समझादारी की बात . करोगे।' इन्चार्ज शान्त स्वर में बोला- 'बोलो, तुम्हारा असली नाम क्या है?'

उत्तर में जेम्स बांड के मुंह से एक गन्दी गाली निकल गई।

इन्चार्ज का चेहरा कानों तक लाल हो गया। वह फिर जेम्स बांड की ओर बढ़ा। दुबारा प्रहार करने के लिए उसका दांया हाथ फिर हवा में घूमा और फिर एक ऐसी घटना घटी जिसकी उसे स्वप्न में भी आशा नहीं थी।

जेम्स बांड के दोनों पांव पूरी शक्ति से इन्चार्ज के पेट से टकराये और वह एकदम दो फुट पीछे पड़ी मेज पर फुटबाल की तरह जा पडा। कितने ही क्षण वह उसी स्थिति में मेज' पर पड़ा रहा। फिर बड़ी मुश्किल से उसकी सांस लौटी और फिर सबसे पहले उसकी छाती में हरकत दिखाई दी जो पहले तो धीरे-धीरे और फिर धौंकनी की सी तेजी से गिरने उठने लगी।

जेम्स बांड के पीछे खड़े सिपाही कितनी ही देर इस अप्रत्याशित घटना के प्रभाव से सकते की-सी हालत में खड़े रहे। फिर ये तीनों एकदम यूँ जेम्स बांड की ओर झपटे- जैसे उन्हें

बिजली का तार छुया दिया गया हो।

उसी क्षण झोपडी का दरवाजा खुला और एक जमा देने वाली ठंडक का झोंका सारी झोपड़ी में घूम गया।

सिपाही वहीं रुक गए।

जेम्स बांड ने दृष्टि घुमाकर द्वार की ओर देखा।

द्वार पर एक बेहद आँकर्षक और अधिकारपूर्ण व्यक्तित्व का स्वामी खड़ा था। उसका शरीर सिर से पांव तक एक मिलिट्री के ओवरकोट से ढका हुआ था। उसका दायां हाथ कमर के साथ बन्धी पेटी से लटकती हुई रिवाल्वर पर था। और उसकी तीक्ष्ण दृष्टि दृश्य की छोटी डिटेल को नोट करती हुई झोपड़ी में घूम रही थी।

केवल दस सैकेंड में आगुन्तक की समझ में सारी स्थिति आ गई। उसने पांव की ठोकर से द्वार बन्द किया और मेज की ओर बढा ।

दर्द के मारे इन्चार्ज का चेहरा विकृत हो रहा था और वह पूरी शक्ति से अपनी उखड़ती हुई साँसों को अधिकार में लाने का प्रयत्न कर रहा था लेकिन सफल नहीं हो पा रहा था।

'इडियट!' आगुन्तक इन्चार्ज के सामने आकर बोला-'अगली बार किसी कैदी से बात करो तो उसके पांवों से दूर खड़े होने की कोशिश करना ।... कौन है यह आदमी? क्या पूछ रहे थे तुम इससे? और क्यों?'

बड़ी मुश्किल से इन्चार्ज अपने पैरों पर खड़ा हुआ और फिर भर्राई आवाज में बोला-'इसका नाम जोहान बुहल है। अपने आपकी वियना का बिजनेस मैन बताता हैं। लेकिन यह झूठ बोल रहा है। यह स्पाई है कि और किसी एण्टी-कम्यूनिस्ट कन्ट्री देशों का एजेन्ट है।'

'बकवास कम करो और बात ज्यादा करो। आगुन्तक शान्त स्वर में बोला- 'लेकिन उस शान्ति में भी ब्लेड की धार जैसा पैनापन था। तुम्हें इसका नाम कैसे मालूम हुआ?'

'इसने अपने कागजात दिखाये थे, जो शर्तिया नकली है।'

'वे कागजात मुझे दो।'

इन्चार्ज ने मेज की ओर संकेत कर दिया और बोला-

'वे कागजात मुझे दे। आगुन्तक बांडे ही अधिकारपूर्ण ढंग से एक-एक शब्द पर जोर देता हुआ बोला ।

इन्चार्ज लड़खड़ाता हुआ आगे बढ़ा उसने कागजात उठाकर आगुन्तक को थमा दिये।

'एक्सीलेंट।' कितनी ही देर तक उन कागजों को परखते रहने के बाद आगुन्तक बोला- इतनी शानदार फोर्जरी (धोखा) बहुत कम देखी है मैने।'

जेम्स बांड को वह आदमी बहुत खतरनाक लगा। वह समझ गया कि उसे बेवकूफ बोला े का प्रयत्न करना केवल समय की बरबादी होगी।

'आप कौन हैं?' एकाएक इन्चार्ज ने आगुन्तक से पूछा।

'सवाल मैं करूंगा।' आगुन्तक बोला- 'तुम केवल जवाब दोगे। तुमने इस आदमी को स्पाई कहा था। क्यों?'

'यह कहता है कि वह छः बजे के बाद बार्डर क्रॉस करके आया है जबकि बार्डर तीन बजे बन्द हो चुका था।'

'राइट!' आगुन्तक बोला। उसने अपनी जेब से एक सोने का सिगरेट केस निकाला और उसमें से एक रूसी सिगरेट निकालकर होंठो से लगा लिया। फिर कीमती लाइटर से सिगरेट सुलगाई।

इन्चार्ज अब तक काफी हद तक अपने आप पर काबू पा चुका था। वह एकदम बदले स्वर में आगुन्तक से बोला 'लेकिन तुम कौन हो? मैंने आज से पहले तुम्हारी सूरत तक नहीं देखी और तुम मुझे यूँ आर्डर दे रहे हो, जैसे मैं तुम्हारे मातहत काम करता हूँ। यहाँ का इन्चार्ज में हूँ, समझे।'

पूरे एक मिनिट तक एकदम सलाटा छाया रहा। फिर आगुन्तक ने यूं इन्चार्ज के अपने सामने बौने से लगने वाले शरीर को देखा, जैसे इन्चार्ज आदमी न हो कोई कीड़ा-मकोड़ा हो।

उस दृष्टि का प्रभाव इन्चार्ज पर पड़े बिना न रह सका। इन्चार्ज अपने आप में सिकुड़ सा गया।

आगुन्तक ने जैसे अपने उस एक्शन के बाद इन्चार्ज के प्रश्नों का उत्तर देना जरूरी नहीं समझा।

'इस आदमी के मुंह से खून निकल रहा है। वह उसी अधिकारपूर्ण स्वर में बोला- 'क्यों?'

'यह मेरे प्रश्नों का उत्तर नहीं दे रहा था और .... ।'

'तुम्हें किसी कैदी से सवाल, पृठने का या उसे घायल करने का अधिकार किसने दिया है, गधे?' आगुन्तक गर्जा 'दुवारा कभी अपने अधिकारों की हद से बाहर निकलकर कोई काम किया तो बाकी

की सारी जिन्दगी के लिए कांन्सटान्टा भेज दूंगा।'

इन्चार्ज की आँखों में आतंक के भाव दिखाई देने लगे। वह अपनी जुबान सुख होंठों पर फेरने लगा। कान्सटान्टा। जहाँ गुलामों के लेबर कैम्प हैं। जहाँ जाकर आज तक कोई वापिस नहीं लौटा। डेन्यूब नदी और ब्लैक् सी. बीच का यह नर्क सारे मध्यवर्तीय योरोप में प्रसिद्ध था।

'मैं मैं। वह हकलाया-'मैं... मैंने तो... सोचा था...।'

'सोचना एक बहुत कठिन काम है इसलिए तुम यह काम उन्हीं लोगों को करने दो जिनमें इसकी काबलियत है। फिर वह जेम्स बांड की ओर संकेत करता हुआ बोला- 'इस आदमी को मेरी कार में पहुंचा दो।'

जेम्स बांड विचित्र नेत्रों से आगुन्तक को देख रहा था। यह उसने अभी भी नहीं बताया था कि वास्तव में वह कौन था ।

'डींग' मत हांको।' आगुन्तक बोला- 'तुम मुझे इतने अकलमन्द दिखाई नहीं देते कि आदमी की खूब अच्छी तरह तलाशी ले सको।'

फिर वह जेम्स बांड से बोला 'तुम तो बड़ी ऊंची नस्ल के आदमी मालूम होते हो। इसलिए मुझे आशा है, तुम मुझे तलाशी लेने पर मजबूर नहीं करोगे।'

'मेरे हैट में एक चाकू छुपा हुआ है।' जेम्स बांड शान्त स्वर में बोला। उस आदमी को धोखा दे पाना उसे असम्भव लगा।

'थैंक्यू वैरी मच।' आगुन्तक ने जेम्स बांड का हैड उतारकर उसमें से चाकू निकालकर अपने ओवरकोट की जेब में डाल लिया और हैट वापिस अपने स्थान पर पहुंचा दिया। उसने कठोर नेत्रों से इन्चार्ज की ओर देखा ।

इन्चार्ज के चेहरे से जैसे खून की आखिरी बूंद निचोड़ ली गई थी।

'तुम हंगेरियन पुलिस की नौकरी करने के काबिल आदमी दिखाई नहीं देते मुझे।' आगुन्तक इन्चार्ज से बोला- 'इस बार तुम्हें छोड़ रहा हूँ। दुबारा ऐसी लापरवाही दिखाई तो कान्सटान्टा कन्सन्ट्रेशन कैम्प में एक आदमी और बढ़ जायेगा।'

इन्चार्ज थरथर कांपने लगा।

'एन्ड्रेसी उट में फोन मिलाकर रिसीवर मुझे दो।' आगनुक बोला।

एन्ड्रेसी उट! जेम्स बांड का दिल डूबने लगा। एन्ड्रेसी उट

हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का हेडक्वार्टर था और वह संसार का अकेला स्थान था जिससे जेम्स बांड भी बचना चाहता था।

इन्चार्ज चुप रहा।

'खड़े-खड़े मेरा मुंह क्या देख रहे हो? टेलीफोन मिला

'है. टैली... टैलीफोन?' इन्चार्ज आतंकित स्वर से बोला, 'ख... खराब है।'

'शाबाश!' आगुन्तक व्यंग्यपूर्ण स्वर से बोला- 'भगवान् जाने तुम जैसे अफसरों के हाथों में पड़कर इस देश का क्या होगा?'

इन्चार्ज इस योग्य नहीं रहा था कि कुछ बोल पाये।

आगुन्तक ने अपनी जेब से पर्स जैसी कोई चीज निकाली और उसे खोलकर इन्चार्ज को दिखाता हुया बोला-'अब बताओ, मुझे इस कैदी का अपने अधिकार में ले लेने का हक है या नहीं?'

'यस कर्नल, यस कर्नल!' इन्चार्ज हकलाया-'मैं माफी चाहता हूँ, मेरे से गलती हुई कर्नल ।'

'गुड।' आगुन्तक बोला और उसने पर्स बन्द करके फिर अपनी जेब में रख दिया। फिर वह जेम्स बांड की ओर घूमा और व्यंग्य और बनावटी औपचारिकता मिश्रित स्वर में बोला-'कर्नल जैन्ड्रो, हैडक्वार्टर्स, हंगेरियन पोलिटिकल पुलिस, पेट युअर सर्विस मिस्टर 'बुहल। मेरी कार हाजिर है। हम फौरन बुडापेस्ट की आर प्रस्थान कर रहे हैं। वहीं चलकर गहरी बातें होंगी।'

एक गहरी हार का अहसास जेम्स बांड के मन को बार-बार कचाट रहा था।

झोपड़ी के बाहर घना अन्धेरा छा चुका था। कर्नल जैन्ड्रो की लेफ्ट-हैण्ड-ड्रावल मर्सिडीज गाड़ी पर बरफ की मोटा चादर फैल चुकी थी। गाड़ी का काला रंग केवल बोनट वाले भाग में ही प्रकट हो रहा था जहाँ इन्जन की गर्मी के कारण बर्फ गिरते ही फौरन पिघलकर बह जाती थी ।

ट्रकं वाले के ट्रक की तलाशी ली गई और उसमे से जेम्स बांड का बैग भी बरामद कर लिया गया। कर्नल ने जेम्स बांड की रिवाल्वर और दोनों चाकू भी उसी बैग में डाल दिए।

कर्नल से जेम्स बांड का बैग अपनी गाड़ी की पिछली सीट पर फेंक दिया और फिर उसने कार का अगला दायां द्वार खोला और

जेम्स बांड को भीतर बैठने का संकेत किया।

जेम्स बांड आशन्वित हो उठा। उसका दावा था कि गाड़ी चलाता हुआ अकेला आदमी, चाहे वह कोई भी हो, उसे पवास मील से पधिक फासले तक बन्दी बनाकर नहीं रख सकता था। लेकिन कार में बैठने के एक मिनट बाद ही उसे अहसास होने लगा कि उसवा यह दावा कितना निराधार था।

कर्नल, कार की ड्राइविंग सीट पर आ बैठा।

कार के बाहर खड़ा एक सिपाही जेम्स बांड को रायफल से कवर किए हुए था।

कर्नल ने कार के डेश बोर्ड में बना ग्लोब कम्पार्टमेंट खोला और उसमें से दो लोहे की लम्बी जंजीरें निकाल लीं। उसने जेम्स बांड की बाईं कलाई की हथकड़ी खोली, उसमें से जंजीर का एक फन्दा गुजारा और हथकड़ी फिर कलाई पर जकड़ दी। फिर उसने जंजीर का दूसरा सिरा डैश बोर्ड में बने एक लोहे के हुक में से गुजारा और पहले की तरह दूसरे सिरे का आखिरी फन्दा जेम्स बांड की दाईं कलाई की हथकड़ी में पिरों दिया।

फिर उसने दूसरी जंजीर जेम्स बांड की दोनों टांगों के बीच घुटनों के समीप से गुजारी और उसके दोनों सिरे जेम्स बांड की साइड वाले द्वार में लगे एक लोहे के हुक में एक भारी ताले की सहायता से फंसा दिए।

'मेरे ख्याल से, अब ठीक रहेगा।' कर्नल सन्तुष्टिपूर्ण स्वर में बोला- 'आप अपने स्थान पर बैठे ठाठ से हिल-डुल सकते हैं, मिस्टर बुहल लेकिन मुझ तक नहीं पहुंच सकते। इस इन्तजाम से मुझे गाड़ी चलाने में बड़ी सहूलियत होगी और साथ ही आप भी अपनी ओर का द्वार खोलकर स्वयं को गाड़ी से बाहर न फेंक पायेंगे। अगर आप अपनी ओर के द्वार को गौर दें तो भीतर से खोलने वाला हैन्डिल और शीशा नीचा करने वाला हैडिल दोनों गायब हैं। इसलिए आपका मुझे धोखा देकर गाड़ी में से कुछ भागने का चान्स जीरों परसेंट रह गया है।'

'बड़ा इन्तजाम है?' जेम्स बांड व्यंग्यपूर्ण स्वर में बोला।

-'क्या करें साहब।' कर्नल लापरवाही में बोला- 'आप जैसे स्पेशल पैसेन्जर इस गाडी में मुझे अक्सर ढोने पडते हैं। और मिस्टर बहुल जंजीरों पर जोर आजमाइश करके अपने शरीर को हानि पहुंचाने का प्रयत्न मत कीजिएगा। मैं आपको विश्वास दिलाता

हूँ कि न जंजीरें टूट पायेंगी और न लोहे के हुक-जिनमें से ये जंजीरें पिरोई गई है।'

इन्चार्ज फिर कार से बाहर कर्नल के सोमने आ खड़ा हुआ था।

'हाँ!' कर्नल कर्कश स्वर में बोला- 'अब क्या चाहते हो तुम?'

'आई एम सारी कर्नल!' इन्चार्ज हकलाता हुआ बोला-'मैं आपको बताना भूल गया था। मैंने हैडक्वार्टर सन्देश भेज कर इस आदमी को ले जाने के लिए कार सिरोव ाई हैं।'

'तुमने?' कर्नल एकदम तीव्र स्वर में बोला- 'कब?'

'दस या पन्द्रह मिनट पहले।'

'फूल! यह बात तुम्हें फौरन बतानी चाहिए थी मुझे।'

इन्चार्ज फिर कांपने लगा।

'खैर! अब दफा हो जाओ यहाँ से।'

कर्नल ने भडाक से अपनी और का द्वार बन्द किया और कार स्टार्ट कर दी।

बुडापेस्ट की स्टालिन स्ट्रीट में स्थित हंगेरियन सीक्रेट सर्विस के हैडक्वार्टर से आज तक कोई जिन्दा बचकर नहीं निकल पाया था, इस तथ्य को जेम्स बांड अच्छी तरह जानता था। वह जानता था कि अगर बुडापेस्ट पहुंचने से पहले-पहले वह स्वयं को कर्नल के चंगुल से नहीं छुड़ा सका तो फिर जिन्दगी भर आजादी का मुंह नहीं देख संकेगा।

वह जंजीरों पर अपनी शक्ति का परीक्षण पहले ही कर चुका था। कर्नल ने झूठ नहीं बोला था। जंजीरें तोड़ पाना सम्भव नहीं था। वह जंजीरों की सीमा में आस-पास हिलकर यह भी जान चुका था कि उसके हथकड़ियों से जकड़े हुए हाथ कार के स्टेयरिंग व्हील

तक नहीं पहुंच सकते। लगभग ऐसा ही हाल उसकी टांगों का भी था। वह टांगे हिला-डुला तो सकता था लेकिन उन्हें ऊपर उठाकर कर्नल पर आक्रमण नहीं कर सकता था।

'मिस्टर बुहल?' काफी देर बाद कर्नल जैड्रो बोला।

'यस !' जेम्स बांड बाला।

'बहुत खतरनाक आदमी हैं आप? बल्कि सच पूछिये, तो इस कार में सफर करने वाले आदमियों में सबसे अधिक खतरनाक आदमी हैं आप?'

जेम्स बांड चुप रहा।

'आपको खूब मालूम है कि आप कहाँ ले जाये जा रहे है लेकिन

फिर भी आपके चेहरे पर लेशमात्र भी भय दिखाई नहीं दे रहा है जबकि साधारण आदमी की तो हंगेरियन सीक्रेट सर्विस के हैडक्वार्टर का जिक्र सुनकर ही आत्मा काँपने लगती है।'

"जी हाँ, जी हां।' कर्नल बोला।

कर्नल ने एक सिगरेट सुलगा लिया और फिर बोला- 'आप आराम से तो हैं न?'

'एकदम आराम से हूँ। जेम्स बांड बोला । एकाएक उसके मस्तिष्क में एक तरकीब उपजी 'क्या एक सिगरेट मुझे भी मिल सकता है?'

'श्यार।' कर्बल बोला- 'आप ता मेरे मेहमान हैं। मुझे आपकी हर मुमकिन सेवा करनी चाहिए। ग्लोब कम्पार्टमैट में बहुत सिगरेट पड़े हैं जितने मर्जी पीजिए।'

जेम्स बांड ने ग्लोब कम्पार्टमेंट में हाथ डाला। वहाँ ढेर सारे लूज सिगरेट पड़े थे। उसने एक उठाकर होठों से लगा लिया।

'सिगरेट लाइटर भी वहीं है। कर्नल बोला ।

जेम्स बांड ने टटोलकर सिगरेट लाइटर भी उठा लिया।

डैश बोर्ड में एक फुट दाई ओर एक-दूसरे कम्पार्टमेंट में जेम्स बांड ने कर्नल को हथकड़ियों की चाबी रखते देखा था लेकिन यहाँ वर्तमान स्थिति में वहाँ तक उसका हाथ पहुंचना असम्भव था।

जेम्स बांड ने देखा, सिगरेट लाइटर पेट्रोल से जलने वाला नहीं था। वह एक नये ढंग का बैट्री आपरेटिड लाइटर था जिसमें से लपट निकलती थी। इसमें एक छोटा-सा स्प्रिंग था जो बटन दबाने से लाल हो जाता था।

जेम्स बांड ने लाइटर का बटन दबाया और फिर एकाएक लाइटर उसकी उंगलियों में से फिसलकर जमीन पर आ गिरा।

'

आई एम सॉरी!' जेम्स बांड विनयशील स्वर में बोला।

कर्नल ने एक जोर का अट्टाहास किया और फिर बोला- 'वन्डर फुल, मिस्टर बहुल लेकिन मुझे अफसोस है कर्नल जैडो ऐसी चालों मैं फंसने की स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है।'

'क्या कह रहे हैं आप? मैं समझा नहीं।'

'वन्डरफुल अगेन ! आपके इस उलझनपूर्ण भाव का अभिनय आपके पहले एक्शन से भी ज्यादा शानदार है। लेकिन मिस्टर बहुल, में कल फैदा नहीं हुआ था। आप मुझसे यह आशा मत कीजिए कि मैं औपचारिकतावश यह लाइटर उठाने के लिए नीचे

झुकूं ताकि आप अपने हथकड़ियों वाले हाथ मेरे सिर पर पटककर मेरी खोपड़ी तोड़ दें।'

जेम्स बांड चुप रहा। कर्नल निस्सन्देह बहुत चालाक था।

'दूसरी सम्भावना यह भी है कि मैं आपके सिगरेट सुलगाने के लिए अपनी माचिस दे दूँ। और आप एक तीली जलाकर माचिस में रखी सारी तिलियां भड़का दें और वह शोला-सा मेरे मुंह पर फेंक कर मेरी आँखें या चेहरा जला दें।'

जेम्स बांड फिर भी चुप रहा।

'फिर आपने यह सोचा होगा कि मैं आपके सिगरेट सुलगाने के लिए जलती हुई दियासलाई आपकी ओर बढ़ाऊंगा और आप मेरी उंगलियों को जूड़ी लाक (एक जापानी दांव) में फंसाकर मेरी उंगलियों के जोड़ खोल देंगे।'

जिन्दगी में पहली बार जेम्स बांड का अपने मैच से मुकाबला हुआ था।

'यू आर टाकिंग नानसैस ।' प्रत्यक्ष में वह बोला ।

'सम्भव है लेकिन क्या करूं, शक करना मेरी आदत बन गई है।' फिर कर्नल ने एक माचिस जेम्स बांड की गोदी में उछाल दी।

'इस माचिस में एक ही तीली है, मिस्टर बुहल।'

मन ही मन अपनी भारी हार स्वीकार करते हुए जेम्स बांड ने सिगरेट सुलगा लिया। उसका मस्तिष्क कोई नई तरकीब सोचने में लग गया।

फासला कटता रहा।

एकाएक एक स्थान पर कर्नल ने गाड़ी मेन रोड से नीचे उतार दी। पेड़ों के एक घने झुरमुट में जाकर इन्जन बन्द कर दिया और हैड लाईट्स बुझा दीं।

जेम्स बांड के ख्याल से बुडापेस्ट अभी भी बीस मील दूर था।

कर्नल ने जेम्स बांड का बैग उठा लिया और बोला, 'इसकी चाबी दीजिए और भगवान के लिए मत कहियेगा कि चाबी आपके पास है ही नहीं या अनजाने में कहीं खो गई है। मेरे ख्याल से आप और मैं दोनों ही एस्पियानेज की (जासूसी) किंडर मार्टन स्टेज से बहुत आगे गुजर चुके हैं।'

'चाबी मेरे कोट की भीतरी जेब में हैं।' जेम्स बांड बोला।

'निकालिए ?'

'मेरा हाथ वहाँ तक नहीं पहुंच सकता।'

'बेहतर।' कर्नल बोला। उसने अपनी जेब से रिवाल्वर निकालकर जेम्स बांड की पसलियों से सटा दी और फिर उसकी भीतरी जेब में हाथ डालकर चाबी निकाल ली।

जेम्स बांड के मुंह से एक गहरी सांस निकल गई। कर्नल बहुत सतर्क आदमी था।

कर्नल कितनी ही देर तक बैग में रखे सामान को परखता रहा। फिर उसने बैग की लाइनिंग उधेड़नी आरम्भ कर दीं। बैग के कैनवस की दो तहों के बीच में कुछ कागज बाहर निकल आये।

कर्नल उन कागजों को खोलकर देखने लगा ।

उन कागजों में जेम्स बांड का एक विभिला नाम से पासपोर्ट था और बाकी कागजों में उसका जन्म स्थान, राष्ट्रीयता वगैरह सब बदली हुई थी।

'बड़ा भारी इन्तजाम रखते हैं आप, मिस्टर बुहल।' कर्नल प्रशंसात्मक स्वर में बोला 'एक ही क्षण में आप अपना पूर्ण अस्तित्व बदल सकते हैं। कौन से कागजात असली हैं? जो आपने पहले दिखाये थे? या दोनों नकली है?'

'ये कागजात असली हैं। आस्ट्रियन कागजात नकली हैं।'

जेम्स बांड बोला और फिर एकदम उसने जर्मन बोलनी बन्द करके धारा प्रवाह हंगेरियन बोलनी आरम्भ कर दी-'मेरी माँ वियना में रहती है। मुझे सन्देश मिला था कि वह मरने वाली है। इसीलिए मुझे नकली आस्ट्रियन पेपर हासिल करने पड़े।'

'अच्छा!' कर्नल बनावटी सहानुभूति प्रकट करता हुआ बोला-'अब कैसी तबीयत है तुम्हारी माँ की?'

'मर गई है।' जेम्स बांड वेदनापूर्ण स्वर में बोला, 'विश्वास न हो तो मंगलवार के अखबार में 'निधन' के कॉलम में उसका नाम देख लीजिए।'

'क्या नाम...?'

'मरिया राकोसी ।'

'जरूर होगा साहब।' अब कर्नल भी हंगेरियन में बोल रहा था- 'में अखबार देखे बिना ही आपकी बात पर विश्वास कर लेता हैं। अखबार में नाम न होता तो आप हरगिज जिक नहीं करते इसका। मुझे आपसे हमदर्दी है।'

जेम्स बांड चुप रहा।

'तो आपका असली नाम लाजोस राकोसी है?' कर्नल पेपर

देखता हुआ बोला।

'जी हाँ।'

'जोहान बुहल नहीं?'

'नहीं, मेरा नाम लाजोस राकोसी है। मेरी जन्म तिथि, हंगरा का पता, शादी की तारीख वगैरह सब इन कागजों में दर्ज है।'

'मैं आपकी और आपके अफसरों की तारीफ करता हूँ।' कर्नल बोला- 'आपका मुल्क अपने जासूसों को पूरे पूरे इन्तजाम के साथ ही दूसरे मुल्कों में भेजता है, आप... ।'

'लेकिन मैं. कोई जासूस नहीं हूँ, कर्नल जैड्रो!' जेम्स बांड रुआंसे स्वर में बोला- 'मैं तो बुडापेस्ट का सीधा-साधा नागरिक हूँ। जाली आस्ट्रियन पेपर तो मैंने अपनी मरती हुई माँ से मिलने की खातिर हासिल किए थे। मैं पक्का देशभक्त हूँ और अपने देश का अहित तो मैं स्वप्न में भी नहीं सोच सर्कता। आप मेरी देश प्रेम की भावनाओं का अनुमान इसी बात से लगा सकते हैं कि एक बार हंगरी से निकल जाने के बावजूद भी मैं वापिस आ गया हूँ। मेरा देश मेरा देश है। बुडापेस्ट में मेरा घर है। इसलिए मैं वापिस बुडापेस्ट जा रहा हूँ।'

'च-च-च।' कर्नल हंगेरियन में बोला- 'आप बुडापेस्ट वापस नहीं आ रहे हैं साहब। बुडापेस्ट जा रहे हैं और शायद जीवन में पहली बार जा रहे हैं।'

कर्नल एकदम जेम्स बांड के नेत्रों में झांक रहा था फिर एकाएक उसके चेहरे का भाव बदला और वह बोला- 'पीछे देखो।'

जेम्स बांद ने एकदम घूमकर देखा और फिर फौरन ही उसे अपनी गलती का अहसास हो गया। कर्नल ने आखिरी दो शब्द अंग्रेजी में कहे थे लेकिन जेम्स बांड ने सीक्रेट सर्विस की लम्बी नौकरी में बड़ी से बड़ी गलती को सुधारना और कठिन से कठिन समस्या का सामना करना सीखा था।

'मुझे इंगलिश आती है।' वह सरल स्वर में अंग्रेजी में बोला- 'तो इसमें हैरानी वाली कौन-सी बात है। कर्नल साहब, अगर आप बुडापेस्ट के निवासी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि बुडापेस्ट में कम से कम पचास हजार ऐसे आदमी हैं, जिन्हें इंगलिश आती है।

'कमाल है!' कर्नल अपनी दाई हथेली अपनी जाँघ पर मारता हुआ बोला- 'एक अंग्रेज बुडापेस्ट के उच्चारण में हंगेरियन बोले, यह

कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन एक अंग्रेज अंग्रेजी, यानी कि अपनी ही भाषा, बुडापेस्ट निवासियों के उच्चारण में बोले , यह करिश्मा है।' 'मिस्टर बहल! एकाएक कर्नल गम्भीर स्वर में बोला- 'या जो

भी तुम्हारा नाम है किसी देश की सीक्रेट सर्विस में तुम्हारे जैसे एजेन्ट का होना उस देश के लिए गौरव की बात है। तुम्हारे देश के अफसरों ने तुम पर बहुत मेहनत की है, तुम्हें दोष हीन ट्रेनिंग दी है। हंगरी से बाहर रहकर हंगरी के लोगों के रहन-सहन, बात करने का ढंग, उनकी आदतों, उनकी भाषा उनके विपिष्ट उच्चारण के बार में तुमने जो कुछ सीखा है वह एकदम परफेक्ट है। मैं तुम्हारी और तुम्हारे शिक्षकों की तारीफ करता हूँ लेकिन बहुत-सी बातें ऐसी हैं जो केवल हंगरी में रहकर यहाँ के साधारण लोगों की- जिनका कि तुम अभिनय कर रहे हाँ-करीब से देखने पर ही सीखी जा सकती हैं। उन बातों में से एक है यहां के लोगों की मानसिक स्थिति। यहाँ के लोग एक भावी आतंक के आलम में यहाँ रहते हैं। पता नहीं कब मौत का लम्बा हाथ बढ़कर उन्हें ले लें और उनकी कहानी खत्म हो जाए। मिस्टर बुहला, अगर वास्तव में ही तुम वह होते जो तुम स्वयं को सिद्ध करने का प्रयत्न कर रहे हो तो मेरी सूरत में तुम्हें अपनी मौत दिखाई देती। सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर में ले जाये जाने के नाम-मात्र से तुम आधी दर्जन बार बेहोश हो चुके होते और बच्चों की तरह बिलख-बिलखकर अपनी निर्दोषिता प्रमाणित करने का प्रयत्न कर रहे होते । या अगर तुम बहुत ही बहादुर और मजबूत दिल के हंगेरियन होते तो क्रोध से लाल-पीले हो रहे होते, और चिल्ला-चिल्ला कर मुझे , मेरी सीक्रेट पुलिस को और साम्यवाद के बोला े वालों को गालियां दे रहे होते। लेकिन मिस्टर बुहल, क्योंकि हगरी से बाहर रहकर तुम हंगरी निवासियों के चरित्र की इस विशेषता को नहीं जान पाये-चलिार तुमने ऐसा कुछ नहीं किया, और यही तुम्हारी सबसे बड़ी गलती सिद्ध हुई। तुम बातें मुझसे कर रहे हो लेकिन तुम्हारा तीव्र मस्तिप्क एक

मशीन की तेजी से कोई ऐसी तरकीब सोच निकालने में लगा हुआ है जिससे तुम मेरे चगुल में से छूट सका। तुम्हारे चेहरे पर भय का नाम निशान नहीं है क्योंकि ऐसी स्थिति तुम्हारे लिए नई नही है तुम इस प्रकार की स्थितियों में फंसने और उसमें से बच निकलने के आदी हो चुके हो। तुम में आत्म विश्वास कूट-कूट कर भरा हुआ है और तुम हो कि मेरी छोटी से छोटी गल्ती का भी बड़े से बड़ा फायदा उठाने की योग्यता

रखते हो। तुम... ।'

एकाएक वह चुप हो गया। उसने हाथ बढ़ाकर कार के भीतर जलने वाली बत्ती बुझा दी और फिर जेम्स बांड के मुंह में से सिगरेट छीनकर उसे अपने जूते से मसल दिया।

अगले ही क्षण जेम्स बांड के तेज कानों में एक समीप आती हुई कार के इन्जन की हल्की-सी आवाज पड़ी ।

कर्नल एकदम स्थिर बैठा था।

कार की आवाज तेज होती गई। फिर कार की तेज हैडलाइट्स के प्रकाश से सड़क की बर्फ चमचमा उठी।

कार बुडापेस्ट की ओर से आ रही थी।

'फिर सड़क पर आगे बढ़ती हुई कार के साथ-साथ रोशनी भी दृष्टि से ओझल हो गई। एक क्षण बाद कार के. इन्जन की आवाज आनी भी बन्द हो गई।

एक मिनट बाद कर्नल ने इन्जन स्टार्ट किया और कार को फिर मेन रोड पर ले लिया।

कार फिर बुडापेस्ट की ओर बढ़ चली।

जेम्स बांड हैरान था।

लगभग एक घण्टे बाद कर्नल जैड्रो की कार बुडापेस्ट के समीप पहुंच गई। साधारणतया यह फासला बीस-पच्चीस मिनट में तय किया जा सकता था लेकिन बर्फ से अटी हुई सड़कों को ध्यान में रखते हुए एक घन्टा भी अधिक नहीं था।

शहर की सीमा के समीप पहुंच कर कर्नल ने हाइवे फिर छोड़ दिया। वह कई टेढी-मेढ़ी महत्वहीन सड़कों पर गाड़ी चलाता हुआ आगे बढ़ रहा था।

जेम्स बांड ने देखा, कर्नल जान-बूझकर कार ऐसी सड़कों पर चला रहा था जिनके रास्ते में पुलिस ब्लाक नहीं आता था।

उसने उलझनपूर्ण नेत्रों से कर्नल के भावहीन चेहरे को देखा। पहले कर्नल ने कांराम की ओर जाती हुई पुलिस की गाड़ी से बचने के लिए अपनी कार मेन रोड से उतार कर झाड़ियों में छुपा ली है

और अब वह पुलिस ब्लॉक से बचने का प्रयत्न कर रहा था।

जेम्स बांड ने खिडकी से बाहर झांका।

गाड़ी फेरेन्क जाजेफ ब्रिज से गुजर रही थी।

फिर गाडी डेन्यूब नदी के पुल को पार करके बुडापेस्ट नगर के दूसरे भाग में पहुंच गई।

जेम्स बांड पहले कभी भी बुडापेस्ट में नहीं आया था लेकिन वह बुडापेस्ट के एक-एक गली, मुहल्ले, सड़क, इमारत वगैरह को इतनी अच्छी तरह पहचानता है जैसे उसने अपनी पूरी जिन्दगी ही उन्हीं गलियों की खाक छानते हुए गुजारी हो। बुडापेस्ट के विशाल मानचित्र में से बुडापेस्ट की एक-एक जगह की सूरत और स्थिति. भाव करने में उसने पूरे दो महीने लगाये थे।

गाड़ी रायल पैलेस और कांरोनेशन चर्च से होती हुई मैगियार्स की पार्लियामेंट के सामने से गुजर गई।

गाड़ी ने मोड़ काटा और पेड़ों से घिरी हुई उस विशाल सड़क पर दौड़ने लगी- जो हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर एन्ड्रेसी की ओर जाती थी।

दस मिनट-केवल दस मिनट बाकी थे और उसके बाद जेम्स बांड का दुश्मन के चंगुल से छूट पानी संसार का सबसे कठिन काम हो जाना था।

जेम्स बांड के दिल की धड़कन तेज हो गई। उसका मुंह सूखने लगा।

कर्नल के चंगुल से छूट पाने का कोई तरीका उसे नहीं सूझ रहा था।

फिर गाड़ी की रफ्तार घटने लगी।

'मिस्टर बुहल!' कर्नल बोला- 'आप जानते ही होंगे कि इस समय आप कहां है?'

'जानता हूँ।' जेम्स बांड शान्त स्वर में बोला- 'इस रास्ते से मैं हजारों बार गुजरा हूँ।'

'आप इस रास्ते से कभी नहीं गुजरे हैं।' कर्नल बोला-'लेकिन मुझे विश्वास है कि आप इस रास्ते की वहाँ का नक्शा बोला े वाले से भी ज्यादा जानकारी रखते हैं। कोई जगह पहचानते हैं आप?'

'आपका हैडक्वार्टर!' जेम्स बांड पचास गज दूर खड़ी विशाल इभारत की ओर संकेत करता हुआ बोला।

'करैक्ट ।' कर्नल बोला- 'यही वह जगह है, जहाँ पहुंचकर बहादुर से बहादुर हंगेरियन को भी दिल के दौरे पड़ने लगते हैं और आप.. ।'

कर्नल ने कन्धे उचकाये ।

जेम्स बाण्ड चुप रहा।

'मैं आपको हैडक्वार्टर के एक ऐसे अन्डर ग्राडन्ड कमरे में ले जा रहा हूँ जो पूरी तरह साउन्डप्रूफ है और जिसको हम लोग केवल अपने विशिष्ट अतिथियों के लिए ही प्रयोग में लाते हैं। उस कमरे में मैं आप पर केवल दो घन्टे खर्च करूंगा। दो घन्टे इसलिए क्योंकि उतने समय में मैं टार्चर के वे तंमाम तरीके आप पर आजमा चुका हांऊंगा जो कि मुझे आते हैं। मेरी नजर में संसार के सख्त के सख्त आदमी की जुबान, खुलवाने के लिए दो घन्टे पर्याप्त समय है। और मिस्टर बुहल, मैं जानता हूँ अगर दो घन्टों में आपने अपनी असलियत नहीं बताई तो आपकी जुबान दो दिन, दो महीने, दो साल में भी खुलवाना मुश्किल होगा। इसलिए उन दो घन्टों के बाद मैं अपनी भरपूर हार स्वीकार करते हुए खुद अपने हाथों से आपको गोली से उड़ा दूंगा।'

कितनी ही देर जेम्स बाण्ड की सूरत देखते रहने के बाद कर्नल ने गाड़ी चला दी।

जेम्स बाण्ड सांस रोके स्वयं को मौत के मुंह में जाता देखता रहा।.

हैडक्वार्टर की इमारत के समीप पहुंचकर कर्नल ने गाड़ी को एक गहरा मोड़ दिया और फिर गाड़ी रोक दी। उसने अपनी जेब से एक सिल्क का रुमाल निकाला और उसे कसकर जेम्स बाण्ड की आँखो पर बान्ध दिया।

गाड़ी फिर चल दी।

कुछ देर तो जेम्स बाण्ड गाड़ी के मोड़ों को याद करता रहा लेकिन थोड़ी ही देर बाद उसने इस कार्य को असम्भव जानकर छोड़ दिया। अगले पांच मिनट में गाड़ी ने इतने तिरछे मोड़ घूमें कि उसके लिए यह याद रख पाना असम्भव हो गया कि गाड़ी किस दिशा में जा रही है।

फिर गाड़ी एक क्षण को रुकी, फिर लगभग दस गज. आगे बढ़ी और फिर इन्जन बन्द हो गया।

जेम्स बाण्ड के कानों में भारी शटर नीचे गिराये जाने की आवाज पड़ी।

लगभग दस मिनट बाद कार का उसकी ओर का द्वार खुला और दो हाथों ने उसे जंजीरों से मुक्त करके उसकी कलाईयों में फिर से हथकड़ियां पहना दीं। फिर उन्हीं हाथों ने उसे खीचकर कार

से बाहर निकाला और उसकी आंखों से सिल्क का रुमाल हटा दिया।

जेम्स बाण्ड ने कितनी ही बार जल्दी-जल्दी अपनी आँखें मिचमिचाईं और फिर चारों ओर देखा।

वह एक विशाल गैरेज था जिसकी चार-दीवारी में कोई खिड़की या रोशनदान दिखाई नहीं दे रहा था। सामने का भारी शटर बन्द था। पिछली दीवार के कोने में एक दरवाजा था जिसका एक पट खुला था और उसमें ऐ एक लम्बे गलियारे के दर्शन हो रहे थे।

शायद वह सीकट पुलिस हैडक्वार्टर्स के बूचड़खाने में पहुंच गया था।

जेम्स बाण्ड के सामने एक पहाड़ जैसे शरीर वाला आदमी खडा था। उसकी नाक टूटी हुई थी और चेहरा बेहद भद्दा था। जेम्स बाण्ड को यह देखकर बहुत हैरानी हुई कि उस भद्दे चेहरे में से क्रूरता के स्थान पर एक विचित्र प्रकार की सरलता टपक रही थी।

कर्नल भी कार से बाहर निकल आया।

'सैन्डर!' वह भददे चेहरे वाले से बोला- 'साहब हमारे मेहमान हैं। अभी थोड़ी देर में ये हमें अपनी जीवन कथा सुनायेंगे। साहब की अच्छी तरह निगगनी करना। ये बड़े खतरनाक आदमी हैं।'

'मैं साहब का पूरा ख्याल रखूंगा।' सैन्डर शान्त स्वर में बोला। कर्नल जेम्स बाण्ड का बैग और कागजात लेकर पिछले द्वार में से गलियारे में कहीं विलीन हो गया।

सैन्डर दीवार के साथ पीठ सटाकर खड़ा हो गया।

जेम्स बाण्ड कुछ क्षण चुपचाप खड़ा रहा। फिर उसकी आँखें मुंदने लगीं और उसका शरीर हल्के से लहराने लगा।

'क्या बात है?' सैन्डर ने तीव्र स्वर में पूछा।

'कुछ नहीं।' जेम्स बाण्ड भरये हुए स्वर में बोला-'मुझे चक्कर आ रहा है। एकाएक मेरा सिर घुमने लगा है।'

और फिर जेम्स बाण्ड ने अपनी हथकड़ियों से बंधे हाथों से सिर थाम लिया ।

लगभग एक मिनट तक वह उसी स्थिति में खड़ा रहा।

सैन्डर ने दीवार का सहारा छोड़ दिया और एकदम आगे जेम्स बाण्ड की ओर बढ़ा।

जेम्स बाण्ड का शरीर एक बार जोर से कांपा-फिर उसकी आँखों की पुतलियां फिर गई और अगले ही क्षण उसका शरीर

निश्चेष्ट-सा फर्श की ओर लहराने लगा।

जेम्स बाण्ड के शरीर ने एकाएक एक अप्रत्याशित हरकत की। वह अपनी एड़ियों पर घूमा और उसने अपने हथकड़ियों से जकड़े दोनों हाथ पूरी शक्ति से सैन्डर के सिर पर दे मारे। उस प्रहार के पीछे जेम्स बाण्ड के सारे शरीर की शक्ति का एक-एक कण निहित था। उसने अपने पूरे जीवन में किसी व्यक्ति पर इतना भीष्ण प्रहार नहीं किया था। जेम्स बाण्ड के दोनों हाथ वज्र की तरह सैन्डर की गरदन पर जबड़े की हड्डी से थोड़ा-सा नीचे टकराये।

जेम्स बाण्ड को यूँ लगा, जैसे उसने वह प्रहार किसी आदमी पर नहीं, किसी मजबूत पेड़ के तने पर किया था। वह दर्द से बिलबिला उठा और उसे यूँ लगा जैसे उसके हाथ की कई उंगलियां टूट गई हों।

जूडो का यह प्रहार किसी भी अच्छे-खासे बलशाली आदमी को जान से मार देने के लिए पर्याप्त था, अगर सौभाग्य से किसी के प्राण निकलने से रह भी जायें तो कम से कम तीन दिन वह आदमी अपने स्थान से हिलने-दुलने के योग्य नहीं रहता था। लेकिन सैण्डर के मुंह से केवल एक कराह निकली फिर उसने अपने सिर को एक जोरदार झटका दिया और फिर बड़ी सावधानी से जेम्स बाण्ड की ओर बढ़ा। वह उसके हर अगले प्रहार से सचेत था।

लेकिन जेम्स बाण्ड दूसरा प्रहार करने योग्य रहा ही नहीं था। दहशत और हैरानी से उसकी आँखें फटी जा रही थीं।

सैन्डर ने उसे कार और अपने शरीर के बीच में दबोच लिया। फिर उसने अपने दोनों हाथों से जेम्स बाण्ड की कलाइयां पकड़ ली और उन्हें दबाने लगा। उसका चेहरा और

आँखे एकदत भावरहित थीं। । ऐसा लगता था जैसे वह कोई बहुत ही महत्वहीन काम कर रहा हो।

जेम्स बाण्ड ने इतनी जोर से अपने दांत भींचे कि उसका जबड़ा दुखने. लगा। बड़ी मुश्किल से वह अपने गले से निकालने को तत्पर पीड़ा और आतंक की चीख को दबा पाया।

सैन्डर की लोहे जैसी पकड़ का दबाव उसकी कलाइयों पर बढ़ता जा रहा था.। जेम्स बाण्ड के चेहरे से खून की अन्तिम बूंद भी निचूड़ गई और उसके माथे पर पसीने की बूंदें चुहचुहा आईं। उसे यूँ लग रहा था जैसे उसकी कलाइयां कोल्हू के बेलनों में फंस गई

थी। उसकी आँखों के सामने अन्धेरा छाने लगा।

उसी क्षण सैन्डर ने उसकी कलाईयां छोड दी और दो कदम हट गया। वह अपने दायें हाथ से बड़ी लापरवाही से गरदन के उस स्थान पर सहला रहा था-जहाँ जेम्स बाण्ड ने प्रहार किया था।

'अगली बार मेरी पकड़ में आपकी कलाइयां नहीं, आपकी गरदन होगी।' वह नम्र स्वर में बोला- 'मेहरबानी करके दोबारा ऐसी हरकत मत करना। खामखाह हम दोनों ही चोट खा गये हैं और नतीजा कुछ भी नहीं निकला ।

पूरे पांच मिनट बाद जेम्स बाण्ड के चेहरे पर रंगत लौटी। फिर उसने सैन्डर को यूँ देखा, जिसे कोई अजूबा देख रहा हो।

उसी क्षण पिछला द्वार फिर खुला और एक लगभग बीस साल के खूबसूरत लड़के ने गैरेज में प्रवेश किया।

'सैन्डर!' वह बोला- 'साहब को भीतर ले आओ ।'

सैन्डर ने जेम्स बाण्ड को आगे बढ़ने का संकेत किया।

जेम्स बाण्ड उस लड़के के पीछे-पीछे द्वार में प्रविष्ट हो गया।

लम्बे गलियारे के दूसरे सिरे पर नीचे को जाती हुई सीढ़ियां थीं। उन सीढ़ियों के आगे फिर एक लम्बा गलियारा था-जिसके सिरों पर कई दरवाजे दिखाई दे रहे थे।

जेम्स बाण्ड को उनमें से एक दरवाजे से भीतर धकेल दिया गया।

वह एक बहुत बड़ा कमरा था-जो प्रकाश से बुरी तरह जगमगा रहा था। कमरे के एक ओर एक मेज थी जिस पर जेम्स बाण्ड की साइलेन्सर लगी रिवाल्वर, दो चाकू, उसके कागजात और बैग का बाकी सामान पड़ा था। कर्नल ने तो केवल बैग की लाइनिंग ही अधेड़ी थी लेकिन अब बैग के टुकड़े-टुकड़े हुए पड़े थे। बैग की जिप तक तोड़ दी गई थी। उसका चमड़े का हैडिल उतारकर उसकी धज्जियां उड़ा दी गई थीं और यहाँ तक कि

बैग के केस में लगे हुए चार स्टैंड भी उतार लिए गए थे और उन्हें तोड़कर उनके भीतर झांक लिया गया था।

जेम्स बांड को मानना पड़ा कि उसके सामान की तलाशी लेने वाला इस कला का विशेपज्ञ था।

मेज के पीछे एक लगभग पचास साल का आदमी बैठा था। उसकी आँखों पर काला चश्मा चढ़ा हुआ था और उसके चेहरे से

गहन बुद्धिमत्ता के लक्षण परिलक्षित हो रहे थे।

उसके हाथों में जेम्स बाण्ड के कागजात थे।

उसकी बगल में कर्नल जैड्रो खड़ा था।

लड़का भी कर्नल जैड्रो के समीप खड़ा था। लेकिन सैन्डर द्वार के समीप ही खड़ा था। वह अभी भी धीरे-धीरे अपनी गर्दन के उस भाग को सहला रहा था-जहाँ जेम्स बाण्ड ने उस पर प्रहार किया था।

काले चश्मे वाले ने कागजात मेज पर रख दिये और फिर बड़ी' सधी हुई किन्तु मित्रतापूर्ण आवाज में बोला- 'आपके कागजात दिलचस्पी से खाली नहीं हैं, मिस्टर बुहल।

फोर्जरी को कला का इतना अद्‌वितीय नमूना बहुत कम ही मेरी नजरों से गुजरा है। अब बड़ी कृपा होगी, अगर आप इन कागजों का हवाला देना छोड़कर हमें अपनी वास्तविकता बता दें ।'

उसी क्षण उसकी नजर सैन्डर पर पड़ी-'क्या बात है सैन्डर?'

'इसने मुझ पर प्रहार किया था।' सैन्डर दबे स्वर में बोला-'यह आदमी जूड्रो का मास्टर मालूम होता है। इतना सधा हुआ प्रहार करने के लिए जूडो के बहुत ऊंचे ज्ञान की आवश्यकता होती है।'

'मैंने तुम्हें पहले ही बताया था कि यह बहुत खतरनाक आदमी है।' कर्नल बोला।

'मैं धोखा खा गया था।' सैन्डर ने स्वीकार किया-'इसने एकदम यूं अभिनय किया था, जैसे यह बेहोश होकर जमीन पर गिरने वाला हो।'

'मैं आपकी तारीफ करता हूँ, मिस्टर बुहल।' काले चश्मे वाला फिर जेम्स बांड से सम्बोधित हुआ-'कोई आदमी सैन्डर पर घातक प्रहार करने में सफल हो जाये, इसे हम करिश्मा मानते हैं।... खैर, आपका नाम, मिस्टर बुहल?'

'मैं अपना असली नाम कर्नल जैड्रो को पहले ही बता चुका हूँ। मेरा नाम राकोसी है-लाजोस राकोसी। अपनी जान बचाने की खातिर मैं आप लोगों को एक दर्जन नाम बता सकता हूँ लेकिन मेरा वास्तविक नाम राकोसी ही है और मैं इसका सबूत दे सकता हूँ।'

'मिस्टर बहुल।' काले चश्मे वाला शान्त स्वर में बोला- 'आप बहादुर आदमी हैं, हम लोग इस बात को स्वीकार करते हैं लेकिन जिस इमारत में आप खड़े हैं, वहाँ बहादुरी एक बेकार सी चीज

समझी जाती है। मैं आपका यहाँ से निकाल ले जाने में सहायक सिद्ध नहीं हो सकती। अगर आप सच बोलें तो आपकी मुक्ति सम्भव हो सकती है। इसलिए आप अपना वास्तविक परिचय देकर हमें अनुगृहीत कीजिए।'

जेम्स बांड हैरान था। आखिर ये लोग उसके साथ इतनी विनम्रता से क्यों पेश आ रहे हैं। एक ही कारण उसकी समझ में आया। शायद ये लोग उसके साथ चूहे-बिल्ली का खेल-खेल रहे है। अपने भले व्यवहार से उसके मन में एक गलत प्रकार की सुरक्षा की भावना भर देने के बाद ही शायद वे उस पर प्रहार करेंगे।

हम उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे है, मिस्टर बुहल।' चश्मे वाला बड़ा सब से बोला ।

'मैं अपना उत्तर पहले ही दे चुका हूँ।' जेम्म बांड बोला-'मै पहले ही हकीकत बयान कर चुका हूँ। मेरा नाम लाजोस राकोसी है। मैं हंगेरियन हूँ और बुडापेस्ट का निवासी हूँ।'

'यह आपका अन्तिम उत्तर है?'

'मैं सच बोल रहा हूँ।'

"अच्छी बात है। अपने कपडे उतार दीजिए। सारे।'

'नहीं!' जेम्स बांड तीव्र स्वर में बोला। उसने घूमकर देखा, द्वार पर सैन्डर का पहाड़ जैसा शरीर खड़ा था और इस बार वह बेहद सतर्क था। कर्नल जेड्रो ने भी रिवाल्वर निकाल ली थी-'मैं कपड़े नहीं उतारूंगा।"

'बचपना मत दिखाइये, मिस्टर बुहल।' कर्नल जेड्रो भावहीन स्वर में बोला- 'आप हमारी किसी भी आज्ञा का पालन न करने की स्थिति में नहीं हैं। मेरे हाथ में रिवाल्वर है और सैन्डर जरूरत पड़ने पर जबरदस्ती आपको नंगा कर देगा। और सैन्डर आपके कपड़े भी गलत ढंग से उतारेगा। वह आपकी कोट कमीज वगैरह सब एक ही बार अपने मुट्ठी में पकड़ेगा और फिर एक ही झटके से आपके ये शानदार कपड़े धज्जियों की सूरत में आपके शरीर से उधड़ते चले जायेंगे। यही हाल आपकी पतलून और बाकी कपडों का भी होगा। इसके विपरीत आप अपने कपड़े स्वयं उतारने में कहीं ज्यादासहूलियत महसूस करेंगे।'

जेम्स बांड ने स्वीकृति-मूचक ढंग से सर हिला दिया।

उसकी हथकड़ियों बोल की गई।

एक मिनट बाद सारे कपड़े नीचे

पड़े थे और वह एकदम नंगा जमा देने वाली सर्दी में ठिठुरता हुआ खड़ा था।

'कपड़े यहाँ लाओ, मैन्डर । काले चश्मे वाले ने आज्ञा दी। फिर उसने जेम्स बांड पर दृष्टिपान किया- आपके पीछे बैंच पर एक कम्बल पड़ा हैं।'-

जेम्म बांड ने उलझनपूर्ण भाव में काले चश्मे वाले की आर देखा। उसका ख्याल था कि उसे पीटने के लिए निर्वस्त्र किया जा रहा है-न कि वास्तव में वे लोग उसके कपडे चैक करना चाहते थे। और फिर उस सर्दी से बचने के लिए कम्बल देना। साम्यवादियों के टार्चर चैम्बर में इनकी शराफत दिलाने वाले ये लोग उसे बड़े विचित्र लाग रहे थे।

उसने आगे बढ़कर कम्बल उठाया, उस कसकर अपने अगर के साथ लपेटा और फिर गठरी-सा बनकर बैंच पर बैठ गया।

लगभग दस मिनट तक काले चश्मे वाला और कर्नल जैड्रो जेम्स बांड के कपड़ों के एक-एक सूत से दो चार होते रहे।

जेम्स बांड लापरवाही का प्रदर्शन करता हुआ उनका हर एक्शन देख रहा था। कपडो की ओर से उस कोई चिन्ता नहीं थी। उनमें उसकी वास्तविकता को प्रकट करने वाला कोई सूत्र मौजूद नहीं था।

कुछ क्षण तक काले चश्मे वाला और कर्नल जैड्रो धीमें स्वरों में बातें करते रहे फिर चश्मे वाले ने एक बार जेम्स बांड की आर दृष्टिपात किया और फिर स्वकृति-सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

कर्नल जैड्रो लम्बे डग भरता हुआ कमरे के द्वार में- से बाहर निकल गया। बाहर पहुंचकर उसने दोबारा द्वार बन्द करने का प्रयत्न नहीं किया।

जेम्स बांड उलझनपूर्ण नेत्रों से खुले द्वार की ओर देखता रहा।

कमरे के वातावरण में एक विचित्र प्रकार का रहस्य भरा भारीपन फैल गया।

जेम्स बांड की दृष्टि कुछ देर तक सैन्डर, काले चश्मे वाले और लड़के के गम्भीर चेहरों पर भटकती हुई फिर द्वार की ओर उठ जाती।

उसी क्षण उस द्वार पर एक आकृति दिखाई दी। उस आकृति ने एक क्षण, केवल एक क्षण के लिए भीतर झाँका और फिर आगे बढ़ गई।

33

आश्चर्य में जेम्स बांड की आँख फैल गई। उस आकृति का पहचान लेने के लिए एक झलक ही काफी थी। एम ने आकृति की हर सम्भावना एंगल से सोची हुई कम से कम बीस तस्वीरें दिखाई थी, जिन्हें वह पूरे दो दिन तक स्टडी करता रहा था . ताकि वह उस आकृति का आसानी से पहचान सके ।

"ठहरो" वह गला फाड़कर चिल्लाया और फिर तीर की तेजी में कम्बल सम्भालता हुआ द्वार की ओर झपटा।

लेकिन सैन्डर ने उसे हाथ बढ़ाकर रास्ते में रोक लिया ।

'छोड़ो मुझे। जेम्स बांड द्वार की ओर संकेत करता हुया बोला- 'रोको उसे ।

'क्या?' सैन्डर फिर बोला।

मिस्ट् र !' काले चश्मे वाला बोला --आप उस आदमी की जानते है?

हां।

वह कौन है?

मेजर होवार्थ। जेम्स बांड बोला- मेजर होवार्थ ऑफ हंगेरियन सीक्रेट पुलिस ।

राइट। काले चश्मे वाला बोला -मेजर के पीछे भागने की जरूरत नहीं है, मिस्टर बहुल। मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिए। में मेजर को यही बुलाये देता हूँ।

जेम्स बांड ने अपना शरीर ढीला छोड़ दिया।

सैंडर ने भी उसे छोड़ दिया।

"इधर।-- काले चश्मे वाले ने अपने बगल में खड़े लड़कें को बोला- मेजर होवार्थ को बुला लाना।

वह चुपचाप कमरे में बाहर निकल गया।

अपने कपड़े पहन लीजिए। काले चश्मे वाला जेम्स बांड से बोला।

जेम्स बांड ने आग बढ़कर अपने कपड़ उठाये और एक-एक करके पहन लिये । कंबल उसने वहां पर पड़ा रहने दिया।

उसी क्षण कमरे में मेजर होवार्थ दिखाई दिया ।

मेजर ? आप मिस्टर बहुल को जानते हैं ?

मेजर ने जेम्स बांड की ओर देखा ।

'मेजर संवार्थ! जेम्स बांड बोला

'राईट।'

'मेजर होवार्थ ऑफ़ ब्रिटिश सीक्रेट पुलिस ?'

'एम!' जेम्स बांड अर्थपूर्ण नेत्रों में उसे देखना हुआ बोला।

"एम! फॉर मर्डर । एम फार माइन्ड रीडर। एम फार मंकिन्टांश । मेजर होवार्थ भावहीन स्वर में बोला।.

जेम्स बांड ने शान्ति की एक गहरी सांस' ली ----कोड का ठीक उत्तर मिला था उसे ।

'एम कौन है?' मेजर होवार्थ बोला।

'एम मेरे चीफ है।'

'और तुम कौन हो?'

'कमान्डर जेम्स बांड 007। सीक्रेट एजेन्ट, ब्रिटिश इन्टेलीजन्स । एम ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के जीरो जीरों सवन विभाग का चीफ है।

'डिस्कराईव हिम, --मेजर बोला।

'क्या मतलब?'

'एम के बारे में जो जानते हो, सब कुछ बताओ। उसकी सूरत, हुलिया, रंग, चाल-ढाल , कपड़े, पसन्द-नापसन्द, पिछला जीवन वृतान्त, परिवार... सब कुछ।'

जेम्म बांड फौरन मशीन की तरह चालू हो गया। वह पांच मिनट केवल अपने चीफ एम के बारे में धाराप्रवाह बोलता रहा।

छोटी से छोटी डिटेल नहीं छूटी उससे ।

'काफी हैं। मेजर ने हाथ उठाकर उसे रोक दिया।

जेम्स बांड चुप हो गया।

तुम वही हो, जा होने का तुम दावा कर रहे हो।' मेजर धीमे स्वर में बोला- फेमस सीर्केट एजेन्ट जेम्स बांड 007 ।'

'ये लोग कौन हैं?' जेम्स बांड ने सैन्डर वगैरह की ओर संकेत करते हुए पूछा। 7

'यह सैन्डर है। मेजर एकदम उस व्यक्ति की ओर संकेत करता हुआ बोला -'यह इधर है और ये सिरोव है।

'मैंने नाम नहीं पूछे थे।'

'तो फिर क्या पूछा था?'

'क्या ये विश्वसनीय व्यक्ति हैं?

'हाँ, मेजर गर्वपूर्ण स्वर में बोला- में इन लोगों का केवल

सहयोगी है। असली लोग तो यही हैं। सिरोव हमारे लीडर हैं। सिरोव के नेतृत्व में हंगरी को साम्यवादियों के पंजे से आजाद करवाने के लिए बहुत काम हो रहा है। तुम इस समय हंगेरियन सीकेट पुलिस के एन्ड्रेसी उट स्थित किसी टारचर चेम्बर में नहीं. मेजर जनरल सिरोव के हैडक्वार्टर में हो।'

'मेजर जनरल!' जेम्स बांड बुंदबुदाया।

'हाँ।' मेजर बोला-'रिजीस्टैन्स मूवमेंट के लीडर बोला े से पहले सिरोव, हंगेरियन थल सेना में मेजर जनरल थे। और अब ये साम्यवादी सरकार के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।'

जेम्स बांड चुप रहा। अब वह एक नई दृष्टि से एक-एक व्यक्ति का मुख देख रहा था।

'एम को तुम्हें बुडापेस्ट में नहीं भेजना चाहिए था।' मेजर 'विचारपूर्ण स्वर में बोला।

'क्यों?'

'अगर तुम सत्य ही हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के हेडक्वार्टर में पहुंच जाते-तो वे लोग भी रगड़े जाते। तुम तो हम लोगों के लिए खतरा बनकर हंगरी में आये हो।'

'यह सच नहीं है।' जेम्स बांड ने विरोध किया- 'एम ने हर पहलू पर विचार किया था। मैं पकड़ा जा सकता था लेकिन इससे तुम लोगों पर कोई खतरा आने की सम्भावना नहीं थी। मैं तुम्हारे अतिरिक्त और किसी के बारे में कुछ नहीं जानता। तुम्हारे बारे में भी मैं केवल तुम्हारा नाम जानता हूँ और तुम्हारे चित्रों के माध्यम से तुम्हारी सूरत पहचानता हूँ।'

मेजर विचारपूर्ण मुद्रा बनाये चुप खड़ा रहा। 'इतनी-सी जानकारी द्वारा तुम हमसे सम्पर्क स्थापित कर सकते थे?'

'मेरे पास बुडापेस्ट के एक फोटोग्राफर की दुकान का पता था। वहां जाकर मैंने रोज एक आठ मिलीमीटर के कैमरे की फिल्म खरीदनी थी। यह काम मुझे तब तक जारी रखनौं था जब तक आप में से कोई मुझसे सम्पर्क स्थापित न कर ले।'

'कोई शिनाख्ती निशान?' मेजर ने पूछा।

'मेरी टाई।'

'ठीक है।' मेजर जेम्स बांड की विशेष प्रकार के धागे से एक विशेष प्रकार के पेटन में बनी हुई टाई पर दृष्टिपात करता हुआ

बोला-'इमर तीन दिन से दुकान की निगरानी कर रहा है।'

'क्या?' जेम्स बांड तनिक नाराज स्वर में बोला-'जब आप लोगों को पहले से ही सब कुछ मालूम है तो आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं?'

'नाराज होने की बात नहीं है, मिस्टर जेम्स बांड।' सिरोव गम्भीर स्वर में बोला- 'सन्देह, असीमित सन्देह करना हमारा धर्म बन गया है और यही हमारी जीवन रक्षा की डकलौती गारन्टी भी है। हर बात पर, हर किसी पर सन्देह करना हम लोगों ने अपनी आदन बना ली है। इसीलिए आज तक साम्यवादी भेड़ियों की मांद में हम जीवित भी हैं, वर्ना हम कब के इन लोगों के नुकीले दांतों के शिकार हो गये होते । वियना के एक गुमनाम सूत्र

द्वारा हम तक यह सूचना पहुंची थी कि कोई ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट बुडापेस्ट में आ रहा है और हमें उस फोटोग्राफर की दुकान पर उसमे सम्पर्क स्थापित करना है।'

'हमसे 'एम' का जिक्र नहीं किया गया था।' मेजर बोला -'एम मेरा परम मित्र है। उसका किसी प्रकार का सहयोग देने में मुझे खुशी होगी।

'मुझे बताया गया था कि उस फोटोग्राफर की दुकान से मैं आप तक पहुंचा दिया जाऊंगा। मुझे दो नाम और बताये गये थे।'

'कौन से ?'

'रिदम और वाइट माउस ।'

'अच्छा हुआ तुम्हें फोटोग्राफर की दुकान के चक्कर में पड़ना ही नहीं पड़ा। यह शर्टकट तुम्हें सही लोगों में ले आया। फोटोग्राफर की दुकान के माध्यम में तुम कम से कम रिदम और वाइट माउस तक तो कभी भी नहीं पहुंच पाते।' सिरोव बोला।

'वो बुडापेस्ट में मौजूद नहीं हैं क्या?' जेम्स बांड ने सरल स्वर में पूछा ।

'वाइट माउस साइबेरिया में है। शायद बाकी जीवन में हम दुबारा उसकी सूरत नहीं देख पायेंगे। रिदम मर चुका है।

'कब ?'

'लगभग तीन सप्ताह पहले।'

कहाँ?'"

'यहाँ में केवल दो किलोमीटर दूर। एन्ड्रेसी उट में।'

'कैसे?'

'हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के टार्चर चैम्बर में। साम्यवादी हत्यारों

की दृष्टि केवल एक क्षण के लिए चूक गई थी, वह एक रिवाल्वर झपटने में सफल हो गया था। उसने रिवाल्वर की नाल अपने मुंह में डालकर घोड़ा दबा दिया था। यह उसका सौभाग्य था कि सीक्रेट पुलिस की क्षणिक लापरवाही से उसे आत्महत्या करने का अवसर मिल गया था।'

लेकिन... लेकिन आप ये सब कैसे जानते हैं?'

'क्योंकि कर्नल जैन्ड्रो वहाँ माँजूद था।'

कर्नल जैन्ड्रो!'

'कर्नल जैन्ड्रो से मेरा मतलब है कि जिस आदमी को तुम कर्नल जैन्ड्रो के नाम से जानते हो, उसने रिदस को मरते देखा था। वह कर्नल जैन्ड्रो की ही रिवाल्वर थी जो रिदम के हाथ में आ गई थी।'

जेम्म बांड चुप रहा।

'कर्नल जैन्ड्रो हंगरियन सीक्रेट पुलिस का बड़ा विश्वास पात्र अफसर है। कई क्षण बाद सिरोव फिर बोला- 'हंगेरियन सीक्रेट पुलिग के इन्तजाम में जब बड़े रहस्यपूर्ण ढंग में गड़बड़े होने लगती हैं जैसे रिदम कर्नल जैन्ड्रो की रिवाल्वर डापटकर आत्महत्या करने में सफल हो गया या आखिरी क्षण में हगरियन ग्रीक्रेट पुलिस के कैदी बच निकलने में सफल हो जाते हैं तो हेडक्वार्टर में सबसे अधिक आग-बबूला होने वाला आदमी खुद जैन्ड्रो होता है और फिर वह अपने मातहतों से इतनी क्रूरता और बेरहमी से पेश आता है कि लोग थरथर काँपने लगते हैं। साम्यवाद की तारीफ में कर्नल जैन्ड्रो के वे भाषण तो सुनने वाले होते है और जा वह माम्यवादी पार्टी में शामिला होने वाले नये रंगरूटों के सामने देता है। हैडक्वार्टर में कर्नल जैन्ड्रो का लोग हौवा मानते हैं। इसका चीफ फरमिनट तो आज तक नहीं समझ पाया कि आखिर कर्नल के मन में अपने ही देशवासियों के लिए इतनी गहरी घृणा के भाव कैसे पनप पाते है लेकिन उसकी नजर में अगर कोई पार्टी के लिये शत-प्रतिशतन ईमानदार व्यक्ति और साम्यवाद का सच्चा सिपाही है तो वह कर्नल जैन्ड्रो है। इसके बावजूद भी इस संसार में कम से कम सौ आदमी हैं जो आज केकवाल इसलिए जीवित है क्योंकि कर्नल जैन्ड्रो ने हगेरियन सीक्रेट पुलिस के चंगुल से बच निकलने में उनकी सहायता की थी। ऐसे लागों में तुम भी एक हो ।'

बात एकदम सच थी। जेम्स बॉन्ड ने स्वीकार किया। वह कर्नल के हातहों लाचार हो चुका था। अगर कर्नल उस हेडक्वार्टर ले जाने

के स्थान पर वहा न ले आया होता तो इस समय वह स्टालिन स्ट्रीट के किसी तहखाने में हंगेरियन पुलिस के टार्चर (शारीरिक यातना) का शिकार होकर दम तोड़ रहा होता ।

लेकिन?' जेम्स बाद ने पूछा- कर्नल को मेरे बारे में कैसे मालूम था ?

वह हगेरियन सीक्रेट पुलिस का एक ऑफिसर है। --- सिरोव न बताया- 'हेडक्वार्टर में बुडापेस्ट और वेस्टर्न हंगरी के लिए जो भी प्लान बनता है, उसे उनकी जानकारी होती है।इलिए उसे मालूम था कि आज बुडापेस्ट के सारे हाइवे पुलिस द्वारा ब्लाक किये हुए है और बार्डर बन्द कर दिया गया है।

" लेकिन उसे यह कैसे मालूम था कि मैं बार्डर क्रॉस करके हंगरी में प्रविष्ट हो रहा हूँ ? जेम्स बॉन्ड ने पूछा ।

मुझे - मेजर होवार्थ बोला- 'मेरा मतलब है कर्नल को यह मालूम नहीं था कि तुम आ रहे हो और न ही हगेरियन पुलिस को तुम्हारे बारे में जानकारी थी। तुम तो एक भूली-भटकी मछली की तरह संयोगवश ही उनके जाल में आ फसे थे। वे लोग न तो तुम्हारी तलाश में थे और न ही तुम्हारे जैसे किसी और आदमी की तलाश में थे। वे तो केवल राजपथों से गुजरने वाले ट्रकों का चेक कर रह थे ।

क्या?

क्योंकि अक्सर वैसे ही ट्रकों में पुलिस ने बांडी मात्रा में स्मगल किया हुआ फेरो -वालफ़ाम (फेरो वाल फ्रेम) बरामद किया है। तलाश तो हो रही थी फेरो -वालफ़ाम की और उन्ही ट्रको में से एक में तुम्हारी मौजूदगी के कारण, उनके हत्थे चढ़ गये तुम।

"ओह"

कर्नल जैन्ड्रो इस प्रकार के मौका पर अक्सर पुलिम् ब्लाक के चक्कर लगाता रहता है। मेजर होवार्थ जेब से सिगरेट केस निकालता हुआ बोला -तुम पाचंवे आदमी हो- जिसे आज ही की तरह कर्नल ने पोलिस के चंगुल से बचाया है और तुम ही शायद आखिरी हो।

'क्यों?' जेम्स बॉन्ड ने पूछा- आखिरी क्या?'

उत्तर देने से पहले मेजर होवार्थ ने सिगरेट केस में एक सिगरेट निकालकर होटों से लगाया और फिर सोने का ही सिगरेट लाइटर

निकालकर सिगरेट सुलगा लिया। फिर उसने दोनों चीजें अपने कोट की जेब में पहुंचा दी। जेम्स बांड ने देखा सिगरेट केस और लाइटर दोनों बिल्कुल वैसे ही थे जैसे उसने कर्नल जैन्ड्रो के पास देखे थे। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के अफसर बहुत सम्पला है, उस ने सोचा।

आज तुम्हें पुलिस चौकी में छुड़ाकर लाने से पहले।'- सिगरेट के कई कश लगा चुकने के बाद मेजर ने उत्तर दिया- 'हर बार कर्नल चौकी के सिपाहियों को चेतावनी देकर आया करता था कि वे इस बात को कतई भूल जाय कि उन्होंने कभी कोई कैदी गिरफ्तार किया था और फिर कर्नल जैन्ड्रो उसे अपनी कस्टडी में हैडक्वार्टर ले गया था। कर्नल रेंक के सीक्रेट पुलिस के ऑफिसर द्वारा आज्ञा पाने पर उन लोगों का स्वप्न में भी यह हौसला नहीं होता था कि वे सारी घटना के बारे में दुबारा किसी से जिक्र कर सकें। परिणाम स्वरूप कैदी आजाद हो जाता था और हंगेरियन सीक्रेट पुलिस को कभी यह भनक भी नहीं पड़ती थी कि कभी कोई विदेशी एजेन्ट नेशनल हाइवे पर

गिरफ्तार किया गया था। लेकिन आज तुम्हारे मामले में गड़बांड़ हो गई। कर्नल पुलिस चौकी पर तब पहुंचा जब चौकी का इन्चार्ज पहले ही टेलीफोन द्वारा हैडक्वार्टर सूचना भिजवा चुका था कि तुम गिरफ्तार किये गये हो। अब स्थिति यह है कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस सारे हंगरी में कर्नल जैन्ड्रो नाम के उस अफसर को खोज रही होगी जो ठीक उनकी नाक के नीचे से एक कैदी गायब करने में सफल हो गया था।

'आह गॉड! जेम्स हैरानी से बोला 'फिर कर्नल कैसे बच सक्ता है? चौकी पर कम से कम आधी दर्जन सिपाहियों ने उसकी सूरत देखी थी और वो बांडी अच्छी तरह कर्नल का हुलिया बयान कर सकते हैं और उसके आधार पर तो कर्नल फौरन गिरफ्तार हो मकता है।

'हो सकता है। मेजर होवार्थ ने वही सरलता में स्वीकार किया।

फिर भी, फिर भी....।

'लेकिन होगा नहीं।' मेजर होवार्थ उतनी ही सरलता में फिर बोला ।

'क्या?'

क्योंकि कर्नल जैन्ड्रो नाम की कोई चिडिया डस संसार में न कभी थी और न अब है।

.

'क्या मतलब ?

'क्योंकि बन्दा ही कर्नल जैन्ड्रो है।' मेजर होवार्थ तनिक सिर झुकाकर बोला।

मेजर होवार्थ ने गले से यह वाक्य अपनी आवाज में नहीं कर्नल जैन्ड्रो की अधिकारपूर्ण आवाज में निकला था।

जेम्स बांड की आँख फैल गई। वह हक्का-बक्का-सा मेजर होवार्थ का मुंह देखने लगा।

'तुम! कितनी ही देर बाद उसके मुंह में निकला - 'ओह माई गॉड! ओह माई ग्रेशियस गॉड! !'

'मेजर होवार्थ को अपनी सूरत और अपनी आवाज बदल लेने की कला में कमांल हामिल है।' सिरोव ने बनाया।

मेजर होवार्थ ---जेम्स बांड नाटकीय ढंग में कमर से झुकते हुए मुस्कुराया।

'आज के बाद!' मेजर अपने वास्तविक स्वर में बोला - में कर्नल जेन्ड्रों का रूप धारण करना छोड़ दूंगा और फिर कर्नल जैन्ड्रो नाम के काल्पनिक सीक्रेट पुलिस के ऑफिसर का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। और मजा तो तब आयेगा, मिस्टर जेम्स बांड, जब मेरे विभाग का चीफ फरमिनट कल मुझे कर्नल जैन्ड्री का हुलिया बता के कहेगा कि में उस आदमी को तलाश करके फौरन गिरफ्तार कर लूँ ।'

जेम्स बांड अब भी मन्त्रमुग्ध-सा मेजर होवार्थ का मुंह देख रहा था।

'और मिस्टर जेम्स बांड ।' मेजर होवार्थ फिर बोला- मैं अपने आज के इस भद्दे व्यवहार के न्त्रिए तुमसे माफी चाहता हूँ। लेकिन वह सब तमाशा मुझे तुम्हारी असलियत जानने के लिए करना पड़ा था। सच पूछो तो बुडापेस्ट पहुंचने तक में यह फैसाला नहीं कर सका था कि तुम वही ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट हो जिसका कि हमें इन्तजार था या अन्य ही कोई सीधे-सादे हंगरी के नागरिक हो। मैं मन ही मन यही तय करने की कोशिश कर रहा था कि में तुम्हें ब्रिटिश सीक्रेट एजन्ट समझकर क्रान्तिकारी दल के नेता मेजर जनरल सिरोव के पास यहाँ ले आऊंगा तुम्हें बुडापेस्ट की किसी सड़क पर छोड़ दूँ। लेकिन नगर में प्रवेश करने के बाद मेरे मस्तिष्क में एक तीसरी सम्भावना भी पनपने लगी थी।'

'वह क्या?'

तुम हैडक्वार्टर में ले जाये जाने के नाम पर किसी प्रकार के भय

का प्रदर्शन नहीं कर रहे थे। मुझे यह बात बहुत खटक रही थी। तीसरी सम्भावना मेरे मस्तिष्क में यह आई थी कि कही तुम भी नो हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के ही तो आदमी नहीं हो। हमारा चीफ फरमिनट कभी भी किसी पर भी डबल एजन्ट होने का सन्देह करने लगता है। मैंने तो सोचा शायद मुझ पर भी सन्देह किया जा रहा हो और मुझे चैक करने के लिए ही फरमिनट ने यह चाल चली हो। मैं तुम्हें अपना आदमी समझकर यहाँ ले आऊ और फिर हमारा भंडाफोड ही हो जाये। इसलिए में तुम्हें एन्ड्रेगी उट के समीप ले गया था। वहाँ मैंने जान-बूझकर तुमसे कहा था कि में तुम्हें हंगेरियन सीक्रेट पुलिग के अन्डर ग्राउन्ड टार्चर चेम्बर में ले जा रहा है और अगर दो घण्टे में तुमने अपनी जुबान नहीं खाली तो तुम्हें गोली मार दूंगा। उस स्थिति में अगर तुम सीक्रेट पुलिस क आदमी होते तो तुम फौरन अपनी वास्तविकता बता देते क्योंकि तुम्हारी चुप्पी सत्य ही तुम्हें मेरी गोली का शिकार बना सकती थी। लेकिन तुम क्योंकि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के आदमी नहीं थे इसलिए चुप रहे। तब मुझे विश्वास हो गया था कि तुम फरमिनट द्वारा मुझ पर चिपकाये हुए आदमी नहीं हो। उसके बाद में तुम्हें सीधा यहाँ ले आया।'

'तुम क्या यही इन्हीं लोगों के साथ रहते हो?' जेम्स बांड ने पूछा।

'नहीं।' मेजर होवार्थ ने बताया- मैं तो बुडापेस्ट के एक एसे शानदार होटल में रहता हूँ जहाँ केवल कोई साम्यवादी सरकार का अफसर ही रहता है

'लेकिन सीक्रेट पुलिस से सम्बन्धित होने के कारण तुम्हें यहाँ उन लोगों में मिलने-जुलने के लिए आने में खतरा महसूस नहीं होता?'

"होता है, इसलिए में यहाँ बहुत कम आता हूँ और जब भी आता हूँ बेहद सावधानी बरतता हूँ।"

जेम्स बांड चुप हो गया ।

"मेरे ख्याल से परिचयात्मक बातें काफी हो चुकी है। --सिरोव गम्भीर स्वर में बोला- अब हमें मुख्य विषय पर आ जीना चाहिए।

' जेम्स बांड ने संदिग्ध नेत्रों में इमर और सेन्डर की आर देखा।

'सब विश्वास -पात्र व्यक्ति है, मिस्टर जेम्स बांड। मेजर होवार्थ उसकी बात समझ गया और बोला।

जेम्स बांड के चेहरे पर फिर भी निश्चिलाता के भाव प्रकट नहीं हुए।

42

'आल गइट।' सिरोव बोला और उसने एक अर्थपूर्ण दृष्टि सेन्डर पर डाली।

सैन्डर सिर झुकाकर चुपचाप कमरे में बाहर निकल गया।

इमर सिरोव के सामने आ खड़ा हुआ लेकिन मुह में कुछ नहीं बोला ।

'जिस कार पर मिस्टर जेम्स बांड को लाया गया है। सिरोव बोला-उसकी नम्बर प्लेट नष्ट कर दो और उस स्थान पर नई नम्बर प्लेट लगा दो।'

'राईट।'

'और उसके बाद छत पर पहुंच जाओ। आस-पास कड़ी दृष्टि रखना। कहीं इमारत की निगरानी तो नहीं हो रही।'

'राईट,' इमर बोला । वह एक क्षण सिरोव के बोलने की प्रतीक्षा करता रहा और फिर लम्बे डग भरता हुआ बाहर निकल गया ।

'मिस्टर जेम्स बांड!' एकाएक सिरोव कुछ याद करता हुआ बोला ।

'यस ।'

'आखिरी बार खाना कब खाया था आपने?'

'लगभग बारह घन्टे पहले।

तब तो आप बहुत भूख महसूस कर रहे होंगे।

'कर रहा हूँ लेकिन भूख इन्तजार कर सकती है.1

'जनरल --मेजर धीरे से बोला- जूलिया जेम्स बांड के लिए खाना ला रही है।

सिरोव ने प्रशंसात्मक नेत्रों में मेजर होवार्थ की तरफ देखा ।

"मेजर थिक्स आफ एवर्ग थिंग। सिरोव यू बोला, जैसे अपने आपको बता रहा हो।

उसी क्षण कमरे में एक लडकी प्रविष्ट हुई। उनके दोनों हाथों में एक ट्रे थमी हुई थी जिसमें एक सूप का बाउल, एक मीट और सब्जी की प्लेट और एक शराब की बोतल भी दिखाई दे रही थी।

प्लेटों में से धुआ उठ रहा था। लड़की का चेहरा ऊष्णता में नमनमा रहा था. लगता था जैसे वह अभी स्टोव के सामने से उठकर आई हो। वह पतलून और गर्म पुलोवर पहने हुई थी और उसके लम्बे पीले वाल लापरवाही में कन्धे पर फैले हुए थे। आयु में वह लगभग बाईस -तेईस साल की मालूम होती थी। उसके व्यक्तित्व की सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह थी कि उसकी

शक्ल हू-ब-हू इमर से मिलती थी। कोई भी दोनों पर एक उचटती सी दृष्टि डालकर भी फ़ौरन बता सकता था कि दोनों भाई-बहन हैं।

लडकी ने ट्रे लाकर मेज पर जेम्स बांड के सामने रख दी और बोली -जल्दी में यही कुछ बन पाया है।'

'थैंक्यू जुलियाः' मेजर होवार्थ बोला ।

'लैट हिम बैंक मी हु इज गोडंग दु ईट आल दिस (धन्यवाद उसे करने दी जो ये सब कुछ खाने वाला है)।' जूलिया एक उडती -मी दृष्टि जेम्स बांड पर डालती हुई बोली।

'आह थैंक्यू ।' जेम्स बांड एकदम हड़बड़ाकर बोला- 'थैंक्यू वैरी मच इनडीड ।'

सिरोव और मेजर दोनों मुस्करा पड़े।

'इट्स आल राइट। जूलिया बच्चों जैसे स्वर में बोली।

'आगे बढ़िए मिस्टर जैम्स बॉन्ड।' सिरोव ने खाने के लिए संघर्ष करते हुए कहा।

जेम्स बांड ट्रे के सामने की कुर्सी पर बैठ गया।

'ये दो हमारे राष्ट्रीय खाद्य पदार्थ हैं। --सिरोव ग्रुप व मीट और सब्जी की ओर संकेत करते हुए बोला -गुलुयास सूप और टोकानी। आशा है आपकी पसन्द आयेंगे।'

'बिलानी का भी तो जिक्र करो।' जूलिया बोली।

'जूलिया शराब की बात कर रही है।'

'और अब यह क्वालिटी और भी दुर्लभ हो जायेगी। जूलिया बोली।

'क्यों ?' सिरोव ने पूछा .

'यह आखिरी बोतल है।' जुलिया धमकी भरे स्वर में बोली- इसके बाद तुम लोग भी मेजर की तरह पीना ।'

सिरोव फिर हंस पड़ा।

मेजर भी अब खुल कर मुस्कुरा रहा था।

प्रत्यक्ष था जूलिया उन दोनों के भारी स्नेह की पात्री थी और उने लोगों के लिए भी जुलिया का बहुत महत्व था।

अगले पांच मिनट तक जेम्स बांड चुपचाप खाना खाना रहा। फिर उसने ट्रे पर सरका दी।

फिर जुलिया ने शराब की बोतल खोली और दो गिलास शराब में तीन चौथाई भरकर सिरोव और जेम्स बांड के सामने रख दिए।

'मेजर के लिए?' जेम्स बांड ने पूछा।

'मेजर से ही पूछो ।' जूलिया बोली।

'मैं नहीं पीता ।' मेजर अपने कोट की जेब में में एक फ्लारक निकालता हुआ बोला- मैं अपना कोटा साथ रखता हूँ।'

'बाराक।' जूलिया ने बताया ।

'जूलिया!' सिरोव बीला-'अब तुम जाओ।'

'मैं यही बैठूँगी ।' जूलिया बोली-और तुम लोगों की बातें 'सुनूंगी।

'जूलिया!' मेजर तनिक झिड़की भरे स्वर में बोला- 'यहाँ तुम्हारे सुनने लायक कोई बात नहीं होने वाली है। जाकर चुपचाप सो जाओ।

जूलिया ने बुरा-सा मुंह बनाया और ट्रे उठाकर द्वार की आर बढ़ गई।

'थैंक्यू वैरी मच अगेन।' जेम्स बांड़ ने पीछे से आवाज दी।

'घर पहुंचकर एक चिट्ठी में भी यही लिख भेजना।' जूलिया व्यंग्यपूर्ण स्वर में बोली- 'थैंक्यू वैरी मच अगेन...।'

वह द्वार से बाहर निकल गई।

मेजर ने आगे बढकर द्वार बन्द कर दिया।

'जूलिया की बातों का बुरा मत मानना ।' सिरोव बोला- उसके स्वभाव में अभी बहुत बचपना है।'

'डॉट बादर ।' जेम्स बांड बोला ।

मेजर भी वापिस आकर सिरोव की बगल की कुर्सी पर बैठ गया।

दोनों के प्रश्नसूचक नेत्र जेम्स बांड के चेहरे पर टिक गये।

जेम्स बांड ने अपने गिलास में से शराब का एक घूंट भरा और फिर गम्भीर स्वर में बोला- 'आप लोगों ने डाक्टर हेराल्ड जेनिंग्स का नाम गुना है?'

'बेशक सुना है।' सिरोव बोला- 'डॉक्टर हैरोल्ड जेनिंग्स का नाम किसने नहीं सुना?'

'फिर आपको यह भी मालूम होगा कि वह एक लगभग सत्तर साल का बेहद तीक्ष्ण बुद्धि वाला खब्ती-सा बूढ़ा है और वह सारे संसार में बैलाग्टिक्स और बैलस्टिक मिसाइल के हायर मैथिमेटिक्स का केवल एक्सपर्ट ही नहीं बल्कि अथारिटी माना जाता है। एक बार एक वैज्ञानिक कॉन्फ्रेंस में भाषण देते हुए प्रोफेसर ने

कहा था कि राष्ट्रवादिता एक बेकार की चीज है और आदमी को हर वह कार्य करने का पूरा अधिकार है जिसके लिए उसकी बुद्धि उसकी आत्मा और उसकी विचार-धारा स्वीकृति देती है।'

'क्या मतलब?'

'मतलब यह है कि किसी व्यक्ति की पसन्द नापसन्द में राष्ट्रीय भावनाओं का अड़ंगा नहीं होना चाहिए। अगर आपकी बुद्धि आपको किसी ऐसे काम के लिए स्वीकृति देती है जो प्रत्यक्षतः आपको अपने देश के लिए हितकर नहीं दिखाई देता तो केवल राष्ट्रवादिना का झडा ऊंचा रखने के लिए आपको उस कार्य को करने का इरादा त्याग नहीं देना चाहिए।

'मैं समझ, गया, सिरोव बोला।

कुछ तो. प्रोफसर ने ही बड़ी गोल-माल बात कही और कुछ दुनिया ने उसका गलत मतलब लगा लिया। परिणा स्वरूप प्रोफसर के उस वक्तव्य के संसार के सामने आने के फौरन बाद एक रूसी एजेन्ट ने प्रोफेसर से सम्पर्क स्थापित किया। उन्होंने प्रोफेसर को कहा कि अगर प्रोफेसर का मन गवाही देत हो तो उन लोगों को खुशी होगी, अगर प्रोफेसर रूस के लिए कार्य करना स्वीकार कर लें ।

'उत्तर में प्रोफसर ने क्या कहा?' मेजर होवार्थ ने पूछा।

'उत्तर में प्रोफसर ने उस रूसी एजेन्ट को बहुत फटकारा और कहा कि उसकी नजर में रूस की नीतियां तो उनके अपने राष्ट्र की नीतियों से भी गई गुजरी हैं और जहाँ तक उस वक्तव्य का प्रश्न है, उसका मतलब हर्गिज भी यह नहीं था कि वह इंगलैंड को छोडकर रूस के लिए काम करना स्वीकार कर लेंगे।

'तुम लोगों को कैसे मालूम है कि प्रोफेसर ने ऐसा कुछ कहा?' सिरोव ने पूछा।

क्योंकि प्रोफसर के उस वृक्तव्य के बाद से हमें भी ऐसी किसी घटना के घटित होने की आशा थी। इसलिए हम प्रोफेसर की पूर्ण निगरानी कर रहे थे। हमने प्रोफेसर के सारे घर में माइकोफोनों का जाल बिछाया हुआ था। हमने प्रोफेसर और रूसी एजेन्ट में होने वाले वार्तालाप का एक-एक शब्द सुना था।'

'आई सी ।

'उस घटना के बाद हमने प्रोफगर का एक पक्का देश-भक्तं और पूर्णतया विश्वास पात्र आदमी समझ कर उसकी निगरानी

करनी छोड़ दी और हालांकि बाद में मालूम हुआ, हम अगर निगरानी करते भी रहते तो कोई फर्क नहीं पड़ता। हम तो गलत पार्टी की निगरानी कर रहे होते।'

"कैसे ?'

"सुनिए। प्रोफेसर और रूसी एजेन्ट की उस मुलाकात में लगभग दो महीने बाद की बात है। प्रोफगर की पत्नी मिरोज जेनिंग्स और उनका लगभग सोलह साल का लड़का बीयन छुट्टियां मनाने के लिए स्विट्जरलैंड गये। मिसेज जेनिंग्स की आयु लगभग चानीय वर्ष है-प्रोफसर ने बहुत लेट शादी की थी। प्रोफसर ने भी अपने परिवार के साथ ही स्विटजरलैंड जाना था लेकिन अन्तिम क्षण पर एक बड़ा महत्वपूर्ण काम आ पड़ने के कारण वह अपने परिवार का साथ नहीं दे सका था। स्विट्जरलैंड में मिसेज जेनिंग्स और बीवन ज्यूरिंच हॉटल में ठहरे थे और केवल तीन दिन बाद प्रोफेसर भी अपना काम निपटाकर वहाँ पहुंच जाने वाला था। तीन दिन बाद प्रोफसर स्विट्जरलैंड के ज्यूरिच होटल में पहुंचा। लेकिन तब तक उसकी पत्नी और लड़का वहाँ से गायब हो चुके थे।'

'कैसे ?' सिरोव ने पृका ।

'उसकी की बीवी और लड़का दोनों रूसियों द्वारा भगा दिये गये

" मुर्माकन है। सिरोव बोला- स्विट्जरलैंड में चुपचाप आस्ट्रिया में प्रवेश कर जाना कोई कठिन काम नहीं है। रात के समय आप आराम से यह काम कर सकते हैं ।

वे लोग स्विट्जरलैंड में बाहर कैसे ले जाये गए, यह हम मालूम नहीं। लेकिन एक बात की हमें पूरी जानकारी मिल चुकी है। ज्यूरिच होटल में पहुचने के कुछ मिनट बाद ही रूसियों ने फिर प्रोफेसर से सम्पर्क स्थापित किया था और उन लोगों द्वारा प्रोफगर को

धमकी दी गई कि अगर प्रोफसर भी फोरन ही आयरन कर्टेन के पीछे पहुंचना स्वीकार नहीं कर लेगा तो वह जिन्दगी भर अपनी पत्नी और बच्चों की सूरत नहीं देख सकेगा। प्रोफेसर कोई मूर्ख तो था नहीं। वह जानता था कि वे लोग जो कह उहे हैं, सच कह रहे है, परिणामस्वरूप वह खुद चलकर अपनी मर्जी में रूसियों के चंगुल में जा फसा।

" और अब तुम लोग उसे वापिस चाहटे हो?"

47

फौरन , इससलिए तो में यहाँ भेजा गया हैं।

और कैसे मुक्ति दिलाओगे तुम प्रोफसर को?' सिरोव के होठों पर एक क्षीण मी मुस्कुराहट थी।

'और उसके बीवी-बच्चे को भी?' मेजर होवार्थ बाला-'क्योंकि उसके बीवी बच्चे का मुक्ति नही मिली तो प्रोफेसर की मुक्ति का सवाल नहीं उठता। अपने बीवी बच्चे को रुसियों के चंगुल में छोड़कर अगर प्रोफेसर ने तुम्हारे साथ इंग्लैड वापिस जाना होता तो वह आता ही क्यों?'

'और फिर मास्को अभी भी यहाँ में एक हजार मील दूर है।' सिरोव बोला ।

'अब समस्य प्रोफेसर की बीवी और बच्चे को छुड़ाने की नहीं है। केवल एक आदमी, केवल प्रोफेसर को छुड़ाने की है।' जेम्स बोला-और उसके लिए भी मुझे मास्को जाने की जरुरत नहीं है। प्रोफेसर यहीं, बुडापेस्ट में इस स्थान में अधिक से अधिक दो मील के फासाले पर मौजूद है।'

सिरोव ने अपनी हैरानी छुपाने का कोई प्रयत्न नहीं किया।

'यहां! बुडापेस्ट में! !'

'जी हाँ।

'तुम्हें पक्का पता है?'

'मेरे चीफ 'एम' को पक्का पता था।

सिरोव ने अपनी कुर्सी पर पहलू बडाला और मेजर होवार्थ की ओर आकर्षित हुआ।

" तुमने इस विषय में कुछ सुना है?' उसने पूछा।

'नहीं, कतई कुछ नहीं सुना। मेजर होवार्थ बोला-'हमारे ऑफिस में किसी को इस बात की रंच मात्र भी जानकारी नहीं है, मेरा दावा हैं।'

'लेकिन अगले सप्ताह तक सारा संसार जान जायेगा ।'

जेम्स शान्त स्वर में बोला- 'सारा संसार जान जायेगा कि प्रोफेसर हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में है। यहाँ सोमवार से अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कान्फ्रेंस शुरू हो रही है और कान्फ्रेंस का उद्घाटन प्रोफेसर जेनिंग्स करने वाला है। सोमवार को कान्फ्रेंस का पहला पेपर प्रोफेसर जनिंग्स ने पढ़ना है और प्रत्यक्षतः अपनी मर्जी से पढना है किसी के दबाव में आकर नहीं। प्रेस द्वारा

पूछे जाने पर भी प्रोफेसर यही कहेगा कि जो कुछ वह कह रहा है अपनी मर्जी से कह रहा है किसी मजबूरी या दबाव के कारण नहीं। लेकिन वास्तव में स्थिति यह होगी कि प्रोफेसर के मुंह से निकला वास्तविक की ओर संकेत करने वाला एक भी शब्द प्रोफेसर के बीवी और बच्चे के लिए मौत का फरमान साबित होगा।

कोई कुछ नहीं बोला ।

"साम्यवादी प्रोफेसर को अपने कई सालों के सबसे बड़े प्रोपेगन्डा स्टण्ट के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।'

कितनी ही देर प्रोफेसर उंगलियों से मेज के किनारे थपथपाता रहा और फिर तीव्र स्वर में बोला- 'प्रोफेसर जेनिंगस, तुमने कहा था कि तुम केवल प्रोफेसर जेनिंग्स को वापिस चाहते हो?'

जेम्स ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'ओह गाड' सिरोव जेम्स को घूरता हुआ हैरानी से बोला-'तो क्या तुम अपने देश के स्वार्थ के लिए प्रोफेसर की बावी और बच्चे को बलि की बेदी पर चढ़ा देना चाहते हो? अगर ऐसा है तो तुम हमसे किसी प्रकार की सहायता की आशा मत रखो हम... ।'

प्रोफेसर की बीवी पहले ही लन्दन पहुंच चुकी है।' जेम्स हाथ उठाकर सिरोव को बोलने से रोकता हुआ बोला- 'मिसेज जेनिंग्स लगभग दस सप्ताह पहले बेहद बीमार हो गई थी और प्रोफेसर ने इकरार किया था कि उसकी बीवी को इलाज के लिए लन्दन के हस्पताल में भेज दिया जाये। साम्यवादियों को उसकी यह मांग स्वीकार करनी पड़ी थी। प्रोफेसर को उस स्थिति में आप टार्चर नहीं कर सकते क्योंकि उससे तो उसका मस्तिष्क जड हो जाने की सम्भावना हो जाती है और उनको ऊंचा रिसर्च वर्क करने की क्षमता समाप्त हो जाती है और प्रोफेसर ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि अगर उसकी मांग पूरी नहीं की गई तो वह साम्यवादियों के लिए कोई काम नहीं करेगा।'

'ऐसी स्थिति में भी अपनी मांग मनवाने के लिए अड़ जाना तो बड़े हौसले का काम है।' मेजर होवार्थ प्रशन्सापूर्ण स्वर में बोला।

'आप प्रोफेसर को जानते नहीं हैं।' जेम्स बोला 'वह बेहद जिद्दी और अड़ियल बूढ़ा है। एक बार हट पकड़ ले तो अपनी बात मनवाये बिना बाज नहीं आता लेकिन स्थिति ऐसी थी कि मिसेज जेनिंग्स के लन्दन पहुंच जाने से भी प्रोफेसर की स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ता था। रूसी भी कोई मूर्ख थोड़े ही है। उनके हाथों में

एक नहीं दो तुरुप के पत्ते थे। प्रोफेसर की बीवी और उसका लडका। इसलिए उन्होंने अपना एक पत्ता चलकर परिणाम् देख लेने में कोई हर्ज नहीं समझा। और फिर वे जानते थे कि अगर प्रोफेसर रूस में रहेगा तो इजाल के बाद उसकी बीवी को लौटकर वापस उसके पास आना ही पड़ेगा। उन्होंने मिसेज जेनिंग्स को लन्दन भेजना स्वीकार कर लिया लेकिन साथ ही यह भी कहा कि सब कुछ एकदम गोपनीय ढंग से किया जाये। ऐसा ही हुआ भी। परिणाम स्वरूप इंग्लैंड में आधे दर्जन से अधिक व्यक्तियों को इस बात की जानकारी नहीं है कि मिसेज जेनिंग्स के दो बडे आपरेशन किये है उसे भी मालूम नहीं है कि उसका मरीज वास्तव में कौन है। अब बताइये रसिया को मिसेज जेनिंग्स को इंगलैंड भेज देन में क्या घाटा है। मिसेज जेनिंग्स का तो वापिस अपने पति के पास आना ही पडेगा और रूसियों का संसार के सबसे बडे बेलिस्टिक एक्सपर्ट की निरन्तर सवायें प्राप्त होती रहेगी ।'

' मिसेज जेनिंग्स ठीक हो गई।'

'अभी नहीं लेकिन हो जायेंगी। वह खतरे की हद में निकल चुकी हैं। इगलैंड के कुशन सर्जन उन्हें मौत मुंह से लौटा लाये हैं।'

'यहं तो बड़ी अच्छी खबर है। प्रोफेसर बहुत खुश होगा।' सिरोव बोला- इसका मतलब है, उसकी बीवी जल्दी रूस लौट आएगी।'

प्रोफेसर की बीवी रूस कभी नहीं लौटेगी। जेम्स दृढ स्वर में बोला- 'और प्रोफेसर के भी खुश होने का कोई कारण नहीं है। हमने प्रोफेसर के दिमाग में यह बात अच्छी तरह बैठा देनी है कि उसकी बीवी की हालत बहुत नाजुक है और उसके जीवित रह पाने की आशा दिन-ब-दिन क्षीण होती जा रही है।

'क्या?' सिरोव हैगनी से चिल्ला पड़ा-तुम लोग प्रोफेसर को कहोगे कि उसकी बीवी मर रही है?'

जेम्स ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया। 'हे भगवान्! कैसा अमानवीय कृत्य है यह।'

हमें प्रोफेसर की जरूरत है।' जेम्स भावहीन स्वर में बोला-हमार लोगों को उसकी सख्त जरूरत है। पिछले दस सप्ताहों से एक बहुत बड़े प्रोजेक्ट पर हमारे वैज्ञानिकों के नाम एकदम ब्लाक हुये पड़े है। हमारे वैज्ञानिको का पूरा विश्वास है कि प्रोफेसर जेनिंग्स ही अकेला आदमी है जो उन्हें उस क्राइसिस से निकाल सकता है।

'ठीक है-लेकिन उसके लिए इतनी गन्दी हरकत, ।

'हमारे लिए जीवन मरण का प्रश्न है। हम प्रोफेसर को वापिस चाहते हैं और उसे वापिस पाने के लिए हम हर वह काम करेंगी जिससे कोई परिणाम निकलने की सम्भावना हो। आप चाहे इमे अच्छी हरकत कहें या गन्दी ।'

'लेकिन क्या तुम इसे एक युक्त बात समझते हो कि प्रोफेसर को यह झूठा इम्प्रेशन दिया जाए कि उसकी बीवी लन्दन में मर रही है।

आपको लगता है...'

'ऐसी बातें समझना सोचना मेरा काम नहीं है।' जेम्स सिरोव की बात काटकर बोला-अमानवीय क्या है और गन्दी हरकत कौन सी है? इसका फैसला मुझे करना है। मेरे सोचने समझने के लिए एक 'ही बात है कि मुझे एक काम करने के लिए दिया गया है और मुझे हर उचित-अनुचित ढंग से वह काम करना है।

'बड़े बेरहम और खतरनाक होने की मुझे विशेष शिक्षा दी गई है।' जेम्स शान्त ग्वर में बोला- ब्रिटिश इन्टेलीजन्म के जीरो जीरो सेवन विभाग में ऐसे ही बेरहम और खतरनाक आदमियों की जरूरत होती है जो समय आने पर देश के हित में अपने बाप को भी गोली से उड़ा देने में एक क्षण के एक लाखवें भाग के लिए भी न हिचकें ।'

'प्रोफेसर की पत्नी के बारे में तो तुमने सोच लिया।' सिरोव बोला-'कि अब वह वापिस प्रोफसर के पास नहीं जायेगी और तुम इस बात की भी आशा कर रहे हो कि मिसज जेनिंग्ग की मग्णासला स्थिति का समाचार प्रोफेसर को वापिस इंगलैंड खीच लायेगा

लेकिन उसके लड़के के बारे में क्या सोचा है तुम लोगों ने? क्या तुम प्रोफेसर का धोखा दोगे? क्या तुम लोग अपने स्वार्थ की खातिर उस मासूम बच्चे की बलि दे दोगे?'

'प्रोफसर का लड़का कल सारा दिन पोजनान में था। जेम्स ने बताया- 'हमारे दो आदमी साय की तरह उसक पीछे लगे हुए हैं। कल दोपहर तक वह स्ट्रेटिन पहुंच जायेगा और उसके चौबीस घन्टे बाद वह स्वीडन में होगा।'

'तुम अपने एजेन्टो की काबलियन पर भारी भरोसा जाहिर कर रह हो।' मेजर होवार्थ बोला-और साथ ही किसी इन्टलीजेन्स के आदमियों का मिट्टी का माधा समझ रहे हो। एजेन्ट अपने मिशन में असफल होते ही रहते हैं, मिटर जेम्स । सम्भव है तुम्हारे ये दो एजेन्ट प्रोफेसर के लड़के को स्वीडन ले भागने में सफल न हो

सके।'

'उन दोनों एजेन्टों ने आज तक किसी काम में असफलता का मुंह नहीं देखा है।' जेम्स विश्वापूर्णस्वर में बोला- 'बीयन जेनिंग्स परसों तक स्वीडन में होगा। योरोपियन ट्रांसमिशन पर एक पूर्व निर्धारित कोड द्वारा प्रोफेसर के लड़के की मुक्ति की सूचना मिलने के बाद ही मैंने प्रोफेसर तक पहुंचने का प्रयत्न करना है।'

'शुक्र है।' मेजर हीवार्थ बोला-'कुछ तो मानवता बाकी है तुम लोगों में।'

'यह मानवता का प्रदर्शन नहीं है, मेजर ।' सिरौव बोला- 'यह अंग्रेजों की मजबूरी है। अंग्रेज जानते हैं कि अगर वे प्रोफेसर को वापिस अपने देश में ले गए और उन्होंने प्रोफेसर के लड़के को रूस में मरने के लिये छोड दिया तो प्रोफेसर कभी अंग्रेजों के लिए कोई काम करने के लिए तैयार नहीं होगा।'

'लेकिन अगर प्रोफेसर ने इंगलैंड लौटने से इन्कार कर दिया तो क्या होगा?' मेजर होवार्थ ने पूछा।

'प्रोफेसर की हाँ या न कोई मायने नहीं रखती है। जेम्स वापिस जाना ही होगा।'

'वन्डरफुल!' मेजर होवार्थ बोला- 'यानी कि आप प्रोफेसर को टांग से घसीटकर जबरदस्ती वापिस ले जायेंगे और फिर आपके अखबार, बैनर, हैडलाइन्स में यह समाचार छापेंगे। ब्रिटिश सीक्रेट एजेन्ट, कमान्डर जेम्स 007 लिब्रेटस वैस्ट्रन साइंटिस्ट, वाह!'

जेम्स चुप रहा। पिछले पांच मिनटों में वातावरण में भारी अन्तर आ गया था। उससे यह बात छुपी नहीं रही थी कि वे लोग जेम्स से खुश नहीं थे और जेम्स के प्रति उन लोगों के व्यवहार में एक प्रत्यक्ष रुखापन आ गया था। लेकिन सिरोव और मेजर होवार्थ का पूरी स्थिति बताना आवश्यक था। ऐम ने उसे ऐसा ही करने के लिए कहा था। जेम्स ने स्वयं भी देखा था कि इन लोगों की सहायता प्राप्त करने के लिए सब कुछ बताना बहुत जरूरी था। जेम्स एक गहरे सस्पेंस की स्थिति में मेजर होवार्थ को और सिरोव को देख रहा था। पता नहीं ये लोग उसकी सहायता करना स्वीकार करेंगे या नहीं।'

वातावरण ब्लेड की धार की तरह पैना हो उठा था।

जेम्स जानता था, कि अगर इन लोगों ने सहायता करने से इन्कार कर दिया तो उसका बुडापेस्ट आना ही बेकार हो जायेगा।

52

अकेला तो वह एक कदम उठाने की स्थिति में नहीं था।

पूरे दो मिनट एक गहन शान्ति की अवस्था में गुजर गए।

फिर मेजर होवार्थ और सिरोंव ने प्रश्नवाचक दृष्टियों से एक-दूसरे की ओर देखा ।

जेम्स सांस रोके फैसला सुनाये जाने की प्रतीक्षा करता रहा।

अन्त में सिरोव की दृष्टि जेम्स पर आकर टिक गई और फिर वह एक शब्द को तोलता हुआ गम्भीर स्वर में बोला- 'मिस्टर जेम्स, अगर हमें यह विश्वास होता कि तुम्हारे देश के बाकी निवासी भी तुम्हारे जैसे ही बेरहम, हृदयहीन, कूर और हत्यारी प्रवृत्तियों के

आदमी हैं तो हम तुम्हारी सहायता के लिए एक उंगली भी हिलाना पसन्द नहीं करते। लेकिन हम जानते हैं तुम्हारे बाकी देशवासी तुम जैसे नहीं है। अगर प्रोफेसर जेनिंग्स एक ऊंचे ख्यालों का घोर मानवतावादी और शान्ति के लिए कार्य करने वाला बेहद इमानदार आदमी होने के स्थान पर कोई भयानक युद्धावन बनाने वाला सैडिस प्रवृत्तियों वाला वैज्ञानिक होता तब भी हम तुम्हारी सहायता नहीं करते लेकिन तुम्हारा चीफ 'एम' मेजर होवार्थ का मित्र है और फिर मुझे यह भी बड़ा अमानवीय लगता है कि एक वृद्ध 'आदमी' विदेशी धरती पर, अपने प्रति एकदम लापरवाह अजनबियों के बीच, अपने लोगों से दूर, प्राण त्यागे। मिस्टर जेम्स, अगर भगवान ने हमारा साथ दिया और मामला हमारी पहुंच से एकदम परे न हुआ तो हम पूरी कोशिश करेंगे कि वृद्ध सुरक्षित रूप से घर पहुंच जाये।

जेम्स के दिल पर से एक भारी बोझ हट गया।

***

मेजर होवार्थ के सोने के सिगरेट होल्डर में सुलगाया हुआ रूसी सिगरेट लगा हुआं था और सिगरेट होल्डर एकं विशिष्ट कोण पर दांत में दबा हुआ था।

मेजर ने अपनी भारी कोहनी को बजर के बटन. पर रख दिया और कोहनी को उसी स्थिति में तब तक रखे रहा जब तक कि एक बौना ठग आदमी होटल के रिसेप्शन काउन्टर के पीछे दिखाई देने वाले द्वार को खोलकर बाहर न निकाल आया। वह अपने दोनों हाथों से नींद को भगाने के लिए आँखे मल रहा था।

मेजर ने अनिच्छापूर्ण भाव से उस आदमी पर दृष्टिपात किया और ठण्डे स्वर में बोला- 'नाइट पोर्टरों को दिन में सोना चाहिए।

समझे ! मैनेजर को बुलाओ । फौरन ।'

'मैनेजर का बुलाऊ? रात के डेढ बजे?' नाइट पार्टर अपने सिर के ऊपर दीवार पर लगी घड़ी का देखता हुआ रखे स्वर में बोला।

उसने एक अवज्ञापूर्ण दृष्टि मजर होवार्थ पर डाली, जोकि उस समय अपनी पुलिस की यूनीफार्म के स्थान पर एक भूरे रंग का सूट पहने हुए था, फिर जेम्स पर डाली और फिर अपनी दृष्टि के भाव में मिलते जुलते स्वर में बोला- 'मैनेजर साहब इस समय आराम कर हरे हैं। सुबह आना।'

बिजली की तेजी से मेजर का हाथ नाइट पोर्टर की कमीज के गिरेबान पर पहुंच गया। उसने पोर्टर को इतनी जोर में झंझोड़ा कि तीन चार स्थानों में कमीज का कपडा चिरता चला गया। पोर्टर के चेहरे पर आतंक और पीड़ा के भाव उभर आये। मेजर के दूसरे हाथ में मेजर का वही पर्स प्रकट हुआ जो उसने पुलिस चौकी के इन्चार्ज का दिखाया था और उसने पर्स का एक फोल्ड खोलकर एक क्षण के लिए उस पोर्टर की दहशत भरी आँखों के सामने कर दिया। पोर्टर की आँखें फैलकर बाहर निकलने को हो गईं। उसका रंग वर्फ की तरह सफ़ेद हो गया। उसी क्षण मेजर ने उसे एक जोर का झटका देकर उसका गिरहवान छोड दिया। पोर्टर लडखडाता हुआ पीछे लगे की-बोर्ड से जा टकराया।

मेजर यूँ अपना हाथ झाड रहा था जैसे किसी बेहद गन्दी चीज में छू गया हो।

'मैं माफी चाहता हूँ. कामरेड। बहुत-बहुत माफी चाहता हूं । पोर्टर अपने एकदम सूख गये होठों पर जुबान फेरता हुआ बोला ा- 'मुझे... मुझे मालूम नहीं था।'

'इतनी रात का मैनेजर को पूछने और कौन आ सकता है यहाँ? मेजर होवार्थ ने अधिकारपूर्ण स्वर में पूछा ।

'यस सर, यस सर, 'यस कामरेड।' पोर्टर बोला मुझसे गल्ती हो गई। आप अभी बीस मिनट पहले तो यहाँ आये थे ।

'मैं आया था?' मेजर ने उस डांटते हुए पूछा।

नहीं, नहीं आप नहीं। पोर्टर हकलाया- आप नही, आप लोग। मेरा मतलब है सीक्रेट पुलिस.....।'

मुझे मालूम है बेटे । मेजर ने उसे फिर अपनी बात समाप्त नहीं करने दी -मैने ही उन्हे भेजा था। और अब यहाँ खड़े खड़े जुवान मत चलाओ। मैनेजर का बुलाकर लाओ।

पोर्टर हजार माफिया माँगता हुआ लड़खड़ाते कदमों से चलता

हुआ पिछले कमरे में कही गायव हो गया।

'तुम तो एकदम बिजली की तरह पोर्टर पर झपट पड़े। जेम्म बोला- एक बार तो मैं भी आतंकित हो उठा था।'

'आदत तो हो गई है। मेजर सहज स्वर में बोला-'मेरे ऐसे एक्शन इन पर बड़ा अच्छा प्रभाव छोड़ते हैं लेकिन इनसे इन लोगों की कोई स्थायी हानि नहीं होती ।.... तुमने सुना सीक्रेट पुलिस के बारे में यह क्या कह रहा था।

'हॉ।' जेम्स बोली-'लगता है हंगेरियन सीक्रेट पुलिस वक्त बरबाद नहीं करती।'

'बिल्कुल।' मेजर बोला-'विदेशी एजेन्टों के मामले में बड़ी तत्परती से काम होता है। सवेर होने तक वे लोग नगर के सारे होटल चैक कर चुके होंगे। इस ढंग से कोई परिणाम निकल पाने का चांस तो बहुत कम है लेकिन ये लोग कैसा भी चांस नहीं छोड़ना चाहते। सिरोव के घर के मुकाबले अब यहाँ तुम बहुत सुरक्शित रहोगे ।

जेम्स ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया और चुप हो गया।

**

सिरोव में विदा लिये जेम्स को करीब आधा घन्टा हुआ था। मेजर और सिरोव दोनों ने ही यह फैसला किया था कि उसका सिरोव के घर में रहना ठीक नहीं। सिरोव का घर किसी हद तक तन्हा इलाके में था और वहाँ किसी अजनबी का निरन्तर आवागवन छुपे बिना नहीं रह सकता था। दूसरी बात थी कि सिरोव का घर पेस्ट में बहुत दूर था जहाँ के किसी बड़े होटल में प्रोफेसर की मौजूदगी की सम्भावना थी और सबसे बड़ी खराबी यह थी कि वहाँ टेलीफोन नहीं था इसलिए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सम्पर्क स्थापित कर पाना असम्भव था।

इन असुविधाओं के अतिरिक्त सिरोव के घर में रहना खुद सिरोव के लिए भी खतरनाक था। सिरोव का ख्याल था कि उसके घर की निगरानी हो रही है। पिछले एक दो दिनों से सैन्डर और इमर दोनों ने दो व्यक्तियों का बड़े सन्दिग्ध भाव में सिरोव के

मकान वाली गली में टहलते हुए देखा था। उन दो आदमियों के बुडापेस्ट के साधागण नागरिक होने की सम्भावना कम थी। वे लोग पुलिस के आदमी या एजेन्ट भले न हो लेकिन उनका इरादा नेक नहीं था। बुडापेस्ट पर पुलिस स्टेट रूल था और ऐसी स्थिति के

हर नगर में पुलिस में सैकडों ऐसे भेदिये होते हैं। जिन्हें कोई लाभदायक सूचना देने पर पुलिस की ओर से पुरस्कार मिलता है। वे दोनों आदमी भी शायद ऐसे ही पुलिस के पुरस्कार के लोभी नागरिक थे। जो पुलिस का सूचना देने से पहले अपना सन्देह पक्का कर लेना चाहते थे।

जेम्स को यह देखकर बहुत हैरानी हुई थी कि सिरोव उस खतरे से कोई विशेष परेशान नहीं था। कारण उसे बाद में मेजर ने बताया था। सिरोव की पार्टी के बुडापेस्ट में बीसियों अस्थायी अड्डे थे। ऐसी स्थितियों में सिरोव फौरन अपना अड्डा बदल लेता था। इसलिए खामखाह अड्डा बंदलने का समय नहीं आया था-सिरोव का स्थायी अड्डा बुडापेस्ट नगर से बाहर था और उसकी जानकारी सिरोव के अतिरिक्त केवल मेजर होवार्थ सैन्डर, इमर और जूलिया को ही थी।

उसी 'क्षण हाल के दूसरे सिरे पर एक दरवाजा खुला और उसमें से लगभग भागता हुआ, एक आदमी बाहर निकला-अपने कोट की एक बांह उसने पहल ली थी और दूसरी को वह रास्ते में पहनता आ रहा था। उसके दुबले चेहरे पर भय और कटुता के भाव थे। उसके पीछे-पीछे नाइट पोर्टर भी आ रहा था।

'मैं हजार हजार माफी चाहता हूँ, कामरेड।' वह समीप आकर परेशनी से हाथ मलता हुआ बोला- 'गलती सरासर इस हरामजादे की थी...।'

उसका संकेत पोर्टर की ओर था।

'तुम मैनेजर हो?' मेजर ने तीखे स्वर से पूछा।

'यस, कामरेड ।' वह बोला।

'तो फिर अपने इस 'हरामजादे' को दफा करो। मैं तुमसे अकेले में बात करना चाहता हूँ।'

मेजर पोर्टर के दफा हो जाने तक प्रतीक्षा करता रहा। उतने समय में मेजर ने बड़ी शान्ति से अपना सिगरेट केस निकाला, उसमें से चुनकर एक सिगरेट पुराने सिगरेट के स्थान पर होल्डर में फंसाया और फिर लाइटर के लिए जेब टटोलने लगा। फिर उसने सिगरेट सुलगा लिया और उसके छोटे-छोटे कश लेने लगा। मेजर अपने हर एक्शन में जानबूझकर देर कर रहा था और फिर उस देरी का परिणाम भी फौरन ही सामने आ गया। मैनेजर जो पहले ही बेहद भयभीत था। अब हिस्टीरिया के रोगी की तरह कांपने लगा।

'क्या हो गया, कामरेड। हमसे क्या गलती हो गई है?' वह आतंकित स्वर में बोला-'अगर मैं किसी तरह पार्टी की मदद कर सकता हूँ तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि....।'

'तभी बोलो जब तुम्हें बोलने के लिए कहा जाये' मेजर नपे-तुले स्वर में बोला।

मैनेजर का मुंह खुला-लेकिन फौरन ही उसे मेजर की चेतावनी याद आ गई और उसका मुंह खुले का खुला रह गया।

'अभी थोड़ी देर पहले मेरे आदमी यहाँ आये थे?' मेजर ने पूछा। 'यस, कामरेड, थोड़ी देर पहले ही। उसके बाद अभी मैं सोया भी नहीं था कि...।'

'सिर्फ मेरे सवालों का जवाब दो।' मेजर शान्त स्वर में बोला-'तुम्हारे मुंह से जवाब के अतिरिक्त कोई फालतू शब्द नहीं निकलना चाहिए। मुझे यह बात दुबारा न कहनी पड़े।'

मेजर ने एक क्षण प्रतीक्षा की और फिर बोला- 'उन्होंने तुमसे होटल में किसी नये आये हुए मेहमान के बारे में पूछा था? तुम्हारा रजिस्टर चैक किया था? होटल के कमरों की तलाशी ली थी?'

'यह कॉमरेड.'

'उन्हें किसी आदमी की तलाश थी?'

'यस कॉमरेड.'

'उन्होंने तुम्हें उस आदमी का हुलिया बताया था?'

'यस कॉमरेड.'

'सब भूल आओ।' मेजर ने आदेश दिया-'घटनायें बहुत तेजी से " घटित हो रही हैं। हमें विश्वस्त सूत्रों से पता लगा है कि वह आदमी चौबीस घन्टे में यहाँ आने वाला है और उसको कोई साथी पहले से ही यहाँ रह हरा है।... मेरी जानकारी में तीन महीने में यह चौथा मौका है जब तुमने देश के शत्रुओं को अपने होटल में शरण दी है।'

मैनेजर के चेहरे का रंग उड़ गया।

'मैने?' वह हकलाया 'यहाँ? इस होटल में? कामरेड, मैं भगवान की कसम खाकर कहता हूँ...।'

'भगवान?' मेजर के चेहरे पर बल पड़ गये-'कौन-सा भगवान?

किसका भगवान?'

मैनेजर का सारा शरीर पत्ते की तरह कांपने लगा। अच्छे कम्यूनिस्ट भगवान जैसी चीज में आस्था प्रकट करने की भयानक

गल्ती नहीं करते। जेम्स को मैनेजर पर तरस आने लगा लेकिन वह जानता था कि मेजर क्या चाहता है। वह मैनेजर का आतक की उस हद तक ल आना चाहता था जहाँ

आकर आदमी अन्धा की तरह आज्ञा पालन करता है। आर मैनेजर आतक की उस हद तक पहुंच चुका था।

मेरे से.. मेरे में ग.. गलती हो गई, कामरेड ।' वह पहले से स्वर में बोला-'म... मेरी जुबान फिसल गई, कामंण्ड। मैं आपका विश्वास दिलाता हूँ, कामंग्ड...।'

'नहीं, नहीं, विश्वास दिलाने का काम मुझे करने दो कामरेड। मेजर पूर्ववत् शान्त स्वर में बोला ा- 'में तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि तुम्हारी एक और गलती तुम्हें जीवन भर के लिए साइबेरिया में सड़ने के लिए भेज देने के लिए काफी होगी। लगता है तुम्हें दुबारा साम्यवाद की शिक्षा देनी पड़ेगी तभी तुम देश के शत्रुओं को शरण देने जैसे कामों से बाज आओगे, तभी तुम अपने देश की पीठ में छुरा घोपने जैसी हरकतें करने से बाज आओगे।'

मैनेजर का मुंह खुला, होंठ हिले-लेकिन मुंह में आवाज नहीं निकली।

'मैं तुम्हें जो आदेश दूं, तुम्हें उसका पालन करना है।' मेजर फिर बोला ा-कहीं भी कोई छोटी-सी भी गलती हुई तो उसके पूर्णतया जिम्मेदार तुम होंगे और फिर मेरे दोस्त, तुम साइबेरिया या ब्लैक-सी-कनाल भेज दिये जाओगे।'

"मैं हर आदेश का पालन करूँगा, कामरेड। मैनेजर खुद को गिरने में बचाने के लिए कांपते हाथों में रिसेप्शन डेस्क का सहारा लेता हुआ बोला- मुझे जो कहा जायेगा, करूँगा कामरेड। मैं सौगन्ध-खाना हूँ।

"ठीक है। तुम्हें आखिरी मौका दे रहा हूँ। --मेजर बोला, फिर उसने जेम्स की ओर संकेत किया-यह मेरा आदमी है। जिस विदेशी एजेन्ट की हमें तलाश है, उससे यह बहुत मिलना जुलता है और थोड़ा-बहुत हमने इसका मेकअप भी कर दिया है। हमे पूरी आशा है कि उस विदेशी एजेन्ट का साथी जोकि हमारा ख्याल है इसी होटल में रह रहा हूँ इस आदमी की सूरत से पूरी तरह धोखा खा जायेगा और हमारे आदमी को ही विदशी एजेन्ट समझ बैठेगा। एक बार विदेशी एजन्ट के साथी के हमारे हाथ में आ जाने की देर है. फिर हम उस विदेशी एजेन्ट को भी नहीं छोड़ेंगे।

58

जेम्स मेजर होवार्थ की बुद्धि का लोहा मान गया। उसने ऐसी मास्टर पीस कहानी घड़ी थी कि अब जेम्स उस होटल में एकदम सुरक्षित रूप से रह सकता था।

'खैर!' मेजर कहता रहा-' इन बातों से तुम्हारा कार्ड वास्ता नहीं है। तुम केवल मेरे आदेशों का पालन करो। मेरे आदमी को अपन होटल का सबसे शानदार कमरा दे दो। कमरे में प्राइवेट बाथरूम होना चाहिए, अलग फायर एस्कोप होना चाहिए और शार्ट वैव रेडियों रिसीवर, टेलीफोन, अलार्म क्लाक होनी चाहिए। साथ ही होटल की जितनी मास्टर की हैं, उन सबकी एक-एक चावी इन्हें दो। इसका नाम मिस्टर राकासी है और इन्हें पूरी-पूरी प्राईवैसी मिलनी चाहिए। कोई चॅम्बर भेड़ बटेर, बिजली वाला, पानी का नल ठीक करने वाला या ऐसा ही कोई आदमी मिस्टर राकासी के कमरे के समीप भी न जाय। कोई टेलीफोन ऑपरेटर मिस्टर राकासी की टेलीफोन काला भूल से भी सुनने का प्रयत्न न करें। साहब का हर काम तुम्हें खुद करना होगा। जब तक साहब खुद अपने आपको प्रकट न करें, तुम्हें यही जाहिर करना है कि मिस्टर राकासी नाम के किसी आदमी का

अस्तित्व ही नहीं है। अभी से फोरन साहव को एकदम भूला जाओ। इस मामले से सम्बन्धित एक शब्द भी दुवारा तुम्हारी जुबान पर नहीं आना चाहिए। समझ गये?'

यस गर, कामरेड! मैनेजर बोला-सब समझ गया। सव कुछ ऐसे ही होगा।'

'शाबास!' मेजर बोला और अपने उस 'हरामजादे' पोर्टर को भी समझा दें कि वह अपनी जुवान बन्द रखे।

'यस कामरेड ।

'अब साहब को इनका कमरा दिखा दो।'

****

मैनेजर में जो कमरा जेम्स को दिया था, वह आकार में छोटा था लेकिन शानदार था और उसमें वे सब गुविधायें मौजूद थी जिनकी माँग मेजर होवार्थ ने की थी।

'तुम यहाँ केवल दो' या तीन दिन ही रह पाओगे।' मेजर 'बोला- इसासे अधिक यहाँ रहना खतरनाक होगा। मैनेजर तो अपनी, जुवान नहीं खोलेगा, लेकिन कोई न कोई सरकारी इनाम का लालची तुम्हारे बारे में सूचना लेकर पुलिस तक पहुंच ही जायेगा।'

जेम्स चुप रहा।

'उसके बाद तुम्हें अपना अस्तित्व बदलना होगा।' मेजर बोला- मेरा एक दोस्त है जो इन मामलों में स्पेश्लिस्ट है। तुम्हारा आस्ट्रियन या हंगेरियन बने रहना खतरनाक सिद्ध हो सकता है लेकिन जर्मन यहाँ पर कम सन्देह की निगाह से देखे जाते हैं। मेरा वह दोस्त तुम्हें जर्मन बना देगा। फिर तुम जर्मनी की किसी मैटल फर्म के प्रतिनिधि या पार्टनर का रूप धारण कर लेना। साम्यवादी सरकार में विदेशी मैटल कम्पनियों के प्रतिनिधि बड़े सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं।'

'क्यों?'

'क्योंकि मैटल की हमें जरूरत है।'

'आई सी ।'

'सुबह होते ही मैं एन्ड्रेसी उट में जाकर यह जानने की कोशिश करूंगा कि अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए आये हुए वैज्ञानिक कौन से हौटल में ठहरे हुए हैं। उन्हीं में से किसी प्रतिनिधि मण्डल के साथ प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिंग्स भी होगा। मेरे ख्याल से वे लोग 'थ्री काउन' होटल में ठहरे होंगे क्योंकि उस होटल का सारा स्टाफ हमारे ही आदमियों का है लेकिन किसी दूसरे होटल की भी सम्भावना हो सकती है।' मेजर ने अपनी जेब से कागज और पैन्सिल निकाली और एक मिनट तक कागज पर कुछ लिखता रहा-'यहाँ मैंने उन आठ होटलों के नाम लिख दिए हैं-जिनमें से एक में प्रोफेसर के ठहरे होने की गारन्टी है। होटल के नामों के सामने मैने क्रमानुसार 'ए' से 'एच' तक के अक्षर लिख दिये हैं। कल जब मैं तुम्हें फोन करूंगा तो पहले मैं तुम्हें किसी गलत नाम से पुकारूंगा। उस नाम का पहला अक्षर इस लिस्ट में लिखे उस होटल के नाम का संकेत दे देगा। जिसमें प्रोफेसर ठहरा हुआ हो। समझ गये?'

जेम्स ने स्वीकृतिसूचक मुद्रा सर हिला दिया।

"मैं प्रोफेसर के कमरे का नम्बर भी जानने की कोशिश करूंगा। अगर नम्बर मुझे मालूम हो गया तो मैं फोन पर उस नम्बर के अक्षर उलटकर उसे 'तुम्हारी एक्सपोर्ट बिजनेस को किसी फाडनैशियल कोटेशन के रूप में तुम्हें बता दूंगा । और मिस्टर जेम्स, केवल इतना कुछ ही मैं तुम्हारे लिए कर सकता हूँ। बाकी अब कुछ तुम्हें खुद करना पड़ेगा।'

'मेजर!' जेम्स कृतज्ञतापूर्ण स्वर में बोला-'तुमने पहले ही मेरी

काफी से ज्यादा सहायता कर दी है। इतना क्या कम है कि में अभी तक जीवित हूं।'

और जब तक मेरा फोन न आये तुम इस कमरे में से एक कदम भी बाहर मत निकलना। मेजर ने जेम्स के कृतज्ञतापूर्ण शब्द जैसे सुने ही नहीं।

'ओ. के. ।'

मेजर जेम्स से हाथ मिलाकर विदा हो गया।

जेम्स ने कमरे का द्वार भीतर से बन्द करके ताला लगाया और द्वार से सटाकर एक कुर्सी इस प्रकार रख दी कि बाहर से द्वार खोलने के लिए हैंडिल न घुमाया जा सके। फिर उसने खिड़की बन्द की और उसकी सिल पर पल्लों से सटा कर दो-तीन शीशे के गिलास और ऐसी ही टूटने वाली चीजें रख दीं। यह इन्तजाम बर्गलर अलार्म का काम देता था। बाहर से खिडकी को खोलने का जरा-सा उपक्रम करने पर भी शीशे की चीजें एक जोरदार आवाज के साथ फर्श पर आ गिरती और जेम्स की नींद खुल जाती।

फिर उसने अपनी रिवाल्वर को पलंग पर तकिये के नीचे रख लिया और फिर अपने सारे कपड़े उतारकर बिस्तर में घुस गया।

वह एकदम नग्नावस्था में सोने का आदी था। तकिये से सिर लगते ही वह गहरी नींद में सो गया।

एक लम्बी नींद सो चुकने के बाद जेम्स उठा।

स्नानादि से निवृत्त होकर उसने ब्रेकफास्ट के लिए फोन किया तो मैनेजर खुद आया ।

ब्रेकफास्ट कर चुकने के बाद उसने ट्रे बाहर गलियारे में रख दी और द्वार फिर पूर्ववत् भीतर से बन्द कर लिया।

फिर उसने रेडियो रिसीवर का हैडफोन अपने कानों पर चढ़ा लिया।

प्रोफेसर के लड़के के सुरक्षित रूप से स्वीडन पहुंच जाने की सूचना के लिए पूर्व निर्धारित कोड यह था कि अनाउन्सर ने समाचार पढ़ते समय एक स्थान पर कहना था- आज रात.... क्षमा कीजिए, आज रात नहीं कल रात... ।'

लेकिन बी. बी. सी. के शार्ट-वेव योरोपियन न्यूज ट्रांसमिशन में उस रोज अनाउन्सर ने ऐसी कोई गलती नहीं की।

बिना किसी निराशा की भावना के जेम्स ने हैडफोन उतारकर

रख दिया। इतनी जल्दी उसे उसे समाचार के मिलने की आशा थी भी नहीं।

उसने रेडियो बन्द किया और फिर सो गया।

लंच के समय वह उठा और उसने मैनेजर को खाना लाने का आदेश दिया।

उसने खिड़की खोलकर बाहर झांका। मौसम अभी भी बहुत खराब था। जहाँ तक दृष्टि जाती थी, बर्फ ही बर्फ दिखाई देती थी। हर और हर चीज पर बर्फ की एक मोटी चादर फैली हुई थी।

उसने खिडकी बन्द कर दी और भोजन की प्रतीक्षा करने लगा। पांच मिनट बाद किसी ने द्वार पर यूं दस्तक दी, जैसे उसे भय हो कि कहीं द्वार टूट न जाये।

जेम्स ने द्वार खोला।

द्वार पर मैनेजर खाने की ट्रे लिए खड़ा था। ट्रे में मौजूद हर चीज इस बात का प्रमाण थी कि मैनेजर हर हाल में सीक्रेट पुलिस के अफसर को खुश करना चाहता है। जेम्म ने बिना धन्यवाद का एक शब्द भी कहे ट्रे मैनेजर के हाथों से ले ली और उसे चले जाने का संकेत किया। सीक्रेट पुलिस के अफसर-उसने सोचा-ऐसी छोटी-मोटी सेवाओं के लिए धन्यवाद करने के आदी नहीं होते।

लेकिन मैनेजर ने चले जाने के स्थान पर अपनी जेब में हाथ डालकर एक लिफाफा निकाला और उसे जेम्स की ओर बढाता हुआ बोला- 'कोई आपको लिए यह पत्र दे गया है, मिस्टर राकोसी ।'

'मेरे लिए?' जेम्स ने तीव्र स्वर, में पूछा। उसका नया नाम मेजर और सिरोव के हाउस होल्ड के अतिरिक्त और कोई नहीं जानता था- यह पत्र कब पहुंचा था?'

'पांच मिनट पहले।'

'पांच मिनट पहले?' जेम्स बड़े ड्रामेटिक अन्दाज से गरजकर बाला। आखिर होटल के मैनेजर की नजर में तो वह हंगेरियन सांक्रेट पुलिस का अफसर था-'तो फिर तुम पांच मिनट पहले यह पत्र मेरे पास क्यों नहीं लाये?'

'मैं माफी चाहता हूँ. कामरेड" मेनजर सिर से पांव तक काँपता हुआ बोला-'मेरे से भूल हुई। जिस समय यह पत्र आया था, उम समय आपका लंच लगभग तैयार था। मैंने सोचा कि में दोनों चीज...।'

तुम्ह कुछ सोचने की जरूरत नहीं है। अगली बार जब मेरे लिए

कोई पत्र आये तो वह मेरे पास फौरन पहुंचना चाहिए। समझे ?

'यस कामरेड ।'

'कौन लाया था-यह पत्र?'

'उसका हुलिया बयान करो।'

'मैं उसकी सुरत नहीं देख सका, कामरेड ।'

'क्या पहने हुए थी वह?'

'वह एक पैरों तक आने वाला रेनकोट पहने हुए थी। उनकोट के साथ ही एक हुक भी लगा हुआ था जिससे उसका सिर और चेहर का अधिकतर भाग ढंका हुआ था।'

'ठीक है, ठीक है!' जेम्स बोला और उसने मैनेजर को चले जाने का संकेत किया।

मैनेजर लम्बे डग भरता हुआ गलियारे में गायब हो गया।

जेम्स ने द्वार भीतर से बन्द कर लिया।

उसने लिफाफा खोला और पत्र निकल लिया ।

पत्र में लिखा थाः -

आज रात घर पर आने की कोशिश मत करना। आठ और नी बजे के बीच मुझे व्हाइट-एजल कैफ में मिलना।

नीचे हस्ताक्षरों के स्थान पर केवल 'ज' लिखा था।

जेम्स को यह समझते देर नहीं लगी कि पत्र लाने वाली लड़की जूलिया थी।

जेम्स ने पत्र जला दिया और फिर राख को फ्लश में बहा दिया।

उमने चुपचाप खाना खाया और पहले की तरह ट्रे फिर बाहर गलियारे में रखकर द्वार बन्द कर दिया।

फिर जेम्स एक ईजी चेयर पर बैठ गया और सिगरेट पर सिगरेट फूंकता हुआ मेजर होवार्थ के फोन की प्रतीक्षा करने लगा।

कई घन्टे गुजर गये।

ठीक साढ़े पांच बजे उसके टेलीफोन की घन्टी बजी।

जेम्स लपककर टेलीफोन के पास पहुंचा और उसने केडिल से रिसीवर उठाकर कान से लगा लिया।

'मिस्टर बुहल ! मिस्टर जोहान बुहल!' दूसरी ओर से मेजर होवार्थ का स्वर सुनाई दिया।

'स्पीकिंग।' जेम्स बोला।

'आपके लिए बड़ी अच्छी खबर है मिस्टर बुहल । आज शाम को मैं मन्त्रालय के ऑफिस में गया था और वे लोग आपकी फर्म के

साथ सौदा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, बिशेष रूप से एल्यूमीनियस में उनकी भारी दिलचस्पी है। वे लोग फौरन आपसे बात-चीत करना चाहते हैं बशर्ते कि आप उनकी कीमत स्वीकार कर लें।

'उनकी आफर क्या है?'

'पिचानबे.'

"मेरे ख्याल से हमारी फर्म को इस कीमत पर माल देने में कोई एतराज नहीं होगा।'

'तो फिर आपको आर्डर मिल जायेगा। हम लोग डिनर पर मिल कर बातचीत कर सकते हैं। आप साढ़े छः बजे तशरीफ ला सकते हैं। !

'मैं आ जाऊंगा। तीसरी मंजिल पर न?'

दूसरी मंजिल । तो ठीक है, साढे छः बजे आ जाइयेगा। गुड बाई मिस्टर बहुल!' और दूसरी ओर से सम्बन्ध विन्छेद हो गया।

जेम्स ने भी रिसीवर रख दिया।

मेजर ने उसे बहुल के नाम से पुकारा था, बहुल का पहला अक्षर 'बी' था।

जेम्स ने मेजर की दी हुई होटलों की लिस्ट निकाल ली । 'बी' के आगे थ्री-काउन्स का नाम लिखा था। मेजर ने बताया था कि थी-काउन्स होटल का सारा स्टाफ सीक्रेट पुलिस के आदमियों का था।

मेजर से हुए वार्तालाप से उसे मालूम हो गया था कि प्रोफेसर श्री-काउन्स होटल शाम को साढ़े छः बजे खाता था। उस समय प्रोफेसर का कमरा खाली होने की पूरी सम्भावना थी।

एक क्षण भी बरबाद किये बिना जेम्स ने कपड़े पहने, अपनी रिवाल्वर की नाल पर साइलेंसर चढ़ाया और रिवाल्वर को अपने ट्रैच कोट की दाई जेब में रख लिया।

अपने मैनेजर को फोन करके आदेश दिया कि अगले चार घन्टे तक उसे किसी भी हालत में डिस्टर्ब नहीं किया जाये। उसके कमरे में कोई टेलीफोन काल, सन्देश, मुलाकाती या खाना वगैरह कुछ न भेजा जाए। फिर उसने घर को भीतर से ताला लगाया और लोगों को भ्रम में डालने के लिए बत्ती जली छोड़ दी।

अन्त में उसने बाथरूम की खिडकी खाली और फायर ऐस्केप के रास्ते से बाहर निकल गया।

64

रात बेहद ठण्डी थी और रास्तों पर टखनों तक गहरी रुई जैसी नर्म बर्फ इक्ट्ठी हो चुकी थी। अभी उसने केवल दो सौ गज का ही फासला तय किया था कि उसका हैट, ओवरकोट व जूते वगैरह सब बर्फ की सफेद पर्त से ढक गये।

बर्फीला मौसम जेम्स के लिए हर सूरत में लाभदायक था। सिर से पांव तक बर्फ से ढके होने के कारण उसके पहचाने जाने की सम्भावना बहुत कम थी। बर्फ से ढंकी सड़कों पर चलते समय उसके कदमों की आहट बिल्कुल नहीं हो रही थी और सबसे मुख्य बात यह थी कि ऐसे गन्दे मौसम में रास्ते में किसी पुलिस के आदमी से टकरा जाने की सम्भावना बहुत कम थी।

लगभग दस मिनट में वह थ्री-काउन्स होटल के समीप पहुंच गया। रास्ता तलाश करने में उसे तनिक भी दिक्कत नहीं हुई थी। बुडापेस्ट की हर सड़क को वह यूं पहचानता था, जैसे सारी जिन्दगी उसने बुडापेस्ट में ही गुजारी हो।

श्री-काउन्स एक विशाल होटल था। उसकी लॉबी, प्रकाश में जगमगा रही थी। होटल के घूमते हुए प्रवेश द्वार पर दो डोरमैन खड़े थे। दोनों की बगल में पुलिस रिवाल्वर लटक रहे थे। और हाथों में चमड़ा चढ़े हुए डंडे थे। प्रत्यक्ष था कि होटल के द्वार पर सीक्रेट पुलिस के ही आदमी डोरमैन की ड्यूटी बजा रहे थे।

जेम्स सिर झुकाये, कोट की जेबों में हाथ डाले होटल के सामने की सड़क से गुजर गया।

मुख्य द्वार से होटल में प्रवेश कर पाना असम्भव था।

सड़क पर थोड़ी दूर पहुंच कर वह रुक गया और एक बिजली के खम्बे की ओट में खड़ा होकर होटल की साइड का निरीक्षण करने लगा।

निचली मंजिल की खिड़कियों में मोटे सीखचे लगे हुए थे और उससे ऊपर की हर मंजिल की खिड़की बेहद ऊँची थी और वहाँ तक पहुंचने का कोई प्रत्यक्ष साधन दिखाई नहीं दे रहा था।

जेम्स होटल की दूसरी साइड की ओर पहुंचा। वहाँ भी स्थिति वैसी ही थी।

अब केवल होटल का पिछवाड़ा शेप रह गया था।

जेम्स सतर्कता से चलाता हुआ होटल के पिछवाड़े की सड़क पर पहुंच गया ।

होटल के ब्लाक एक खोखले वर्ग की सूरत में बने हुए थे ।

पिछवाड़े की ओर ब्लाकों से घिरा हुआ एक बहुत बड़ा कम्पाउन्ड था। कम्पाउन्ड के बाहर होटल की सड़क से अलग करने वाली एक लगभग चार फुट ऊंची दीवार बनी हुई थी। निचली मन्जिल और पहली मंजिल को कई खिड़कियों से प्रकाश की किरणं फूट रही थी लेकिन फिर भी कम्पाउन्ड में अन्धेरा था।

जेम्स ने चुपचाप सड़क पार की और दीवार के साथ जा लगा। उसने बड़ी सावधानी से सिर उठाकर कम्पाउन्ड में झाँका। उसी क्षण सर्च-लाइट का तेज प्रकाश उसके चेहरे पर पड़ा।

बिजली की फुर्ती से जेम्स का हाथ अपने कोट की दाई जेब में रखी रिवाल्वर पर पहुंच गया।

लेकिन अगले ही क्षण संर्च-लाइट उसके चेहरे से हट गई और कम्पाउन्ड की दीवारों का एक चक्कर लगाकर गायब हो गई।

जेम्स ने शान्ति की एक गहन निःश्वास ली और रिवाल्वर से उसकी पकड़ ढीली पड़ गई। खतरा नहीं था। उसने देखा कि एक सिपाही कन्धे पर कारबाइन लटकाए कम्पाउन्ड का चक्कर लगा रहा था। उसके हाथ में जलती हुई शक्तिशाली टार्च-लाइट थी और उसका वह हाथ लापरवाही से झूल रहा था। प्रत्यक्ष था कि टार्च का प्रकाश अकस्मात ही जेम्स पर जा पड़ा था। सिपाही की आंखे टार्च की रोशनी का पीछा नहीं कर रही थीं।

सिपाही उससे दूर कम्पाउन्ड के भीतर की ओर जा रहा था।

सिपाही होटल के एक ब्लाक के साथ बने फायर ऐस्केप के समीप रुक गया और फिर उसकी टार्च का प्रकाश फायर ऐरकेप की एक-एक सीढ़ी पर पड़ता हुआ ऊपर की और उठने लगा ।

लोहे की टेढ़ी-मड़ी सीढ़ियाँ खाली पड़ी थीं। प्रकाश लुप्त हो गया और सिपाही आगे बढ़ गया।

जेम्स दबे पांव आगे बढ़ा और फिर एक ही छलांग में दीवार फांदकर कम्पाउन्ड के भीतर पहुंच गया। वह दीवार के भीतरी भाग से सटकर जमीन पर बैठ गया।

एक क्षण प्रतीक्षा करने के बाद वह सिर नीचे झुकाये फायर ऐस्कप की सीढ़ियों की ओर भागा।

अभी वह कुछ ही कदम आगे बढ़ा था कि एकदम यु रुक गया जैसे उसे बिजली का धक्का लग गया हो।

पलाक अपकते ही यह जमीन पर सीधा लेट गया। फायर ऐस्कप के समीप दीवार के साथ-पीठ लगाये और कंधे

66.

पर मशीनगन लटकाये एक अन्य सिपाही खड़ा था। अन्धकार में जेम्स को उसकी मौजूदगी का जरा भी एहसास नहीं हुआ था, केवल क़िस्मत ने ही उसे बचा लिया था। सिपाही शायद सिगरेट पी रहा था। इससे पहलें कि जेम्स सिर झुकाए भागता हुआ सीधा उससे जा टकराता, जेम्स को उसके होठों में लगे जलते सिगरेट की चमक दिखाई दे गई थी। शायद सिपाही ने उसी समय कश का लगाया था।

जेम्स सिपाही से केवल चार फुट दूर बर्फ लेटा हुआ था और सामने खड़े सिपाही की दृष्टि किसी भी क्षण उस पर पड़ सकती थी।

टार्च वाला सिपाही भी ब्लाक का चक्कर लगाकर उसी ओर लौट रहा था।

जेम्स अपने आपको एक चूहे की तरह फंसा हुआ महसूस कर रहा था।

लौट जाने का उपक्रम करना भी मौत की दावत देना था। सामने खडे सिपाही को फौरन उसकी स्थिति का भान हो जाता।

वह बड़ी आसानी से दोनों सिपाहियों को शूट कर सकता था लेकिन बाद में उनकी लाशें छुपाना एक समस्या बन जाता। और फिर सिपाहियों की अपने स्थानों से गैर मौजूदगी छुपी नहीं रह सकती थी। ऐसी हालत में होटल के कर्मचारियों के भेष में मौजूद सीक्रेट पुलिस का एक-एक सिपाही सावधान हो जाता और फिर

उसका मिशन तो असफल होता ही, साथ ही वह भी निश्चित रूप से पुलिस के हाथों में पड़ जाता ।

उस क्षण उसकी दृष्टि सामने के ब्लाक की दीवार के साथ लटकी हुई लालटेन पर पड़ी जिसका मद्धम सा प्रकाश अपने आसपास दस फुट तक भी नहीं पहुंच रहा था।

जेम्स ने अपनी जेब से साइलेन्सर लगी रिवाल्वर निकाल ली और लंटे ही लेटे उस लालटेन का निशाना साधकर रिवाल्वर का घोड़ा दबा दिया।

एक हल्की सी पिट की आवाज हुई और अगले ही क्षण लालटेन के शीशे के परखच्चे उड़ गये।

रात के सन्नाटे में शीशा टूटने की आवाज तोप के गोले की

तरह सुनाई दी।

दोनों सिपाही एकदम चौंके। दोनों के हथियार अपने कंधों से फिसलकर हाथों में आ गए। सिगरेट वाला मशीनगन हाथ में थामे लालटेन की दिशा में बढ़ रहा था।

टार्च वाला पहले ही लालटेन के समीप पहुंच चुका था और टार्च का प्रकाश लालटेन वाली दीवार पर और उसके आसपास डाल रहा था।

मशीनगन वाला सिपाही काफी आगे निकल चुका था। अब जेम्स की ओर उसकी पीठ थी।

जेम्स सम्भला और फिर बन्दूक में से छूटी गोली की तरह फायर ऐस्केप की सीढ़ियों की ओर लपका।

वह बिल्ली की तरह दबे पांव सीढ़ियां चढ़ गया और पहली मन्जिल के लैवल में बने लोहे के प्लेटफार्म पर लेट गया और नीचे झांकने लगा।

'क्या बात है?' मशीनगन वाला सिपाही हंगेरियन में पूछ रहा था।

'कुछ नहीं!' टार्च वाला सिपाही बोला 'लालटेन का शीशा गरम था। बाहर की ठंडक के कारण चटक गया है।'

'ओह!' मशीनगंन वाला बोला-'और मशीनगन फिर लापरवाही से उसके कन्धे पर पहुंच गई।'

टार्च वाले ने फिर एक बार टार्च अपने चारों ओर जुमानी आरम्भ कर दी।

जेम्स एकदम प्लेटफार्म के साथ चिपक गया।

टार्च का तीव्र प्रकाश उसकी स्थिति से केवल दो फुट नीचे से गुजर गया ।

फिर टार्च की रोशनी गुल हो गई और दोनों सिपाही वहीं कम्पाउन्ड में खड़े होकर गप्पें हांकने लगे।

जेम्स का सारा शरीर उस लोहे के बर्फ से ढके प्लेटफार्म पर पडे-पडे सुन्न हुआ जा रहा था। वह सावधानी से प्लेटफार्म से उठा और धीरे-धीरे फायर-ऐस्केप की दूसरी मन्जिल की सीढ़ियां चढ़ने लगा।

दूसरी मन्जिल के प्लेटफार्म पर पहुंचने तक उसके नंगे हाथ इतने सुन्न हो चुके थे कि उससे रेलिंग नहीं पकड़ी जा रही थी।

उस प्लेटफार्म से उसने नीचे झांका । नीचे उसे बर्फीली धुंध के अतिरिक्त कुछ भी दिखाई नहीं दिया। अन्धकार इतना था कि इतनी

ऊंचाई से उसे सिपाही भी दिखाई नहीं दे रहे थे।

जेम्स निश्चिन्त होकर सीधा खड़ा हो गया।

प्लेटफार्म के सामने ही एक शीशे वाली खिड़की थी। जेम्स ने हाथ फेरकर शीशे से बर्फ साफ की और फिर भीतर झांका।

वह एक बड़ा-सा बाथरूम था और उस समय वहाँ किसी व्यक्ति की उपस्थिति का अहसास नहीं हो रहा था।

जेम्स ने अपनी जेब से चाकू निकालकर खिड़की और चौखट के बीच में बनी दरार के नीचे के भाग में फंसाया और चाकू को ऊपर की ओर उमेठा। खिडकी ऊपर उठती चली गई।

जेम्स उस खिड़की के रास्ते भीतर बाथरूम में घुस गया और खिडकी भीतर से बन्द कर ली।

ठण्ड के कारण उसके हाथ एकदम निष्क्रय हो चुके थे।

वह सिंक के पास पहुंचा और उसने गर्म पानी का नल खोल दिया। एक ही मिनट में सिंक गर्म पानी से लबालब भर गया। उसने अपने दोनों हाथ गर्म पानी में डूबो दिये।

पीड़ा की एक तीव्र लहर उसके शरीर में दौड़ गई लेकिन उसने पानी में से हाथ निकालने का उपक्रम नहीं किया।

थोड़ी देर में उसके हाथों में रक्त का संचार होने लगा। फिर उसने अपने हाथ पानी से निकाल लिये और सिंक में से पानी बहा दिया। उसने तौलिये से रगड़-रगड़ कर हाथ पोंछे।

उसके हाथों में जैसे फिर से जान पड़ गई थी।

उसने बाथरूम की बत्ती बुझाई और बड़ी सावधानी से द्वार खोलकर बाहर झाका।

वह एक लम्बा गलियारा था जिसके फर्श पर शानदार गलीचा बिछा हुआ था। गलियारे के दोनों और कमरों के दरवाजे थे। सामने के दरवाजे पर 59 नम्बर लिखा था उससे अगले कमरे का नम्बर-57 था। वह हर्पित हो उठा। सौभाग्य से वह उस विंग में पहुंच गया था जिसमें प्रोफेसर का कमरा था। फिर उसकी उचटती हुई दृष्टि गलियारे के दूसरे सिरे पर पड़ी और उसके जबड़े कस गये। उसने अपना सिर भीतर खींच लिया और चुपचाप द्वार बन्द कर लिया।

गलियारे में दूसरे सिरे पर दीवार से पीठ टिकायें एक सिपाही खड़ा था। उसके कन्धे पर कारबाइन लटक रही थी।

जेम्स बाथरूम के सिरे पर बैठ गया। उसने एक सिगरेट सुलगा

लिया और अगली चाल सोचने लगा।

गलियारे के खड़े सिपाही की शायद गलियारे में ही ड्यूटी थी और उसकी जानकारी में आये बिना 59 नम्बर कमरे तक पहुंच पाना असम्भव था प्रोफेसर के कमरे तक पहुंचने के लिए उस सिपाही को वहाँ से हटाना आवश्यक था। प्रकाश से चमचताते हुए एक सौ बीस फुट लम्बे गलियारे में उससे भिड़ जाने की बात भौ सोचना बेकार था।

अन्त में उसके तीव्र मस्तिष्क ने एक तरकीब सोच निकाली। उसने सिगरेट फेंक दिया और उठ खड़ा हुआ।

उसने बाथरूम का गर्म पानी का नल खोल दिया और कपड़े उतारने लगा। सारे कपड़े उतार देने के बाद उसने साबुन उठाया और उसे तब तक अपने मुंह और सिर पर मलता रहा-जब तक वह गरदन तक साबुन के भाग की एक मोटी परत में नहीं ढक गया।

उसका हुलिया सीक्रेट पुलिस के हर आदमी को बताया जा चुका था।

उसने अपने हाथों को पोंछा और अपनी कमर के गिर्द तक तौलिया लपेट लिया। उसने अपनी रिवाल्वर अपने बायें हाथ पर डाली और हाथ पर और तोलिया डालकर रिवाल्वर को छुपा लिया। फिर उसने द्वार खोला और दबी आवाज से गलियारे में खड़े सिपाही को आवाज दी।

सिपाही ने एकदम उस ओर देखा। उसका हाथ स्वयं ही कन्धे पर लटकी कारबाइन पर पहुंच गया। लेकिन जब उसने गलियारे के दूसरे सिरे पर केवल लगभग नंगे खड़े जेम्स को देखा तो उसने कारबाइन से हाथ उठा लिया। उसने बोलने के लिए मुंह खोला. लेकिन जेम्स ने उसे अपने होंठों पर उंगली रखकर चुप रहने का संकेत किया।

सिपाही उलझनपूर्ण नेत्रों से जेम्स की दिशा में देखता रहा। जेम्स ने जोर जोर से हाथ हिलाकर उसे समीप आने का संकेत किया।

सिपाही एक क्षण को हिचकिचाया और जेम्स की ओर भागा। रास्ते में कारबाइन उसके कन्धे से फिसल कर उसके हाथ में आ गई थी।

'बाहर फायर-स्केप पर एक आदमी है।' सिपाही के समीप

पहुंच जाने पर जेम्स फुसफुसाया- 'वह बाहर से खिड़की खोलकर भीतर आने की कोशिश कर रहा है।'

'अच्छा!' सिपाही की आँखें फैल गई। वह भी फुसफुसाता हुआ बोला-'तुमने देखा है उसे?'

'हाँ!' जेम्स उत्तेजित स्वर में बोला- 'तभी तो मैंने तुम्हें बुलाया है। मुझे डर लग रहा है।

और कांपने लगा ।

'घबराओ नहीं, मैं देखता हूँ।' सिपाही बोला ।

जेम्स एक ओर हट गया।

सिपाही बाथरम के भीतर घुस आया और खिड़की की ओर बढ़ा।

जेम्स ने चुपचाप तौलिया जमीन पर गिरा दिया और रिवाल्वर को नाल से बायें हाथ में पकड़ लिया।

जेम्स ने पूरी शक्ति से रिवाल्वर की मूठ सिपाही की कनपटी पर दे मारी।

सिपाही के मुँह से हाय भी न निकली और उसका निश्चेष्ट शरीर लहरा गया। जेम्स ने उसे गिरने से सम्हाल लिया और फिर उसे धीरे-धीरे फर्श पर लिटा दिया। फिर उसने तौलिये फाड़-फाड़. कर ही उसके हाथ पांव बांध दिये और मुंह में भी कपड़ा ठूंस दिया।

'उसने सिपाही को बाथरूम के एक क्लोजेट में बंद करके बाहर से चिटकनी चढा दी।

पांच मिनट बाद जब जेम्स बाथरूम में से बाहर निकला, तो उसका कोट उसकी बांह पर लटक रहा था और हैट उसके हाथ में था। वह इतनी लापरवाही से गलियारे में चलने लगा जैसे वह भी होटल का ही एक अतिथि हो और अपने कमरे में वापिस लौट रहा हो।

वह 59 नम्बर कमरे के सामने पहुंचा।

उसने अपनी जेब से एक नकली चाबियों का गुच्छा निकाला और द्वार का ताला खोलने का प्रयत्न करने लगा।

दुर्भाग्यवश एक भी चाबी उस ताले में फिट नहीं हो सकी।

जेम्स उस द्वार को छोड़कर अगले द्वार के समीप पहुंचा। अगले द्वार पर कोई नम्बर नहीं था। उसने एक खोजपूर्ण दृष्टि अन्य कमरों के द्वारों पर डाली। उसने देखा हर एक द्वार के बाद अगले द्वार पर नम्बर नहीं था।

71

बिना नम्बर के द्वार शायद हर कमरे के साथ बने हुए प्राइवेट बाथरूम हैं। जेम्स ने सोचा हर प्राइवेट बाथरूम का एक द्वार शायद गलियारे में भी खुलता था।

जेम्स अपने चाबियों के गुच्छे की एक एक चाबी बारी-बारी से उस ताले में लगाने लगा।

एक चाबी से ताला खुल गया।

जेम्स ने हैंडल घुमाकर द्वार खोला और भीतर घुस गया।

वह बाथरूम ही था। उसने भीतर से द्वार बन्द कर लिया।

वह बाथरूम भी लगभग पहले बाथरूम की ही तरह था। अन्तर केवल इतना था कि इस बाथरूम के दो द्वार थे। एक गलियारे में खुलने वाला जिसमें से जेम्स भीतर प्रविष्ट हुआ था और दूसरा होटल के कमरे में खुलने वाला ।

वह बाथरूम के रास्ते कमरे में प्रविष्ट हो गया। उसने अपनी जेब से पैन्सिल के आकार की एक टार्च निकाली और उसका सीमित प्रकाश कमरे में फिराने लगा। उसने देखा खिड़कियां बन्द थीं और उन पर भारी परदे पड़े हुए थे।

जेम्स ने टार्च बन्द करके जेब में डाल ली और कमरे की बत्ती जला दी।

तलाशी लेने की कला में जेम्स दक्ष था। उसने बडे सिस्टेमैटिक ढंग से कमरे की एक-एक चीज परखनी आरम्भ कर दी।

दस मिनट बाद उसने रोशनदान में लगी ग्रिल के पीछे छुपाया हुआ माइक्रोफोन खोल निकाला।

उस माइक्रोफोन के अतिरिक्त कमरे में और कोई आपत्तिजनक चीज नहीं थी।

वह फिर बाथरूम में आ गया और उतनी ही मेहनत से उसने बाथरूम की तलाशी लेनी आरम्भ कर दी।

बाथरूम में उसे कुछ दिखाई नहीं दिया।

उसी क्षण उसे गलियारे में दो व्यक्तियों के बोलने की आवाज आई।

जेम्स ने लपककर कमरे की बत्ती बुझा दी और वापिस बाथरूम में आ गया। उसने बाथरूम का द्वार इतना बन्द कर दिया कि चौखट और द्वार में एक छोटी-सी झिरी रह जाय। वह उस झिरी पर आंख लगाये कमरे में झांकने लगा।

अगले ही क्षण कमरे का द्वार खुला और प्रोफेसर जैनिंग्स ने

भीतर प्रवेश किया। उसके पीछे-पीछे ही कमरे में एक भूरा सूट पहने मोटा-सा आदमी प्रविष्ट हुआ। जेम्स के पास यह जानने का कोई साधन नहीं था कि वह आदमी सीक्रेट पुलिस से सम्बन्धित था या प्रोफेसर की तरह ही वैज्ञानिक कान्फ्रेंस में शामिल होने के लिए आया हुआ कोई वैज्ञानिक था। लेकिन एक बात दिन की तरह स्पष्ट थी। वह अपने साथ एक शराब की बोतल और दो गिलास लाया था और उसका फौरन वहां से टल जाने का कतई इरादा नहीं मालूम होता था ।

अनजाने में ही जेम्स के हाथ में उसकी साइलेन्सर लगी रिवाल्वर पहुंच गई थी। अगर प्रोफेसर के साथी ने बाथरूम में आने का प्रयत्न किया तो भारी बखेड़ा हो सकता था। बाथरूम में कोई छुपाने का स्थान नहीं था। अगर उसे आदमी को शूट करना पड़ा तो प्रोफेसर से दुबारा किसी समय सम्पर्क स्थापित करना असम्भव हो जायेगा। ऐसी सूरत में उसे उसी समय प्रोफेसर को अपने साथ ले जाना पड़ेगा चाहे इसके लिए उसे प्रोफेसर के साथ जबरदस्ती ही-क्यों न करनी पड़े। और श्री-काउन्स जैसे होटल से किसी आदमी को जबरदस्ती निकाल ले जाने में सफल हो पाना एक असम्भव कृत्य था।

लेकिन प्रोफेसर के साथी ने बाथरूम की ओर आने का उपक्रम नहीं किया। शीघ्र ही यह भी प्रकट हो गया कि वह सीक्रेट पुलिस का आदमी नहीं था। प्रोफेसर उसे जोजफ के नाम से सम्बोधित कर रहा था, उससे बड़ा मित्रतापूर्ण व्यवहार कर रहा था। और उससे

इंगलिश में ऊंची तकनीकी चर्चा कर रहा था जिसका एक भी शब्द समझ पाना जेम्स के बस की बात नहीं थी। प्रोफेसर का साथी भी शायद कोई वैज्ञानिक ही था।

जेम्स चुपचाप प्रतीक्षा करता रहा।

प्रोफेसर और जोजफ अपने वैज्ञानिक वार्तालाप में मग्न थे और उस वार्तालाप को कमरे में लगे माइक्रोफोन की सहायता से शायद सीक्रेट पुलिस के आदमी भी सुन रहे थे।

जेम्स ने कलाई पर बंधी घड़ी पर दृष्टिपात किया, वह व्यग्र हो. उठा, समय बहुत कम था। उसका फौरन और एकान्त में प्रोफेसर से मिलना जरूरी था।

एक मिनट के समय में उसके मस्तिष्क में आधी दर्जन विभिन्न

विचार उभरे लेकिन उनमें से एक भी ऐसा नहीं था जो सरल हो और खतरे से खाली हो । वर्तमान स्थिति में वह किसी प्रकार का रिस्क लेने के लिए तैयार नहीं था। प्रोफेसर का साथी चाहे वैज्ञानिक ही था, लेकिन क्योंकि वह रूसी था इसलिये उसकी नजर में शत्रु था।

अन्त में उसे एक तरकीब सूझी जिसके सफल होने की पर्याप्त सम्भावना थी। वह द्वार के समीप से हट गया और सिंक के पास पहुंचा। उसने साबुन का एक टुकड़ा उठाया। साबुन एकदम सूखा था। बड़ी सावधानी से उसने नल को केवल इतना खोला कि पानी की केवल एक ही बून्द बाहर निकल पाई। उस बून्द से उसने साबुन का एक सिरा भिगोया और गीले साबुन की सहायता से अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में सिंक के ऊपर लगे शीशे पर लिखने लगा।

मैं इंगलैंड से आया हूँ।

अपने मित्र से फौरन पीछा छुडाओ।

फिर वह दबे पांव चलता हुआ बाथरूम के गलियारे वाले द्वार के समीप पहुंचा और उसे एक-एक इंच करके इस प्रकार खोलने लगा कि आहट न होने पाये।

द्वार खोलकर उसने बाहर झांका।

गलियारा सुनसान पड़ा था।

वह बाहर निकल आया और लम्बे डग भरता हुआ प्रोफेसर के कमरे के द्वार के सामने जा पहुंचा। उसने धीरे से प्रोफेसर का द्वार खटखटाया और बड़ी फुर्ती से बिना किसी प्रकार की आहट किये वापिस बाथरूम में घुस गया। भीतर आंकर उसने द्वार बन्द कर लिया और फिर दूसरे द्वार की झिरी में से बाहर झांकने लगा।

प्रोफेसर का साथी द्वार की ओर बढ़ रहा था। बाथरूम के द्वार की ओर उसकी पीठ थी।

जेम्स ने अपनी पैन्सिल टार्च हाथ में थाम ली और बाथरूम के द्वार में से सिर निकाल कर कमरे में झांका। उसने टार्च का प्रकाश एकदम प्रोफेसर के नेत्रों पर डाला और फिर टार्च बन्द कर दी। प्रोफेसर ने एकदम जेम्स की दिशा में देखा।

जेम्स ने अपने होंठों पर उंगली रखकर उसे चुप रहने का संकेत किया।

प्रोफेसर का साथी द्वार को पूरा खोलकर गलियारे की दोनों दिशाओं में झांक रहा था।

प्रोफेसर के चेहरे पर बौखलाहट और हैरानी के भाव उभर रहे थे।

उसी क्षण प्रोफेसर का साथी घूमा ।

जेम्स ने बाथरूम का द्वार पहले की तरह बन्द कर लिया।

'क्या बात है, प्रोफेसर अनिश्चित स्वर से बोला- 'मेरा सिर फिर दुखने लगा है। तुम तो जानते ही हो इस सिर दर्द से कितना परेशान रहता हूँ मैं!..... कौन था?'

'कोई भी नहीं, शायद किसी ने भूल से हमारा दरवाजा खटखदा दिया। प्रोफेसर, क्या तबियत बहुत खराब है?'

'नहीं।' प्रोफेसर अपने चेहरे पर क्षीण-सी मुस्कराहट लाकर उठता हुआ बोला- 'एक दो माइग्रेन की गोलियां खाकर और गिलास ठण्डा पीकर ठीक हो जाऊंगा।'

प्रोफेसर बाथरूम के द्वार की ओर बढ़ा।

जेम्स द्वार के पीछे टीवार से चिपक कर खड़ा हो गया।

बाथरूम का द्वार खोल कर प्रोफेसर भीतर प्रविष्ट हुआ। फौरन ही उसकी दृष्टिं शीशे पर लिखे संदेश पर पड़ी।

जेम्स सांस रोके खड़ा रहा।

प्रोफेसर ने पीछे घूमकर देखने का प्रयत्न नहीं किया।

उसने कपबोर्ड में से दो माइग्रेन की गोलियां निकाली और नल खोलकर एक पानी का गिलास भर लिया।

गोलियां खाकर वह बाथरूम से बाहर निकाल गया। बाहर निकलकर वह द्वार बन्द करना नहीं भूला ।

जेम्स लपक कर शीशे के समीप पहुंचा और उसने शीशे पर से साबुन की लिखाई मिटा दी।

'होटल के डॉक्टर को बुलाऊं।' प्रोफेसर का साथी चिन्तित स्वर से कह रहा था।

'नहीं, नहीं, क्या जरूरत है?' प्रोफेसर बोला- 'डॉक्टर भी आकर मुझे माइग्रेन की गोलियां ही देगा। अभी मैं दो धन्टे आराम करूंगा और ठीक हो जाऊंगा। जोजफ, अगर तुम बुरा न मानो तो...।'

'नहीं, नहीं, इसमें बुरा मानने की क्या बात है?' प्रोफेसर का साथी प्रोफेसर का मन्तव्य समझ बोला- 'आप का स्वास्थ्य हम लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है सोमवार की वैज्ञानिक कान्फ्रेंस के उदघाटन पर ओपनिंग स्पीच आप ही की है। मैं जाता हूँ। आप आराम कीजिए।'

फौरन ही प्रोफेसर का साथी बिदा हो गया।

प्रोफेसर ने द्वार भीतर से बन्द कर लिया।

जेम्स बाथरूम से बाहर निकल गया।

प्रोफेसर ने बोलने के लिए मुंह खोला ही था कि जेम्स ने उसे फिर संकेत द्वारा रोक दिया। प्रोफेसर का मुंह खुला का खुला रह गया।

जेम्स ने देखा प्रोफेसर के स्वर में हल्का सा भय का पुट था। प्रोफेसर बोला- 'इस समय मेरे कमरे में क्या कर रहे हो?'

'मेरा नाम जेम्स है।' जेम्स बोला- मैं ब्रिटिश इन्टैलीजैन्स का एजेन्ट हूँ। मैं सीधा लन्दन से आया हूँ। आप से कुछ बड़ी महत्वपूर्ण बातें करना चाहता हूँ।'

'तो यहाँ बाथरूम में क्यों घुस आये हो? कमरे में चलो। और प्रोफेसर वापिस जाने के लिए घूमा।'

जेम्स ने उसे कन्धे से पकड़ कर रोक लिया।

'कमरे में नहीं, सर!' वह बोला- 'वहाँ साइक्रोफोन छुपा हुआ है, जिसकी सहायता से हंगेरियन सीकेट पुलिस हमारा वार्तालाप सुन सकती है।'

'माइक्रोफोन!' प्रोफेसर चौंका- 'वहाँ से ।'

'रोशनदान की ग्रिल के पीछे।'

'तुम्हें कैसे मालूम है, बरखुरदार?' प्रोफेसर फिर जेम्स की ओर घूमता हुआ बोला।

'आपके आने से पहले मैंने आपके कमरे की तलाशी ली थी।' जेम्स क्षमा याचनापूर्ण स्वर से बोला।

'तुम कब से यहाँ घुसे बैठे हो?'

'मैं आपके आने से केवल दस मिनट पहले आया था।'

'और उतने समय में तुमने माइक्रोफोन ढूंढ भी लिया?'

'जी हाँ, ऐसी चीजें फौरन तलाश कर लेने का मुझे अच्छा अनुभव है।'

'अब चाहते क्या हो तुम?'

'आपको।' जेम्स नम्र स्वर से बोला-'हम आपको चाहते हैं सर, ब्रिटिश सरकार को आपकी जरूरत है। सरकार ने मेरे माध्यम से आपको इंगलैंड वापिस लौट आने का सादर निमन्त्रण भेजा है।'

'ब्रिटिश सरकार ने बड़ी कृपा की मुझ पर,' प्रोफेसर व्यायपूर्ण स्वर से बोला। उसके मन में से क्षणिक भय का भाव पूर्णतया लुप्त

हो चुका था-'मिस्टर जेम्स, ब्रिटिश सरकार को मेरा धन्यवाद देना और कहना कि मेरी ओर से वे लोग जहन्नुम में जायें। शायद वहाँ उन्हें कोई ऐसा आदमी मिल जाये जो उनकी इच्छित मशीनें बनाता फिरे, मुझे तो माफ ही करें आप लोग।'

'देश को आपकी जरूरत है, सर, सख्त जरूरत है।

'शायद यही आखिरी अपील बाकी है, तुम लोगों के पास।' प्रोफेसर नफरत भरे स्वर से बोला- 'लेकिन मिस्टर जेम्स, अब मुझे झूठी राष्ट्रवादिता और घटिया देश भक्ति के नारों में कोई दिलचस्पी नहीं है।'

'मतलब कि आप स्वदेश लौटना नहीं चाहते।',

'वैरी वैल, सर,' जेम्स सरल स्वर से बोला- 'जैसा आप चाहें, आप जो फैसला करें हमारे लिए वहीं ठीक है।'

'क्या?' प्रोफेसर हैरान हो उठा-'तुम मेरी बात स्वीकार करते हो। इतनी आसानी से-और तुमने लन्दन से बुडापेस्ट तक आने की जहमत उठाई है।'

'मैं तो केवल सन्देशवाहक हूँ, प्रोफेसर जेनिंग्स।' संदेशवाहक ! और अगर मैं तुम्हारी इंगलैंड वापिस लौट चलने की मूर्खतापूर्ण राय स्वीकार कर लेता तो.... ।

'तो फिर मैं आपको वापिस इंगलैंड ले जाता ।'

'तुम मुझे वापिस इंगलैंड ले जाते? मिस्टर जेम्स, जानते हो तुम क्या कह रहे हो? तुम मुझे बुडापेस्ट से बाहर ले जाते? हंगरी से बाहर ले जाते? बार्डर क्रास कर जाते?'

'यस!' जेम्स विश्वासपूर्ण स्वर से बोला ।

प्रोफेसर कई क्षण चुप रहा।

'मिस्टर जेम्स!' एकाएक वह बोला।

'जी श्रीमान!'

"तुम सीक्रेट एजेंट ही न?'

'जी श्रीमान!'

'और तुम्हारा काम तो केवल अपने अफसरों की आज्ञा का पालन करना है?'

'जी श्रीमान।'

'क्या तुम यह बात कसम खाकर सकते हो कि बिटिश सरकार ने तुम्हें यहाँ मुझे वापिस इंगलैंड आमन्त्रित करने के लिए भेजा है। मेरा दावा है कि तुम्हें आमन्त्रित करने के लिए नहीं, वापिस लाने के

लिए यहाँ भेजा गया है। मेरी इच्छा या अनिच्छा का तो तुम्हारे सामने सवाल ही नहीं है बरखुर्दार।'

'ऐसी बात नहीं है, प्रोफेसर!' जेम्स नम्र स्वर से बोला। उसे हर हालत में प्रोफेसर का दिल जीतना था, तभी कुछ परिणाम निकलने की आशा थी 'मैं आपको आमन्त्रित करने ही आया हूँ।' मान लीजिए, अगर मैं आपको जबरदस्ती यहाँ से इंगलैंड ले भी गया तो उससे हमें लाभ क्या होगा? हम आपसे जबरदस्ती तो कोई काम करवा नहीं पायेंगे। आप तो हमारे लिए तभी काम करेंगे जब आपकी अपनी इच्छा होगी। इसलिए सर आपका इंगलैंड वापिस जाना या न जाना शत प्रतिशत आप ही की इच्छा पर निर्भर करता है। हम आपको मजबूर करने की मूर्खता नहीं कर सकते।'

प्रोफेसर फिर चुप हो गया। वह बेहद परेशान दिखाई दे रहा था। लगता था जैसे उसके दिल में कोई भीषण हलचल मची हुई थी।

'मिस्टर जेम्स!' प्रोफेसर कांपते स्वर से बोला-'क्या... क्या मेरी बीवी अभी जिन्दा है?'

'लन्दन एयरपोर्ट छोड़ने से दो घन्टे पहले मैंने आपकी बीवी को देखा था!' जेम्स के मुंह से निकला एक-एक शब्द सत्यता की प्रतिमूर्ति मालूम होता था जवकि उसने अपनी जिन्दगी में प्रोफेसर की बीवी की सूरत नहीं देखी थी-'वे बहादुर औरत हैं और जिन्दगी का डट कर मुकाबला कर रही हैं।'

'क्या... क्या वह अभी भी बेहद बीमार है?'

'यह तो डॉक्टर ही बता सकते हैं।'

'हे भगवान्! मुझे टार्चर करने की कोशिश मत करो, जेम्स! डॉक्टर क्या कहते हैं?'

जेम्स कुछ क्षण चुप रहा और जब त्रातावरण में उसका इच्छित सस्पैस स्थापित हो गया तो वह बड़े ड्रामेटिक अन्दाज से यूँ बोला जैसे हकीकत ब्यान करते हुए उसका कलेजा फटा जा रहा हो-'प्रोफेसर... आपकी 'मिसेज... एकदम मौत की दहलीज पर खड़ी हैं। किसी भी क्षण उनकी मृत्यु हो सकती है। उनका सर्जन कहता है कि उनके इस हालत में पहुंच जाने का प्रमुख कारण यह है कि वे जीवित रहने की इच्छा एकदम खो चुकी हैं। वे जीवन से एकदम निराश हो गई हैं।'

'माई गाड, ओह माई गाड!' प्रोफेसर की निगाहें जेम्स के ऊपर

कहीं शून्य में स्थिर हो गईं। उसके नेत्रों में आंसुओं की बूंदे चकमने लीं।

'हे भगवान् !' प्रोफेसर कम्पित स्वर से बोला- 'यह कैसे हो सकता है? यह कैसे हो सकता है?'

'यह हो रहा है।' जेम्स कूर स्वर से बोला- 'आप हकीकत को झूठला नहीं सकते है। आप अपने आपको धोखा नहीं दे सकते। प्रोफेसर, आप यह महसूस क्यों नहीं करते हैं कि आप साम्यवादियों द्वारा रटाये हुए सह-अस्तित्व के पाठ के नारे लगा-लगाकर अपने देश-वासियों के भविष्य को साम्यवादियों के हाथों बेचे दे रहे हैं।. आप अच्छी तरह जानते हैं कि आपकी बीवी के लिए जीवित रहने का कोई सहारा बाकी नहीं है। वे जानती है कि साम्यवादियों में फंसे अपने पति और बच्चे की सूरत वे जिन्दगी भर नहीं देख पायेंगी।'

'यह झूठ है।' प्रोफेसर चिल्लाया।

'प्रोफेसर, अपने आपको धोखा मत दो, यह सच है।' जेम्स बोला-'मन ही मन प्रोफेसर जैसे नेक आदमी को ऐसा शाक ट्रीटमेंट देना उसे अच्छा नहीं लग रहा था।---- आप साम्यवादियों के प्लेटफार्म पर खड़े सह-अस्तित्व के महान भापण ही देते रह जायेंगे और आपकी बीवी लन्दन के अस्पताल में तिलतिल कर खत्म हो जायेगी। प्रोफेसर जेनिंग्स, आपकी बीवी मर रही है और आप उसे मार रहे हैं। उसको लन्दन के अस्पताल में अकेली मरने देना ऐसा ही है जैसे आप उसके सामने खड़े उसका गला घोंट रहे हों।'

'चुप हो जाओ! चुप हो जाओ! भगवान के लिए चुप हो जाओ।' प्रोफेसर ने अपने दोनों हाथों में अपना 'सिर थाम लिया और विक्षिप्त स्वर से बोला-'तुम ठीक कह रहे हो। मेरा भगवान जानता है, तुम ठीक कह रहे हो। बेटे, मेरा जी चाहता है, में उड़कर अपनी बीवी के पास पहुंच जाऊं लेकिन... लेकिन यह सम्भव नहीं है।'

'क्यों?'"

'क्योंकि स्थिति ऐसी है कि में साम्यवादियों का साथ नहीं छोड़ सकता। अगर मैंने अपनी मरती हुई बीवी के पास पहुंचने का प्रयत्न किया तो ये लोग मेरे इकलौते लड़के की, भगवान जाने क्या हालत कर देंगे। मिस्टर जेम्स, मेरा एक बेटा है...।'

'प्रोफेसर, हम लोग इन्सान हैं, साम्यवादियों की तरह शैतान नहीं।' जेम्स सहानुभूतिपूर्ण स्वर से बोला- हम आपके बेटे व्रीयन के

बारे में सब कुछ जानते हैं। कल व्रीयन पोजनान में था। आज शाम को वह स्टेट्टिन में होगा और कल सुबह तक वह स्वीडन पहुंच जायेगा। मैं एक रेडियो प्रसार द्वारा आपके बेटे के सुरक्षित स्वीडन पहुंच जाने की सूचना की पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। उसके बाद मगर आप चाहें तो मैं आपको इंगलैंड वापिस ले जा सकता हूँ-केवल चौबीस घन्टे के भीतर ।'

'यह असम्भव है।' प्रोफेसर अविश्वासपूर्ण स्वर से बोला-'मै कैसे मान लूं कि मेरा बेटा...।'

'प्रोफेसर! जेम्स बोला-'मैं सिद्ध कुछ भी नहीं कर सकता, लेकिन आप खुद सोचिये कि क्या मैं ऐसी मूर्खतापूर्ण हरकत करंगा कि मैं आपके बेटे को यहीं छोड़ जाऊं और आपको झूठी दिलासा देकर वपिस इंगलैंड ले जाऊँ? ऐसी हालत में इंगलैंड पहुंच कर क्या आप इंगलैंड के लिए कोई काम करेंगे? मैं आपको विशवास दिलाता हूँ, इंगलैंड सरकार ऐसा कभी नहीं चाहेगी। उन्हें आपकी ऊंची प्रतिभा की रिसर्च वर्क में बहुत जरूरत है।'

जेम्स की झूठी-सच्ची बातों का प्रभाव प्रोफेसर पर फौरन ही दिखाई देने लगा। उसके चेहरे से दुःख, चिन्ता और भय के भाव लुप्त होने लगे और उनका स्थान विश्वास और जीवन की एक नई चमक ने ले लिया।

अगले पांच मिनटों में जेम्स प्रोफेसर को इतना अधिक प्रभावित कर चुका था और उसके मन में अपनी मरती हुई बीवी को अन्तिम बार देख लेने की इच्छा को इतना अधिक उभार चुका था कि प्रोफेसर उसी क्षण जेम्स के साथ चलने के लिए तैयार हो गया।

जेम्स ने उसे समझाया कि फौरन हंगरी से निकल भागना सम्भव नहीं हैं क्योंकि अभी उसे निकालने की स्कीम बनानी होगी। साधन उपलब्ध करने होंगे। और फिर यह भी जरूरी था कि व्रीयन के सुरक्षित स्वीडन पहुंच जाने की रेडियो ट्रांसमिशन द्वारा पुष्टि हो जाए।

जेम्स ने प्रोफेसर को सिरोव के घर का पता बता दिया और कहा कि वह केवल एमरजेन्सी में ही वहाँ जाने की बात सोचे क्योंकि उस घर की पुलिस द्वारा निगरानी हो रही है।

अन्त में उसने प्रोफेसर को समझाया कि अगले कुछ दिनों में आज की घटना के प्रभाव में आकर वह अपने व्यवहार में रंच-मात्र भी अन्तर न आने दे वर्ना साम्यवादियों को सन्देह हो जायेगा और

फिर प्रोफेसर पर इतना तगड़ा पहरा लग जायेगा कि उसका निकल भागना असम्भव हो जाएगा।

प्रोफेसर को आखिरी बार दिलासा देकर जेम्स वहाँ से विदा हो गया।

इस बार उसने फायर ऐस्केप के रास्ते से बाहर जाने का प्रयत्न नहीं किया। उसने प्रोफेसर के बिस्तर से तीन चादरें उठाकर एक-दूसरे के साथ बांधी और उन्हें खिडकी से बाहर लटकाकर उनके सहारे नीचे उतर गया।

प्रोफेसर ने चादरों की रस्सी वापिस खींच ली।

अगले ही क्षण जेम्स ठण्डी बर्फीली रात के अन्धकार में विलीन हो गया।

जेम्स व्हाइट-एंजल कैफे पहुंच गया।

व्हाइट-एंजल कैफे डेन्यूब नदी के पेस्ट की ओर वाले किनारे पर सेन्ट मार्गिट आइलैंड के सामने स्थित था।

जेम्स ने अपने ट्रैच कोट के कालर ऊपर चढ़ाये, हैड के अगले सिरे को जरा और नीचे झुकाया और कैफे के बर्फ से धुन्धले पड़े शीशे के द्वार को धकेलकर भीतर घुस गया ।

कहीं दूर बजने वाले घड़ियाल की आवाज ने आठ बजने की घोपणा की।

कैफे के द्वार के भीतर और बाहर के जीवन में जमीन और आसमान का अन्तर था। कैफे के बाहर एक कदम रखते ही इन्सान बुडापेस्ट की बर्फ से ढकी सुनसान गलियों की ठण्डक, सन्नाटे और तन्हाई में पहुंच जाता था जबकि कैफे के भीतर जिन्दगी थी, ऊष्णता 'थी, जोश था, खनकते हुए ठहाके थे और या एक गहरी लापरवाही का वातावरण। ऐसा लगता था जैसे भीतर के लोग बाहर की साम्यवादियों के चंगुल में फन्सी जिंदगी को भूल जाना चाहते थे, झुठला देना चाहते थे।

जेम्स हैरानी से रित्रयों और पुरुपों से ठसाठस भरे कैफे में दृष्टि फिराता रहा। उसे यूं लगा जैसे वह लम्बा रेगिस्तान पार करने के बाद एकदम किसी लहराती झील के किनारे पहुंच गया हो।

लेकिन फौरन ही जेम्स के दिमाग से हैरानी का भाव उड़ गया।

शायद इस प्रकार के स्थानों को बढ़ावा देना भी साम्यवादियों की चाल थी। बजाय इसके कि साम्यवादी पुलिस रूल के नीचे जीने बाले लोग किन्हीं ऐसे तन्हा स्थानों पर इकट्ठे हों जहां पुलिस की पहुंच न हो, उन लोगों को कैफे जैसे स्थानों पर इकट्ठे होने का इन्तजाम कर देना ज्यादा अच्छा था। वहाँ उनके मन में एक गलत प्रकार की सुरक्षा की भावना पनपती रहे और कैफे के विश्वसनीय वेटरों की सहायता से सीकेट पुलिस को यह मालूम होता रहे कि कौन-सा व्यक्ति कितना खतरनाक है और किस प्रकार के विचार रखता है। कई बार ऐसा होता है कि किसी व्यक्ति विशेष को सीक्रेट पुलिस के आदमी एकाएक ही उसे घर से पकड़कर ऐन्ड्रेसी उट के टार्चर चैम्बर में ले जाते हैं और वह आदमी हरगिज नहीं समझ पाता कि आखिर पुलिस को उसके बारे में जानकारी कैसे हुई जबकि वह कई दिन पहले कैफे के किसी कोने की प्रत्यक्षतः विश्वसनीय तन्हाई को एकदम भूल चुका होता है, जहाँ उसने शराब के दो तीन पैग पी चुकने के बाद कम्यूनिस्ट रूल के बारे में कुछ अप्रिय बातें कही थीं और जो किसी इनाम के लालची वेटर के माध्यम से सीक्रेट पुलिस के हैडक्वार्टर में पहुंच गई थी।

जेम्स ने एक सिगरेट सुलगाया और हाल में प्रवेश कर गया। मुख्य द्वार के समीप की दो-तीन मेजें रूसी फौजियों से भरी हुई थीं।

फौजी दीन दुनिया से बेखबर अट्टहास कर रहे थे और अपने शराब के गिलासों को मेज पर बजा बजाकर उस ताल पर उच्च स्वर में गा रहे थे। शायद इसीलिए मुलाकात के लिए जूलिया ने वह कैफे चुना था। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस रूसी फौजियों के मनोरंजन घर में किसी विदेशी जासूस की मौजूदगी के बारे में तो सोचेगी भी नहीं।

जेम्स लापरवाही से चलता हुआ कैफे के पिछले भाग में पहुंचा।

वहाँ एक मेज पर जूलिया अकेली बैठी थी। वह वैसे ही कपड़े पहने हुए थी जैसे मैनेजर ने बयान किये थे।

उसके आस-पास की हर मेज पर दो-दो तीन-तीन आदमी बैठे हुए थे।

जेम्स की एक क्षण के लिए जूलिया से दृष्टि मिली और फिर जूलिया ने दृष्टि फिरा ली।

जेम्स जूलिया की मेज के समीप पहुंचा और एक दो क्षण वहाँ खड़ा-खड़ा हिचकिचाने का अभिनय करता रहा और फिर जूलिया

की ओर आकृष्ट होकर जेम्स नम्र स्वर से बोला-'अगर आप इजाजत दें तो मैं इसी मेज पर बैठ जाऊं?'

जूलिया ने बड़े निलिप्त भाव से उसकी ओर देखा और स्वीकृति-सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

जेम्स धन्यवाद के कुछ शब्द बुदबुदाता हुआ जूलिया के सामने बैठ गया।

जूलिया ने उससे बात करना तो दूर, उसकी ओर दुबारा दृष्टिपात करने का भी उपक्रम नहीं किया।

'गड़बड है!' जेम्स होठों ही होठों में बुदबुदाया।

'मेरा पीछा किया जा रहा है।' जूलिया भावहीन स्वर से बोली-'उसका चेहरा सलेट की तरह साफ था। जेम्स को उसके होंठ भी हिलते हुए दिखाई नहीं दिए।'

'वह यहाँ है?'

उसका चेहरा स्वीकृतिसूचक ढंग से एक मिलीमीटर से अधिक नहीं हिला।

'कहाँ?'

'द्वार के समीप, रूसी फौजियों की बगल की मेज पर ।' जेम्स ने घूमकर देखने का उपक्रम नहीं किया।

'कैसा है?' उसने पूछा।

'मंझोला कद, पतला चेहरा, बारीकी से तराशी हुई मूछें और भूरा रेन कोट ।'

'हमें उससे फौरन पीछा छुड़ाना चाहिए। बाहर चलो। पहले तुम, मैं तुम्हारे पीछे आऊंगा।' जेम्स ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर जूलिया की बांह थाम ली और उसे दबाता हुआ उसकी ओर झुककर बोला- 'मान लो मैं तुम पर बुरी नजर रखता हूँ और अभी मैंने तुम्हारे सामने एक बड़ा गन्दा प्रस्ताव रखा है। ऐसी स्थिति में तुम्हारी क्या प्रतिक्रिया होगी?'

'यह!' जूलिया बोली और उस शब्द के साथ ही उसका स्वतन्त्र हाथ हवा में घूमा और एक झन्नाटेदार थप्पड़ की सूरत में भड़ाक से जेम्स के गाल से टकराया। थप्पड़ की आवाज यूं हाल में गूंजी जैसे बम फुट गया हो। एक क्षण के लिए हाल में एकदम सलाट छा गया और हाल में मौजूद हर प्राणी की गरदन केन की तरह जूलिया और जेम्स की दिशा में घूम गई।

जूलिया एक आग्नेय दृष्टि जेम्स पर डालकर एक झटके से

अपने स्थान से उठी और फिर तमतमाती हुई लम्बे डग भरती बिना अपने दायें या बायें देखे मुख्य द्वार की ओर बढ़ गई।

अगले ही क्षण हाल में बैठे हर आदमी की समझ में आ गया कि वास्तव में क्या हुआ है और फिर सारा हाल अट्टहासों से गूंज उठा।

हर कोई जेम्स पर हंस रहा था।

जेम्स जानता था कि हर निगाह उस पर टिकी हुई है और उसका मजाक उड़ा रही है। वह अपने चेहरे पर गहन अपमान, पराजय और पराजय से उत्पला होने वाले कौंध के भावों का संफल प्रदर्शन करता हुआ अपने बायें हाथ से अपना गाल सहलाने लगा जहाँ जूलिया की पांचों उंगलियों के निशान उक्छल आये थे।

फिर वह भी क्रोध से भरा हुआ अपने स्थान से उठा और यूं मुख्य द्वार की ओर बढ़ा जैसे उसने सबके सामने उसका अपमान करने वाली लड़की से बदला लेने की ठान ली हो। उसे द्वार की ओर आता देखकर एक मीटा-सा रूसी फौजी अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। जेम्स के समीप पहुंचने पर फौजी ने जेम्स की पीठ पर एक इतनी जोर की थप्पड़ लगाई कि जेम्स लड़खड़ाता हुआ काउन्टर से जा टकराया और फिर वह फौजी बड़े अश्लील भाव से जेम्स से कुछ बोला और फिर हो हो करके हंसता हुआ यूँ धम्म से अपनी कुर्सी पर बैठ गया जैसे उसने भारी मजाक की बात कर दी हो।

फौजी के साथी भी उसी की तरह ठठाकर हंसने लगे।

लक्ष्य पूर्ववत् जेम्स ही था।

जेम्स सम्हला। उसने एक कहर भरी दृष्टि उन सिपाहियों पर डाली और इससे पहले कि सभी फौजी उसके साथ कोई दूसरा गन्दा मजाक कर पाते, वह लम्बे डग भरता हुआ कैफे से बाहर निकल गया ।

जूलिया का पीछा करने वाला भूरे रेन कोट वाला आदमी जेम्स से पहले ही कैफे से बाहर जा चुका था।

बाहर बर्फ पहले से बहुत कम गिर रही थी।

जूलिया तेजी से चलती हुई एक ओर जा रही थी। भूरे रेन कोट वाला उसके पीछे-पीछे चल रहा था।

जेम्स भी उनके पीछे हो लिया।

जूलिया कई रास्तों से होती हुई एक बाजार में पहुंच गई।

बाजार की सारी दुकानें बन्द थीं। वह फुटपाथ के किनारे पर बने ट्राम स्टैंड के सायवान में रुक गई।

भूरे कोट वाला चुपचाप सायबान के पीछे बनी एक राहदारी की ओर चल दिया लेकिन जेम्स सीधा चलता हुआ ट्राम स्टैंड के सायबान में आ गया।

'वह सायबान के पीछे की राहदारी में है।' जेम्स दबे स्वर से बोला ।

'सावधान रहना!' जूलिया बोली- 'मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि वह सीक्रेट पुलिस का आदमी है।'

'उसे मैं भुगत लूंगा।'

'कैसे भुगतोगे?'

'बताता हूँ, पहले तुम बात बताओ ।'

'क्या?'

'अगर मैं यहाँ तुम्हारे साथ बलात्कार करने का प्रयत्न करूं तो तुम क्या करोगी?'

'मैं तुम्हारा मुंह नोंच लूंगी, तुम्हें जान से मार डालूंगी।' जुलिया सहज स्वर से बोली।

'तो फिर शुरु हो जाओ।'

'क्या?' जूलिया चौक पड़ी लेकिन फिर शीघ्र ही बात उसकी समझ में आ गई। उसने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया।

'और चिल्लाना नहीं।' जेम्स बोला- 'नहीं तो भूरे रेन कोट वाले के अतिरिक्त और लोग भी यहाँ इकट्ठे हो जायेंगे।'

'अच्छा!'

जेम्स ने अपने दोनों हाथों से उसकी बाहें जकड़ ली और उसे अपनी ओर घसीटा। पहले तो जूलिया खिंचती ही चली आई लेकिन फौरन ही उसे याद आया कि उसने तो स्त्रीत्व-रक्षा का अभिनय करना है। वह पूरी शक्ति से जेम्स के बन्धन से छूटने का प्रयत्न करने लगी।

पीछे राहदारी में खड़ा भूरे कोट वाला जेम्स की चाल में फंस गया। उसने जेम्स और जूलिया को एक-दूसरे से उलझते हुए लड़खड़ाते हुए सायबान से बाहर निकलते देखा, लड़की बुरी तरह आदमी के बन्धन में छटपटा रही थी लेकिन छूट नहीं पा रही थी।

वह बिना हिचके राहदारी से निकल कर उन दोनों की ओर लपका। उसने अपनी भारी पुलिस रिवाल्वर को नाल की ओर से

पकड़ कर प्रहार करने की स्थिति में सिर से ऊपर थाम रखा था।

समीप आकर उसने अपना रिवाल्वर वाला हाथ जेम्स की खोपड़ी की ओर घुमाया ।

लेकिन जेम्स तो उसके लिए तैयार था। उसने जूलिया को छोड दिया। उसकी बाई कोहनी भड़ांक से भूरे रेन कोट वाले के पेट से टकराई और साथ ही दायां हाथ कैरेट चाप की सूरत में उसकी गदरन के सबसे कोमल भाग से बज्र की तरह टकराया।

भूरे रेन कोट वाला बिना मुंह से एक आवाज निकाले भूसे के बोरे की तरह जमीन पर गिर गया।

जेम्स ने उसकी रिवाल्वर उठाकर अपनी जेब में डाल ली और. फिर उसे ट्राम स्टेण्ड और दुकानों के बीच में से गुजरते हुए एक नाले में धकेल दिया।

उसने जूलिया की बांह थामी और दोनों बाजार के दूसरे सिरे की ओर चल दिये।

सड़क के किनारे पर बने वाचमैन बाक्स के अन्धेरे में पहुंचे उन्हें पांच मिनट हो चुके थे लेकिन जूलिया अभी भी कांप रही थी।

जेम्स ने एक बार उसके कन्धे पर हाथ रखकर उसे शान्त करने का प्रयत्न किया था लेकिन जूलिया ने उसको हाथ फौरन झटक दिया था।

'तुम अभी तक इतना काँप क्यों रही हो?' जेम्स ने पूछा- 'तुम्हें डर लग रहा है या ठंड लग रही है?'

'दोनों ।'

'अब किसका डर है तुम्हें?'

'तुम्हारा।'

'मेरा?' जेम्स हैरानी से बोला।

'हाँ, तुम मुझे इन्सान नहीं मालूम होते। मुझे निर्दयी और अमानवीय प्रवृत्तियों वाले व्यक्तियों से बहुत डर लगता है। क्या तुम्हें दूसरे व्यक्तियों पर दया नहीं आती?'

'आती है!' जेम्स भावहीन स्वर से बोला 'लेकिन मुझे किसी ऐसे व्यक्ति पर दया दिखाने का अधिकार नहीं है। जिस मशीन का मैं पुर्जा हैं, वहाँ केंवल एक ही अहम बात सिखाई जाती है और वह है काम, काम होना चाहिए। किसी न किसी प्रकार आपरेशन में

सफलता प्राप्त होनी चाहिए। सफलता की आर बढ़ते समय अगर कोई निर्दोप आदमी मर जाता है या खुद मेरे हाथों किसी मेरे अपने ही प्रियजन का अहित हो जाता है तो मुझे उसकी चिन्ता नहीं करनी चाहिए।

'और शायद इसीलिए तुम एक आदमी को होटल के बाथरूम के क्लोजेट में हाथ-मुंह बाँध कर दम घुटने के लिए छोड़ आये। सम्भव है अभी तक उसका दम घुट भी गया हो और अब एक दूसरे आदमी को सब-जीरो टेम्प्रेचर में मरने के लिए नाले में फेंक आये हो। इस ठंडक में वह बीस मिनट से अधिक जीवित नहीं रह सकेगा और तुम...।'

'मैं चाहता तो दोनों आदमियों को गोली भी मार सकता था?' जेम्स बोला।

'नतीजा तो अब भी वही निकलना है।'

'लेकिन फिर भी उसके बच जाने की सम्भावना है। और फिर तुम यह क्यों नहीं सोचतीं कि भूरे कोट वाला भी मुझे इसी स्थिति में पहुंचाने के लिए मुझ पर झपटा था। अगर मेरी जगह वह सफल हो जाता तो जहाँ इस समय वह पड़ा है, वहाँ में पड़ा होता। तुम्हारे शब्दों में क्या वह मुझे सब-जीरो-टैम्प्रेचर में जमने के लिए नहीं छोड जाता?'

'और तुम उस बेचारे, बूढे, अपने ही देशवासी प्रोफेसर पर भी जुल्म करने से बाज नहीं आये। जूलिया उसकी बात अनसुनी करती हुई बोली-'तुम उसे विश्वास दिला आये कि उसकी बीवी मर रही है ताकि वह तुम्हारे साथ वापिस चलने को फौरन तैयार हो जाये।'

'मेरे मिशन की सफलता के लिए वह जरूरी था!' जेम्स भावहीन स्वर से बोला ।

'और जब प्रोफेसर को यह पता लगेगा कि तुमने अपने स्वार्थ की खातिर झूठ बोला था तो...।'

'तो कुछ भी नहीं होगा। मेरा काम, काम करना है। कृत्यों की सफाई देना नहीं। वह काम मेरे अफसरों का है। और फिर यह बहुत छोटी बातें हैं। प्रोफेसर समझदार है, हमारी मजबूरियां समझ सकता है।'

'तुम एक संवेदनशील दिल रखने वाले इन्सान नहीं हो, एक मशीन हो एक....

'चुप!' जेम्स एकदस बोला ।

'क्या.....?'

जूलिया के मुख से एक ही शब्द निकला था कि जेम्स ने उसके मुंह पर हाथ रख दिया। जूलिया पहले तो स्वयं को जेम्स की पकड़ से छुड़ाने का प्रयत्न करने लगी और फिर फौरन ही शान्त हो गई। उसने भी सख्त बफ पर पड़ने वाले कदमों की आवाज सुन ली थी।

दोनों एकदम नीचे बैठ गए और सांस रोके कदमों की आहट सुनते रहे।

थोड़ी देर बाद तीन सिपाही लापरवाही से चलते हुए उनके सामने से गुजर गए।

जब तक उनके कदमों की आहट दूर होती हुई एकदम गायब नहीं हो गई, दोनों के शरीरों में जरा-सी भी हरकत नहीं हुई।

'जूलिया!' जेम्स बोला-'तुम तो कहती थीं कि मार्गिट आइलैंड का यह भाग हमेशा उजाड रहता है और सर्दियों के मौसम में इधर कोई भी नहीं आता ।'

'हमेशा ऐसा ही होता था।' जूलिया ने बताया- 'पुलिस के आदमी राउन्ड लगाते हैं, यह तो मुझे मालूम था लेकिन वे लोग इधर भी 'आते हैं, यह मैं नहीं जानती थी। लेकिन एक

बार इधर से गुजर जाने के बाद वे लोग एक घन्टे तक वापिस नहीं लौटेंगे। यह इलाका काफी बड़ा है। राउन्ड लगाने में काफी समय लगता है।'

यह जूलिया की ही राय थी कि एकान्त में बात-चीत करने के लिए वे मार्गिट आइलैंड पर बलें। व्हाइट एन्जल में जाना ठीक नहीं था और. उस इलाके में और कोई कैफे नहीं था। उसने बताया था कि मार्गिट आइलैंड के कुछ भागों में प्रवेश निषेध था और रात को वहाँ पर कफ्यूं आर्डर भी लागू होता था। लेकिन क्योंकि उस इलाके में कंट्रोल करने वाले सिपाही सिविल पुलिस के थे न कि सीक्रेट पुलिस के इसलिए कोई कर्फ्यू को गम्भीरता से नहीं लेता था। हंगरी में सीक्रेट पुलिस और साधारण पुलिस में जनता और दूध पनीर जैसा अन्तर महसूस करती थी।

इसलिए और कोई स्थान न होने के कारण जेम्स ने मार्गिट आइलैंड में आना स्वीकार कर लिया था और अब वे दोनों सड़क के किनारे बनी वाचमैन हट में छुपे बैठे थे।

वहाँ जूलिया ने उसे उसकी अनुपस्थिति में सिरोव के घर में होने वाली घटनाओं के विषय में बताया था। दो आदमी, जो सिरोव

के घर में निगरानी कर रहे थे, एक गलती कर बैठे थे। और वही शायद उसकी जिन्दगी की आखिरी गलती थी। वे दोनों आदमी जरा ज्यादा हौसला दिखाने के मूड में आ गए थे और गैरेज के सामने के फुटपाथ पर चलने के स्थान परं गैरेज वाली साइड के ही फुटपाथ पर चलने लगे थे। और ऐसी ही एक बार गैरेज का द्वार खुत्मा देखकर वे गैरेंज के भीतर झांकने का लोभ संवरण नहीं कर सके। सैण्डर द्वार के पीछे छुपा उनके ऐसे ही किसी एक्शन की प्रतीक्षा कर रहा था। सैण्डर ने दोनों आदमियों की खोपड़ियां

पकड़ कर जरूरत से ज्यादा जोर से एक दूसरे से टकरा दी थीं। अब वे वहीं एक कमरे में कैद थे और अभी तक यह मालूम नहीं हो पाया था कि वे इनाम के लालच में रहस्य सूघते फिरने वाले साधारण लोग हैं या हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के आदमी है।

जूलिया ने बताया कि अब जेम्स के लिए सिरोव के घर में आने में कोई खतरा नहीं था। सिरोव ने कहा था कि वह प्रोफेसर को हंगरी से निकालने की स्कीम डिस्कस करने के लिए आ जाए लेकिन किसी भी हाल में आधी रात से पहले नहीं।

'एक बात बताओ?'

जेम्स ने पूछा।

'पूछो।

'इमर तुम्हारा भाई है?'

जूलिया कई क्षण चुप रही और फिर बोली- 'तुम्हारा क्या ख्याल है?'

'मेरे ख्याल से तो तुम दोनों भाई बहन ही हो, तुमे दोनों की सूरतें एकदम मिलती हैं। सूरतों में ऐसी समानता केवल भाई बहनों में ही हो सकती है।'

'इमर मेरा भाई है,' जूलिया बोली।

'और तुम कौन हो?'

'यह क्या सवाल हुआ?'

'मेरा मतलब है तुम दोनों भाई बहन सिरोव के साथ क्यों रहते हो?'

"क्योंकि हमारा अपना कोई घर नहीं है। सिरोव पार्टी का लीडर है और हम दोनों भाई बहन सिरोव के संरक्षण में स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं।'

'तुम्हारे माँ बाप... ।'

'माँ नहीं है और बाप

....।'

89

उसी क्षण जेम्स की दृष्टि फिर सड़क की ओर उठ गई। उसने अपनी बांह जूलिया की गरदन के गिर्द लपेट कर उसे अपने समीप खींच लिया और एकदम उसके कान के पास अपना मुंह ले जाकर फुसफुसाया-'वे लोग फिर आ रहे हैं।'

जूलिया का शरीर एकदम स्थिर हो गया।

वही तीनों सिपाही लौट रहे थे और इसबार उनका सीधे सड़क पर से गुजर जाने का कोई इरादा मालूम नहीं होता था। वे तीनों बातें करते हुए उसी ओर आ रहे थे, जहां वे दोनों छुपे हुए थे। केवल एक क्षण के लिए जेम्स सतर्क हो गया था और उसका परिणाम यह निकला था कि उसे उन सिपाहियों के उस ओर आगमन का आभास तभी हुआ था जब एकदम उसके सिर पर पहुंच गए थे।

जूलिया का ख्याल फिर गलत निकला था। एक घन्टे बाद लौटने के स्थान पर वे लगभग फौरन ही वापिस लौट आये थे और इस बार उनसे बच पाना असम्भव था। सिपाहियों के हट की ओर बढ़ने से मालूम होता था कि उन्हें हट में किसी की मौजूद का आभास हो गया था।

जेम्स तनिक भी नहीं हिचकिचाया, न ही उसने एक क्षण का अंश मात्र भी बरबाद किया। उसने अपना दूसरा हाथ जूलिया की कमर से लपेट दिया और उसे एकदस पीछे को झुका कर उसके होंठों का चुम्बन लेने लगा। पहले तो जूलिया ने उसे एकदम पीछे धकेल कर अपना मुंह फिराने का प्रयत्न किया। फिर एकदम उसने अपना शरीर ढीला छोड़ दिया।

वह समझ गई कि जेम्स क्या चाहता है?

जूलिया की भुजायें भी उठीं और जेम्स की गरदन से लिपट गई।

दस सैकेंड इसी स्थिति में गुजर गये।

जेम्स ने या जूलिया ने सिर उठाकर देखने का प्रयत्न नहीं किया लेकिन दोनों ही जानते थे कि तीनों सिपाही एकदम उसके सिर पर आ खड़े हुए थे लेकिन अभी तक उन्होंने अपनी मौजूदगी को जेम्स और जूलिया की जानकारी में लाने की जरूरत नहीं समझी थी।

इतना ही समय और गुजर गया।

जेम्स और जूलिया के शरीर एक दूसरे के बन्धन में जकड़े हुए थे और उनके नेत्र बन्द थे। एसी आपत्ति की स्थिति में भी जेम्स

एक स्वर्गिक आनन्द की अनुभूति कर रहा था।

एक तेज टार्च का प्रकाश उन दोनों पर पड़ा और फिर एक मोटी आवाजे सुना दी-'बाई गाड, स्टेफन, दुनिया कुछ भी कहे, मुझे तो नई पौध की हरकतों में कुछ बुरा नहीं दिखाई देता। बाबा, कितने हौसलामन्द लोग हैं यह। टैम्प्रेचर जीरो से भी बीस डिग्री नीचे है और यह लोग बर्फ के ढेर में एक दूसरे से लिपटे हुए यूँ पड़ें हैं जैसे वे गर्मियों के मौसम में बालाटस के समुद्री किनारे पर गर्म रेत में पड़े हों।

जेम्स ने लड़खड़ाते हुए उठ कर अपने कदमों पर खड़े होने का प्रयत्न किया लेकिन टार्च के प्रकाश के पीछे से एक भद्दे हाथ ने आगे आकर उसे फिर अपनी पहले जैसी स्थिति में धकेल दिया।

'क्या कर रहे हो तुम लोग यहाँ?' मोटी आवाज वाला फिर बोला-'क्या तुम्हें मालूम नहीं, रात के समय इस इलाके में आना मना है?'

'मुझे मालूम है!' जेम्स ने दबे स्वर से स्वीकार किया। उसके स्वर में भय और उलझन का शानदार सम्मिश्रण था-'मैं माफी चाहता हूँ, यहां के अलावा और कोई सुरक्षित जगह नहीं सूझी थी हमें।'

'नानसैस!' वही आवाज फिर बोली- 'बरखुर्दार जब, मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैं अपनी छोकरी को व्हाइट-एन्जल के पर्देदार केबिन में ले जाया करता था। व्हाइट-एन्जल कैफे तो यहाँ से दूर, भी नहीं है।'

जेम्स ने शान्ति की सांस ली थी, इस आदमी से डरना बेकार था। वह बोला-'हम व्हाइट-एन्जल में गए थे...।'

'अपने कागजात दिखाओ,' एक ठण्डी कठोर और कमीनी आवाज जेम्स के कानों में पड़ी-'हैं तुम्हारे पास?'

'जी हाँ, है!' जेम्स बोला-'दूसरी आवाज उसको फिर खतरे का आभास दे रही थी उसका हाथ कोट की भीतरी जेब की ओर बढ़ा। उस जेब में उसके कागजात नहीं, साइलेंसर लगी रिवाल्वर रखी थी।'

तभी मोटी आवाज वाला पुलिस मैंने बोल पड़ा- 'बचपना मत करो, स्टेफन। जासूसी उपन्यास पढ़-पढ़ कर लगता है, तुम्हारा दिमाग खराब होता जा रहा है। तुम्हारा क्या ख्याल है कि यह छोकरा कोई वैस्टर्न स्पाई हैं जो यह जानने की कोशिश कर रहा है

किः बुडापेस्ट की छोकरियां ऐसे मामलों में विदेशियों को कितना सहयोग देती हैं।

वह हो हो करके इतनी जोर से हंसा कि उसका सारा शरीर हिल गया। अपनी हास्यप्रद बात से आप ही खुश होकर उसने अपना दायां हाथ जोर से अपनी जांघ पर मारा और फिर बोला-'और फिर इसका तो हंगेरियन बोलने का ढंग ही यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है कि यह सौ फीसदी बुडापेस्ट का निवासी है... तुमने कहा था तुम व्हाइट-एन्जल भी गए थे।' वह एकाएक गम्भीर स्वर से बोला- 'तुम दोनों बाहर निकलो यहाँ से।'

'दोनों उठ खड़े हुए और वाचमान हट से बाहर आ गए।'

टार्च का तीव्र प्रकाश जेम्स के चेहरे पर पड़ा। उसकी आँखें चौधियां गई और फिर प्रकाश न सह सकने के कारण स्वयं ही बन्द हो गई।

'यह तो वही आदमी है!' पुलिस मैन बोला- 'इसी की बात तो किसी ने सुनाई थी हमें। व्हाइट एन्जल में इसी ने तो एक छोकरी से. झलाटेदार थप्पड़ खाया था। अभी तक इसके गाल पर छोकरी की पांचों उंगलियों के निशान चमक रहे हैं। एक बार व्हाइट-एन्जल में सबके सामने बेइज्जती करवा आने के बाद यह वहाँ वापिस थोड़ा ही जाएगा। यह भी कमाल है कि उस थप्पड़ से इसका जबड़ा नहीं हिल गया।'

फिर टार्च का प्रकाश जेम्स के चेहरे से हट कर जूलिया के चेहरे पर पड़ा।

'छोकरी भी तो एकदम हाई क्लास है।' पुलिसमैन बोला-'हाथ पांव तो इसके बाक्सरों जैसे खुले हैं। दो चार बच्चे पैदा कर चुकने के बाद तो यह डबल रोटी की तरह फूल जाएगी- मेरी बीवी की तरह।'

एक बार पुलिसमैन की मुक्त हंसी से वातावरण गूंज उठा।

जी भर हंस चुकने के बाद वह बोला-'चलो, फूटो यहाँ से। अगली बार जब इश्क सताये तो यहाँ मत आना वर्ना एन्ड्रेसी उट में पहुंचा दिये जाओगे।'

दोनों ने सिपाहियों को धन्यवाद दिया और फिर वहां से यूँ भागे जैसे भूत देख लिया हो।

मोटी. आवाज वाला पुलिसमैन उन्हें जाता देखता रहा। उसके चेहरे पर बड़े मीठे भाव उभर रहे थे। शायद उसे अपना बचपन याद आ रहा था।

92

पांच मिनट बाद जेम्स और जूलिया डेन्यूब नदी के पुल पर खड़े थे। बर्फ गिरने लगी थी। जेम्स ने अपनी रेडियस डायल वाली घड़ी पर दृष्टि डाली और बोला- 'नौ बजे हैं।'

जूलिया चुप रही।

'मैं बारह बजे आऊंगा।'

'ठीक है। बीच के तीन घन्टों में मुझे सिरोव और मेजर को तुम्हारी हरकतों की पूरी डिटेल सुनाने का अच्छा मौका मिल जायेगा।'

'कैसी हरकतें?'

जैसे, कैसे मेरे एक ही तमाचे से महान जासूस जेम्स 077 का जबड़ा टूटते-टूटते रह गया और बर्फीली जमीन पर अपने बन्धन में दबोचे, बिना दुबारा सांस लिए पूरे एक मिनट तक किस करता रहा।

'तीन सैकेंड?' जेम्स ने विरोध किया।

'कम से कम डेढ़ मिनट ।'

'तुम यह बातें बताओगी उन्हें?'

'क्यों नहीं बताऊंगी? आखिर उन्हें पता तो लगे कि जिस आदमी की मदद करने के लिए वे अपनी जान खतरे में डाल रहे हैं उसका नैतिक चरित्र कैसा है?'

'लेकिन वह तो मजबूरी थी।'

'मजबूरी थी। लेकिन उस मजबूरी में भी तुम मुझे असली किस कर रहे थे, कोई एक्टिंग नहीं कर रहे थे।'

'तुमने भी तो मुझे असली थप्पड़ मारा था।'

'वह बात और थी।'

'यह बात भी तो वैसी ही थी।'

'नहीं,' जूलिया ने जिद की- 'इस बार तुम्हारी नीयत खराब थी।'

'आल राइट, मैं तुम्हारी दया पर हूँ, जो जी में आये कह देना।' जेम्स मुस्कुराता हुआ बोला 'लेकिन साथ ही उन्हें यह भी बताना मत भूलना कि दो-चार बच्चे पैदा कर चुकने के बाद तुम कैसी लगोगी?'

'नहीं, भूलूंगी!' जूलिया गम्भीर स्वर से बोली लेकिन जेम्स ने देखा, उसके नेत्र शरारत से चमक रहे थे-'जो कुछ हम लोग कर चुके हैं, उसके मुकाबले में तो यह 'हल्लो' की भी हैसियत नहीं रखता है।' वह अपने होठों को जेम्स के दायें गाल के सम्पर्क में

लाती हुई बोली ।

अगले ही क्षण वह तेज कदमों से चलती हुई अन्धकार में विलीन हो गई।

पूरे एक मिनट तक जेम्स वहीं खड़ा रहा उसकी उंगलियां धीरे-धीरे अपने उस गाल को सहला रही थीं जहाँ पहले जूलिया का थप्पड़ पड़ा था और फिर उसके गर्म-गर्म होंठ हुए

थे। फिर उसने एक गहरी सांस ली और अपने दोनों हाथों को अपने ट्रैचकोट की पूरी गहराई में ठूंसे सिर झुकाये अपने होटल की दिशा में चल दिया।

पौने दस बजे चुपचाप फायर ऐस्केप के ही रास्ते वापिस अपने कमरे में पहुंच गया। उस समय उसके पेट में चूहे कूद रहे थे। उसने सैन्ट्रल की हीटिंग का स्विच आन किया और फिर अनुभवी नेत्रों से कमरे को एक एक चीज को परखने लगा।

पूरा विश्वास हो चुकने के बाद कि उसकी अनुपस्थिति में कमरे में कोई नहीं आया था, उसने मैनेजर को फोन करके खाना लाने के लिए कहा।

मैनेजर ने बड़े चिकने चुपड़े स्वर से कहा कि वह अभी बावर्ची को जगा कर लाता हूँ। मिटर राकोसी जैसे सम्मानित अतिथि के लिए रात के किसी समय खाना तैयार करने में उसे गौरव का अनुभव होगा ।

उत्तर में जेम्स ने उसे डांट कर कहा कि यह अलंकारिक बातें अगली सुबह करे लेकिन खाना फौरन लाए।

ग्यारह बजे सोप्रोनी की एक पूरी बोतल और शानदार डिनर समाप्त कर चुकने के बाद वह सिरोव के मकान पर पहुंचने के लिए तैयार था।

उसने कमरे को फिर पहले की तरह बन्द किया और बाथरुम के रास्ते फिर फायर ऐस्केप की सीढ़ियों पर पहुंच गया।

सीढ़ियां उतरते समय उसे टेलीफोन की घन्टी बजने की आवाज सुनाई दी। वह एक क्षण के लिए ठिठका और फिर सीढ़ियां उतरने लगा। क्या पता किस कमरे में टेलीफोन की घन्टी बज रही थी?

सिरोव के घर पहुंचने के लिए अभी बड़ा समय था लेकिन रास्ता भी कम लम्बा नहीं था और फिर शायद उसे पुलिस से बचने

के लिए मुख्य रास्ते को छोड़कर किसी लम्बे और टेढ़े-मेढ़े रास्ते से जाना पड़े।

बारह बजने के तीन चार मिनट बाद वह उस गली में पहुंच गया जिसमें सिरोव का मकान था। काफी तेजी से चलते रहने के बादजूद भी उसे अपनी धमनियों में रक्त जमता हुआ महसूस हो रहा था। लेकिन वह सन्तुष्ट था कि जब से वह होटल से निकला था तब से अब तक न तो किसी ने उसका पीछा किया था और न ही किसी ने उसे देखा था।

गली सुनसान पड़ी थी गैरज का दरवाजा खुला था। गैरेज की बत्ती बुझी हुई थी।

जेम्स गली में से सीधा गैरेज के अन्धकार में प्रवेश कर गया और मजबूत कदमों से गैरेज के पिछवाड़े की ओर बढ़ा जहाँ भीला गलियारे की ओर ले जाने वाला द्वार था।

अभी वह मुश्किल से चार ही कदम आगे बढ़ा था कि एकाएक गैरेज प्रकाश से जगमगा उठा और गैरेज का शटर उसकी पीठ के पीछे बन्द हो गया।

जेम्स के पांव एकदम जैसे फर्श से जम गये। अपने दोनों हाथों को अपने कपड़ों से अलग रखते हुए उसने अपने नेत्र गैरेज के चारों ओर घुमाए ।

गैरेज के चारों कोनों में हंगेरियन सकिट पुलिस के चार आदमी खड़े थे। सबकी बगलों के नीचे एक्शन की पोजीशन में सब मीशनगन दबी हुई थी और वे एकदम चौकन्ने थे।

जेम्स की नजर उन लोगों से उचटती हुई गलियारे के द्वार के समीप खड़े एक दुबले पतले लेकिन बड़े प्रभावशाली आदमी पर पड़ी। उसके हाथ में रिवाल्वर थी और उसकी नाल जेम्स के पेट की ओर तनी हुई थी।

एक मिनटे तक स्थिति का आनन्द ले चुकने के बाद उस आदमी ने रिवाल्वर वापिस होल्स्टर में रख ली। वह जेम्स की दिशा में दो कदम आगे बढ़ा और फिर व्यंग्यपूर्ण ढंग से मुस्कराता हुआ सिर नवा कर आदरपूर्ण स्वर से बोला ।

'कमांडर जेम्स, सीक्रेट एजेन्ट जीरो सेवन सेवन ऑफ ब्रिटिश सीकेट सर्विस ! कर्नल हीव्स ऑफ हंगेरियन सीकेट पुलिस एट यूअर सर्विस, सर ।'

बिना बोले बिना हिले जेम्स गैरेज के बीच में खड़ा रहा। बिजली की रफ्तार से एक के बाद एक कई सवाल उसके मस्तिष्क में उभरे। पहले उसने स्वयं को उस शाक की स्थिति में से निकाला, फिर इस अप्रत्याशित घटना का कोई सम्भावित कारण सोचा, फिर अपने मित्रों की अनुपस्थिति के बारे में सोचा और फिर उसका द्विमाग उस क्लाइमेक्स में से निकलने की तरकीब सोचने लगा।

जेम्स का जबड़ा लटक गया, उसके चेहरे पर भय नाचने लगा और आँखें फैलने लगीं।

'कमांडर जेम्स! सीक्रेट एजेन्ट!' वह फट्टी-फटी आँखों से कर्नल हीव्स को देखता हुआ हंगेरियन में बोला- 'जीरो सेवन सेवनः मैं कुछ समझा नहीं, कामरेड !... बात क्या है? यह बन्दूकें क्यों तनी है मुझ पर .... मैं कसम खाता हूँ, मैने कुछ नहीं किया है। कामरेड, मैंने कुछ भी नहीं किया है। मैं कसम खाता हूँ।'

वह अपने दोनों हाथ छाती पर बांधे हुए था और वह एक बेहद डरपोक आदमी की तरह कांप रहा था और आतंकित दिखाई दे रहा था।

जेम्स के सामने की दिशाओं में खड़े दो सिपाहियों ने उलझनपूर्ण नेत्रों से एक दूसरे को देखा। प्रत्यक्ष था जेम्स के अभिनय का उन पर अच्छा प्रभाव पड़ा था लेकिन कर्नल हीब्स के नेत्रों मे सन्देह की छाया भी दिखाई दी।

'बहुत शानदार एक्टिंग कर रहे हो, मिस्टर जेम्स!' कर्नल हीव्स विनोदपूर्ण स्वर में बोला- 'तुम्हें तो हालीवुड में होना चाहिए था। मेरे आदमी तो पहले ही तुम्हारे अभिनय से प्रभावित दिखाई दे। रहे हैं और अगर मुझे तुम्हारी वास्तविकता की शत प्रतिशत जानकारी न होती तो शायद मैं भी धोखा खा जाता। हम इसे अपने लिए गौरव का विषय समझते हैं कि विटिश एस्पियानेज सर्विस अपने योग्यतम आदमी ही हमारे पास भेजती है। प्रोफेसर हैरोल्ड जेनिंग्स की वापसी के मामले में हमें भी आप जैसे ही सुपर एजेन्ट के आगमन की आशा थी ।'

जेम्स मन ही मन परेशान हो उठा। कर्नल हीव्स न केवल उसकी वास्तविकता जानता था बल्कि यह भी जानता था कि वह. हंगरी में क्या करने आया है? उसे अपना खेल खत्म होता मालूम हो रहा था। लेकिन उसके चेहरे से भय और आतंक के भाव नहीं बदले।

'उसने अपने नेत्र एक सहमे हुार जानवर की तरह अपने चारों और फिराये और फिर हिस्टीरिया के रोगी की तरह चिल्लाया 'मुझे जाने दो!' मुझे जाने दो! मैंने कुछ नहीं किया है! में निर्दोप हूँ। मैं... मैं एक ईमानदार कम्यूनिष्ट हैं। मैं पार्टी का मेम्बर हूँ। मैं बुडापेस्ट का नागरिक हूँ। कामरेड में अपने पेपर दिखा सकता हूँ, मेम्बरशिप कार्ड दिखा सकता हूँ। यह देखिए।'

और उसका हाथ बड़े स्वाभाविक ढंग से अपने कोट की उस जेब की ओर बढ़ा जिसमें उसका रिवाल्वर रखा था लेकिन कर्नल हीव्स की जुबान से निकले हुए मात्र एक शब्द ने जेम्स को अपनी ज़ेब की ओर बढ़ने जुए हाथ को वहीं रोकने के लिए मजबूर कर दिया।

'स्टाप!' कर्नल हीव्य चिल्लाया।

'थैंक्यू मिस्टर जेम्स!' अपनी चेतावनी का इच्छित परिणाम देखकर कर्नल बोला। फिर उसने गैरेज के द्वार के पास खड़े सिपाही को सम्बोधित करके कहा-'कोको' मिस्टर जेम्स जेब से रिवाल्वर या वैगा ही कोई भयानक हथियार निकालने वाले थे। साहब का बोझ हलका कर दो।

जेम्स को अपने पीछे भारी कदमों की आहट सुनाई ती और फिर रायफल का कुंदा जोर में उसकी गरदन के पृष्ठ से टकराया। जेम्स पीड़ा से बिलविला उठा, फिर अनुभवी हाथ उसकी तलाशी लेने लगे।

'मिस्टर जेम्स!' कर्नल हीव्य बोला- 'इन कामों का कोको को बहुत तजुर्बा है। किसी भी कैदी की तलाशी लेने से पहले वह उसे दुर्व्यवहार का एक ट्रेलर सा दिखा देता है। इसका

नतीजा यह होता है कि कैदी कोई शरारत करने का हौसला नहीं कर पाता-आहः एग्ज़िबिट नम्वर वन। 6.35 सैल्जियस आटोमैटिक और साइलेंसर! ये दोनों ही चीजे हंगरी में प्राप्त नहीं हैं। अब तुम कहोगे कि यह चीजें तुम्हे बुडापेस्ट की किसी गली में पड़ी हुई मिली है और.... और यह क्या है?'

जेम्स बड़ी कठिनाई से अपनी आँखे फोकस कर पाया। कर्नल हीट्स अपने हाथों में उस रिवाल्वर को उछाल रहा था जो उसने उस सीकेट पुलिस के सिपाही से छीनी थी जिसे यह ट्राम स्टैंड के पीछे नाले में फेंक आया था।

97

'कर्नल हीव्स!' कोको के नाम से सम्बोधित किये जाने वाला विशाल शरीर का आदमी आगे बढ़ कर बोला- 'यह रिवाल्वर हपेंड की है, मैं इसे अच्छी तरह पहचानता हूँ। यह कहाँ मिली तुम्हें? वह जेम्स पर गुर्राया ।'

'यह भी मुझे दूसरी रिवाल्वर के साथ पड़ी मिली थी। उसमें....?'

उसने कोको का रायफल वाला हाथ हवा में लहराते देखा लेकिन उस बार में स्वयं को बचा पाने का समय ही न था। रायफल इतनी जोर से उसके चेहरे के साथ टकराई कि जेम्स लड़खड़ाता पहले दीवार से जा टकराया और फिर भूसे के बोरे की तरह जमीन पर लौट गया। उसकी आँखों के सामने अन्धकार छाने लगा। उसके होठों में से खून टपकने लगा और उसे यूँ अनुभव हुआ जैसे उसके कई दांत उखड़ गए हों।

'कोको!' कर्नल हीव्स यूं बोला जैसे किसी बच्चे को शरारत करने से रोक रहा हो- 'अभी नहीं!' साहब की यह सेवा हम स्टालिन स्ट्रीट के टार्चर चेम्बर में करेंगे ।... मिस्टर जेम्स!

गलती. सरासर आपकी है। कोको आपसे बहुत नाराज है। हमें अभी तक यह मालूम नहीं था कि हर्पेड कोको का दोस्त था। जिस समय वह ट्राम स्टैंड के पीछे के नाले में पड़ा पाया गया था, उस समय वह मौत के दरवाजे पर खड़ा था और इसके जिम्मेदार आप हैं। अगर मैं कोको को रोकूं नहीं तो यह अभी ऑपके शरीर के परखचे उड़ा देगा। बड़े गलत आदमी के दोस्त पर वार कर बैठे आप। मैंने कोको से वादा किया है कि स्टाालेन स्ट्रीट के टार्चर चैम्बर में आपकी सेवा करने का अवसर उसे ही दिया जायेगा।'

जेम्स चुप रहा और स्वयं पर काबू पाने का प्रयत्न करता रहा। कर्नल होव्स उसे बेहद खतरनाक आदमी और पक्का सैडिस्ट लग रहा था।

कर्नल अपने एक आदमी की ओर मुड़ कर बोला 'गली की नुक्कड़ पर चले जाओ, वहां टेलीफोन है। हैडक्वार्टर फोन करके कहो कि वे लोग एक गाड़ी भेज दें। उन्हें मालूम है गाड़ी कहां भेजनी है।' वह जेम्स की ओर मुड़ा-'अगर हम गाड़ी इसी गली में खड़ी करते तो आपको सन्देह हो जाता, मिस्टर जेम्स! और आप इतनी आसानी से हमारे जाल में नहीं फंसते, गाड़ी दस मिनट में यहाँ पहुंच जायेगी। तब तक शायद आप हमें अपने और अपने कार्यकलापों के

विपय में कोई महत्वपूर्ण जानकारी देना पसन्द करें। साहब को अपने पैरों पर खड़ा कर दो और भीतर ले आओ।'

दो आदमियों ने जेम्स को सहारा दिया।

कर्नल हीव्स एक मेज के पीछे कुर्सी पर जा बैठा।

'मिस्टर जेम्स!' कर्नल हीव्स गम्भीर स्वर से बोला- 'आपकी कोई हरकत हमसे छुपी हुई नहीं है। हम आपके बारे में सब कुछ जानते हैं। आपके ब्यान द्वारा तो हम केवल अपनी जानकारी की पुष्टि चाहते हैं और उसके बाद जनता की अदालत मैं आप पर मुकदमा चलाया जायेगा। एस्पियानेज के आरोप में और वह आपकी सरकार के मुंह पर एक करारा थप्पड़ होगा। और शायद आपको जानकर अफसोस होगा कि आपके दोस्त भी पकड़े जा चुके हैं। और आपका वह दोस्त-वह पहाड़ जैसा लम्बा चौड़ा आदमी-क्या नाम था उसका?' भूल गया मैं-खैर... वह पहले ही अपना ब्यान दे चुका है और सब कुछ स्वीकार कर चुका है। वह मेज की दराज में से एक फुलस्केप कागज निकाल कर जेम्स को दिखाता हुआ बोला-'यह तुम्हारे दोस्त की ही हैंडराइटिंग में है और उसने स्वीकार कर लिया है कि वह विदेशी एस्पियानेज एजेंटों की सहायता करता रहा है।'

जेम्स ने मन ही मन शान्ति की सांस ली। अपने चेहरे के भाव छुपाने के लिए वह सिर झुकाकर मुंह में भर आया खून थूकने लगा उसे विश्वास हो गया कि सिरोव या उसका कोई आदमी पकड़ा नहीं गया है। अधिक से अधिक यह हुआ है कि सीक्रेट पुलिस के किसी भेदिये ने कभी सैन्डर की सूरत देख ली है और कर्नल हीव्स केवल इतनी सी जानकारी को इस्तेमाल कर उसे फांसने का प्रयत्न कर रहा था। कर्नल कहता था कि उसके सब दोस्त पकड़े गए हैं और सैन्डर ने 'सब कुछ' स्वीकार भी कर लिया है जबकि हकीकत यह थी कि सैन्डर को तो 'सब कुछ' मालूम भी नहीं था। और फिर कोई भी समझदार आदमी सैन्डर जैसे लौह पुरुप से कुछ कबूलवाने की कोशिश करने की जगह पहले जूलिया और इमर की गरदन नापता। तीसरे सैन्डर जैसा साधारण नाम थोड़े से समय में कर्नल भूल जायें यह उसे सम्भव नहीं लगता था। और सबसे बड़ी बात यह थी कि सैंडर जैसे देव समान आदमी से जबरदस्ती टार्चर का सहारा लेकर कुछ कबूलवाना संसार का आठवां आश्चर्य था। जिस कमरे में सैन्डर को टार्चर किया जाये, उसकी तो दीवारें सलामत

रह पाना असम्भव था।

'शुरआत आप यहाँ से कीजिये कि आप हंगरी का बार्डर कास करने में सफल कैसे हुए?' कर्नल हीव्स ने राय दी।

'मैने हंगरी का बार्डर कास किया है?' जेम्स फिर पहले जैसी हैरानी प्रकट करता हुआ बोला- 'लेकिन मैं तो अपनी जिन्दगी में कभी बुडापेस्ट से बाहर नहीं निकला। मैं तो.....।'

जेम्स एकदम चुप हो गया और बड़ी फुर्ती से कोकों के प्रहार से बचने के लिए एक और कूदा। खतरे का आभांस उसे समय पर मिल गया था। उसने कर्नल हीव्स को कोको को हल्का सा संकेत करते देख लिया था। कोको के घूंसे का प्रचंड प्रहार उसके चेहरे को हवा सा देता हुआ गुजर गया और इसी कारण कोको के विशाल शरीर का सन्तुलन बिगड़ गया।

जेम्स ऐसा मौका चूकने वाला नहीं था।

कैरेट चाप का इतनी जोर का प्रहार उसने कोको की गरदन पर किया कि उसे अपना हाथ टूटता हुआ महसूस हुआ।

कोको का विशाला शरीर ड्रम की तरह कई फुट दूर फर्श पर लुढ़क गया और उसके मुंह से पीड़ा भरी सिसकारी निकल पड़ी।

कर्नल हीव्स एकदम उठ खड़ा हुआ। उसकी रिवाल्वर उसके हाथ में आ गई। दो सिपाही सव-मशीनगन ताने जेम्स की ओर लपके ।

जेम्स दीवार के साथ पीठ सटाकर लम्बी-लम्बी सांस लेने लगा।

'सिपाही एकदम जेम्स के सामने आ खड़े हुए और आदेश की प्रतीक्षा करने लगे।

'अब अपनी मौत निश्चित समझो, मिस्टर जेम्स!' कर्नल हीव्स सांप की तरह फुफकारा-'अगर तुम बुडापेस्ट के कथित निर्दोप नागरिक होते तो इस समय जहाँ कोको पड़ा है, वहाँ तुम होते। कैरेट चाप हंगरी के स्कूलों में नहीं सिखाई जाती है। अभी जा हादसा हुआ है. वह मैंने जान बूझकर करवाया है। मैंने जान-बूझकर कोको को इस प्रकार तुम पर प्रहार करने का संकेत किया था, मेरा संकेत तुम भी देख लो और फिर कोई ऐसी हरकत करो जिससे तुम पर मेरा रहा सहा सन्देह भी दूर होजाए। मुझे खुशी है कि तुम मेरी चाल में फंस गए। अब मुझे कुछ और जानने की जरुरत नहीं है मुझे विश्वास हो गया है कि अगर कोको तुम्हारे

शरीर की एक एक हड्डी भी तोड़ दे तो तुम अपनी जुबान नहीं खोलोगे लेकिन मिस्टर जेम्स स्टालिन स्ट्रीट में टार्चर से ज्यादा सभ्य तरीकों से आपकी जुबान खुलवाई जायेगी।'

तीन मिनट बाद वे सब उस भूरी लारी में जा बैठे थे जो उन लोगों को लेने के लिए गैरेज के सामने आ खड़ी हुई थी। लारी के पृष्ठ भाग के एक बैंच पर कोको लेटा हुआ था। वह अभी भी उखड़ी-उखड़ी सांसें ले रहा था। दूसरे बैंच पर कर्नल हीव्स और सब-मशीनरान लिए दो सिपाही बैठे थे। उन दोनों बैंचों के बीच में फर्श पर जेम्स बैठा था। चौथा सिपाही आगे ड्राइवर के पास बैठा हुआ था।

लारी चल पड़ी।

लगभग आधा मिनट बाद जिस समय लारी पहला मोड़ घूम रही थी, एक भड़ाक की आवाज हुई जैसे लारी किसी चट्टान से टकरा गई हो, फिर ब्रेकें लगाने की जोरदार आवाज हुई। लारी कुछ क्षण सड़क पर एक शराबी की तरह झूमती लड़खड़ाती रही और फिर किसी ठोस चीज से टकसकर रुक गई।

लारी के भीतर बैठे कर्नल हीव्स और उके सिपाही उठल कर जेम्स पर आ पड़े। कोको का विशाल शरीर धम्म से फर्श पर लुढक गया।

अभी वे लोग इस अप्रत्याशित घटना के प्रभाव से निकले भी नहीं थे और स्वयं का सम्हाल भी नहीं पाये थे कि लारी का पिछला दरवाजा भड़ाक में खुली और अगले ही क्षण लारी का भीतरी. भाग दो शक्तिशाली टार्चों से उत्पन्न होने वाले प्रकाश से जगमगा उठा। फिर उस प्रकाश में बन्दुक की दो नाले प्रकट हुई और फिर एक धीर गम्भीर आवाज ने उन सबका अपने-अपने हाथ सिर से ऊपर उठा लेंने का आदेश दिया।

किसी ने आदेश का उल्लघन करने का साहस नहीं किया।

फिर दो और आदमी लारी में धकेल दिये गये। जेम्स ने देखा, उनमें से एक सिपाही था और दूसरा लारी का ड्राइवर ।

फिर सारे सिपाहियों के हथियार छीन लिये गये। कर्नल हीव्स की जेब से रिवाल्वर निकाल लिए गए। किसी ने जेम्स का साइलेंसर लगा बेल्जियन रिवाल्वर उसकी आर उछाल दिया।

जेम्स ने रिवाल्वर उठा ली। आक्रमणकारी कौन थे, इस विपय मैं उसे अब कोई सन्देह नहीं रह गया था।

फिर लारी का द्वार बन्द होने की आवाज आई और फिर लारी झटके खाती हुई बैक होने लगी। दो तीन बार आगे पीछे डाटके खा चुकने के बाद लारी फिर सीधे रास्ते पर आ गई।

सारे आपरेशन में केवल बीस सैकेंड लगे थे। इतनी तत्परता केवल इस प्रकार के कामों में एक्सपर्ट लोग ही दिखा सकते थे।

जेम्स कर्नल हीव्स और उसके सिपाहियों को अपनी रिवाल्वर से कवर किए रहा।

लारी चलती रही।

कुछ मिनटों में लारी की गति धीमी पड़ने लगी और लारी एकदम रुक गई।

ड्राइविंग सीट वाले भाग में बैठे एक आदमी ने लारी के पृष्ठ भाग में झोका और कड़े शब्दों में सबको एकदम चुप रहने का आदेश दिया।

जेम्स ने अपनी साइलेंसर लगी रिवाल्वर कर्नल हीब्स की छाती पर तान दी।

'गुड! कोई सन्तुष्टिपूर्ण स्वर से बोला ।'

लारी केवल एक दो मिनट तक ही रुकी। शायद वह कोई चैकिंग पोस्ट थी। किसी ने कोई सवाल पूछा जिसके उत्तर में लारी के भीतर से किसी ने अधिकारपूर्ण स्वर में कुछ शब्द कहे जिनका एक भी शब्द जेम्स की समझ में नहीं आया।

लारी फिर चल पड़ी।

जेम्स ने रिवाल्वर कर्नल हीव्स की छाती से हटा कर अपनी गोदी में रख ली।

कर्नल हीव्स का चेहरा क्रोध और विवशता के कारण सुर्ख हो रहा था।

फिर लारी रुकी शायद किसी दूसरे चैकिंग पोस्ट पर ही पहले ही की तरह फिर कर्नल हीव्स को कवर कर लिया लेकिन इस बार एक मिनट से भी कम समय लगा।

लारी रुक गई। लारी का पिछला दरवाजा खुला और पहले की ही तरह टार्च का चौंधिया देने वाला प्रकाश लारी के भीतर पड़ा।

किसी ने जेम्स को बाहर आने का संकेत किया।

जेम्स लारी से बाहर कूद गया।

'आप लोग बारी बारी से अपने जूते उतारते जाइए और उन्हें सामने की मेज पर रखते जाइए। कोई घुटे स्वर से बोला- 'इन्कार

करने से कोई लाभ नहीं होगा। यह काम जबरदस्ती भी किया जा सकता है।'

कर्नल हीव्स और कोको सहित सबने जूते उतारकर सामने बैच पर रख दिए।

'एक्सीलैट ।' वही स्वर फिर सुनाई दिया-'अब अपने अपने ओवरकोट और टोपियां भी उतार दीजिए।'

फौरन आज्ञा का पालन हुआ।

'थैंक्यू! अब गौर से मेरी बात सुनिए। इस समय यह लारी बुडापेस्ट से बाहर एक वीरान सड़क पर खड़ी है। इस सड़क की बगल में एक छोटी सी झोपड़ी है और उस झोपड़ी के

आसपास तीन मील तक किसी भी दिशा में कोई दूसरी सिर ढकने की जगह नहीं है। हम आप लोगों को यहाँ छोड़कर जाने वाले हैं। अगर आप लोगों ने हमारे जाने के बाद आज की रात गहरे अन्धेरे में कोर्ड दूसरी जगह तलाश करने की कोशिश की तो आप निश्चय ही मौत का शिकार हो जाएंगे। आप लोग नंगे पांव बिना ओवर कोट और हैट के सब जीरो टैम्प्रेचर पर पहुंची हुई बर्फ में दस मिनट भी जीवित नहीं रह पायगे। और दोस्तो, यह कोई मेलोड्रामेटिक धमकी नहीं है, एक अच्छी चेतावनी है। इसके बावजूद भी अगर आप आत्महत्या ही करना चाहते हैं तो आपकी मर्जी।'

'इसके विपरीत?' वही आवाजे फिर बोली- 'झोपड़ी भीतर से एकदम सूखी है, विंड प्रूफ ह और उसमें ढेर सारी सूखी लकड़ियां मीजूद हैं। आप यहाँ सुबह तक इन्तजार कीजिए और फिर किसी इस रास्ते से गुजरती हुई घोड़ा गाड़ी या ट्रक पर सवार होकर वापिस आबादी में तशरीफ ले जाइयेगा।'

'आप लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं?' कर्नल हीव्स ने शांत स्वर से पृठा।

'क्या, क्यों कर रहे हैं? तुम्हें वहाँ लाचारी की हालत में क्यों छोड़े जा रहे हैं या तुम लोगों की क्यों जान बख्श रहे है?'

'दोनों।'

'तुम लोगों को मारा इसलिए नहीं जा रहा है क्योकि हम हत्यारे नहीं है और तुम्हें यहां इस झोपड़ी में इसलिए छोड़ा जा रहा है ताकि तुम कोई शरारत न कर सको यहाँ मीलो दूर तक टेलीफोन नहीं है और में बता ही चुका हूँ कि रात के समय इस झोपड़ी से बाहर निकलना मौत को दावत देना होगा। तुम्हारी इस स्थिति से नहीं है

हमें यह फायदा होगा कि सुबह तक कोई यह नहीं जान पायेगा कि हंगेरियन सीक्रेट पुलिस की एक लारी 'शत्रुओं' के हाथ पड़ गई है। हम लोग आस्ट्रेलिया के बार्डर से अधिक दूर नहीं है। पुलिस की यह लारी बार्डर पार करने के लिए पासपोर्ट का काम देगी।'

कर्नल हीव्स फिर नहीं बोला ।

'उतरो!'

सब बारी-बारी लारी से बाहर निकल आये। कोको भी लड़खड़ा रहा था और अपने एक साथी की सहायता के बिना अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पा रहा था।

सारे आदमी सड़क के किनारे की पड़ी में धकेल दिये गये और झोपडी का दरवाजा बाहर से बन्द कर दिया गया।

फिर जेम्स और दो अन्य आदमी, जिनके चेहरे रुमालों से ढके हुए थे, लारी में आ बैठे और द्वार भीतर से बन्द कर लिया गया था।

लारी के भीतर की बत्ती जला उठी और लारी फिर चल पड़ा।

दोनों आदमी अपने चेहरे पर बंधे रुमाल खोलने लगे।

अगले ही क्षण जेम्स को सिरोव और मेजर होवार्थ को सूरतें दिखाई दीं।

जेम्स ने लारी के अग्र भाग में दृष्टि फिराई।

लारी सैन्डर चला रहा था और उसकी बगल में इमर और जूलिया बैठे थे।

जेम्स के चेहरे पर नजर पड़ते ही जूलिया के मुंह से एक दहशत भरी सिसकरी निकल गई। लेकिन पहले बोलने वाला मेजर होवार्थ था।

'मिस्टर जेम्स!' वह बोला-'दो ही सूरती में आदमी के चेहरे की यह हालत हो सकती है। या तो वह किसी स्टीम रोलर से टकरा गया हो और या फिर उसने आधा घन्टा कोको के संसर्ग में गुजारा हो।'

'तुम जानते हो उसे?' जेम्स से पूछा।

'कोको को कौन नहीं जानता? हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का एक एक आदमी उसे जानता है और बुडापेस्ट की कम से कम आंधी जनता उसे जानती है। कोको जहाँ जाता है वहीं अपने कदरदान पैदा कर लेता है। लोग उसे आसानी से भूल नहीं पाते हैं। लेकिन आज क्या हो गया था उसे? बेचारा बुरी तरह लड़खड़ा रहा था और

सूरत से भी बड़ा पस्त और बदहवास सा लग रहा था?'

'मैंने मारा था उसे ।'

'तुमने... तुमने?' मेजर होवार्थ आश्चर्यचकित स्वर में बोला- 'क्या किया था?'

'मैंने मारा था उसे!' जेम्स ने दोहराया- 'एक कैरेट चाप उसकी गरदन पर रसीद की थी।'

"अच्छा! कमाल है। कोको और तुमसे मार खा गया। मिस्टर जेम्स कोको को तो हाथ भी लगा लेना अपने आप में एक करिश्मा है आर तुमने तो बेचारे को अपने पैरों पर खड़े होने के काबिल भी नहीं छोड़ा।'

'आह!' जूलिया एकदम बोल पड़ी 'बातें ही किये जाओगे या इनकी हालत का भी ख्याल करोगे।'

'इसकी हालत अभी ठीक हुई जाती है,' मेजर बोला और उसमें अपनी जेब से शराब की फ्लाग्क निकाल कर जेम्स के सूजे हुए होठों से लगा दी --पी जाओ।'

जेम्स ने दो बड़े-बड़े घूंट निकाल लिए। उसे यूं लगा जैसे उसके गले से लेकर पैर तक आग लग गई हो लेकिन फौरन ही शराब अपना प्रभाव दिखाने लगी। उसके शरीर में ऊप्णता और स्फूर्ति का संचार होने लगा।

'तुम तो बहुत चोट खा गए हो, मिस्टर !' सिरोव सहानुभूति पूर्ण स्वरों में बोला- 'क्या हुआ था?'

जेम्स ने आद्योपान्त सारी दास्तान कह सुनाई।

'मुझे अफसोस है।' मेजर बोला- 'वह हरामजादा कौको!'

'लारी रुकवाओ!' एकाएक जूलिया बोली।

किसी ने कारण नहीं पूछा। सैन्डर ने लारी रोक दी।

जूलिया. बगल का द्वार खालकर लारी से बाहर कूद गई। उसने अपने रुमाल में सड़क से ढेर सारी वर्फ समेटी और फिर ट्रक के पृष्ठ भाग में आ गई।

'अभी मैं तुम्हारी सूरत की मरम्मत करती हैं। वह बेंच पर जेम्स की बगली में बैठती हुई बोली।'

वह धीरे-धीरे जेम्स के चेहरे पर बर्फ फिरा-फिरा कर वहां जमा हुआ रक्त साफ करने लगी। जेम्स पीड़ा से सिसकारियां लेने लगा। बर्फ घावों पर लगती थी तो नश्तर सी चुभती थी।

'चुपचाप बैठे रहो।' जूलिया ने डाटा ।

'जूलिया!' सिरोव गला साफ करता हुआ बोला-'मेरे ख्याल से तो तुम्हें इस काम के लिए ज्यादा सीधा तरीका इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे... जैसे पुलिस के सिपाहियों को धोखा देने के लिए तुमने मार्गिट आईलैंड की वाचमैन हट में किया था। मिस्टर जेम्स, जूलिया ने बताया है कि तुम पूरे तीन मिनट तक उसे...।'

'यह सरासर झूठ है।' जेम्स विरोधपूर्ण स्वर में बोला। बोलने के प्रयत्न मात्र से उसके चेहरे के जख्म दुखने लगे थे।' सिर्फ तीस सैकिन्ड और वह भी आत्मरक्षा की खातिर...।'

सिरोव मुस्कुराने लगा।

'क्या हुआ था?' जेम्स ने बात बदलनी चाही। वह उन लोगों का ध्यान पिछली घटनाओं की आर आकृष्ट करते हुआ बोला।

'यस पूछो मिस्टर जेम्स क्या नहीं हुआ था,' सिरोव गम्भीर स्वर से बोला-'हर किसी ने भयानक गलतियां की है। तुमनें, हमने, हंगेरियन सीक्रेट पुलिस ने। पहली गलती हमारी थी। तुम जानते हो कि मेरे मकान की निगरानी हो रही थी और हम यह समझते थे कि निगरानी करने वाले केवल साधारण भाड़े के पिट्टू थे जबकि वास्तव में वे हंगेरियन सीक्रेट पुलिस के आदमी थे। सैन्डर ने उन 'दोनों आदमियों को पकड़ लिया था और जब मेजर होवार्थ हैडक्वार्टर से ड्यूटी भुगता कर मेरे मकान पर आया था तो उसने उन दोनों को फौरन पहचान लिया था। तभी हमने वह स्थान छोड़ने का फैसला कर लिया था लेकिन तब तक जूलिया तुमसे मिलने के लिए जा चुकी थी अतः उसके द्वारा हम मकान छोड़ने की सूचना तुम तक नहीं पहुंचा सकते थे। और फिर मेजर कहता था कि वह सीकेट पुलिस के टैकनीक को खूब जानता है। वे लोग अगर मेरे मकान पर घेरा

डालने आयेंगे तो रात के तीसरे पहर में आयेंगे जब कि हम आधी रात से पहले ही मकान खाली कर देने वाले थे।'

'इसका मतलब तो यह हुआ कि जो आदमी जूलिया का पीछा करते हुए व्हाइट एन्जल तक पहुंच गया था, उसने जूलिया को आपके मकान से ही पिक-अप किया था?'

'हाँ और तुमने बड़े कुशल ढंग से उससे पीछा भी छुड़ा लिया था। लेकिन सबसे बड़ी गलती तुमने की है।'-

'मैंने?' जेम्स हैरानी से बोला ।

'हाँ।'

'कब?'

'जब तुमं थी काउन्स होटल में प्रोफेसर जेनिग्स से बातें कर रहे थे।

'जब मैं.... मैं समझा नहीं।'

'यह गलती केवल जेम्स की नहीं, मेरी भी है।' मेजर होवार्थ दबे स्वर में बोला-'मुझे मालूम था। मुझे जेम्स को चेतावनी दे देनी चाहिए थी।'

'आप लोग किस गलती का जिक कर रहे हैं? जेम्स ने व्यग्र स्वर से पूछा।'

'बताता हूँ।' सिरोव बोला-'तुमने प्रोफेसर के कमरे में माइक्रोफोन तलाश किया था।'

'किया था। वह रोशनदान की ग्रिल के पीछे लगा हुआ था।'

'और बाथरूम में?'-

'वहाँ माइक्रोफोन नहीं था।'

'तुमने अच्छी तरह देखा था?'

'हाँ! इस प्रकार के काम तो मेरे पेशे का ही एक अंग है।'

'फिर भी तुम धोखा खा गये, गुसलखाने में माइक्रोफोन था ।'

'कहाँ?' जेम्स सिसकारी लेता हुआ बोला।

'शावर में। मेजर कहता है, श्री काउन्स होटल के हर कमरे के शावर में माइक्रोफोन लगा हुआ है। किसी भी बाथरूम का शावर वास्तव में काम नहीं करता है। वे तो डमी शावर है जो केवल माइक्रोफोन छुपाने के लिए ही लगाए गए हैं। अंगर तुम नल खोलकरे देखते तो उसमें से पानी नहीं निकलता ।'

'शावर में माइक्रोफोन था?' जेम्स का मुंह खुला का खुला रह गया-'ओह, माई गाड!'

'ऐगजैक्टली!' सिरोव भारी स्वर से बोला ।

'तो... तो इसका मतलब है कि मेरे और प्रोफेसर के बीच में हुए वार्तालाप का एक एक शब्द सुन लिया गया है।'

जेम्स हताश सा लारी की दीवार से सिर टिकाये बैठा रहा। चोट उसे पहले नहीं अब लगी थी। उसे अब समझ में आया कि कर्नल हीब्स को यह कैसे मालूम था कि वह कीन है और बुडापेस्ट में क्या करने आया है। प्रोफेसर से छुटकारे की उसे कोई आशा दिखाई नहीं दे रही थी। यह पहला आपरेशन था जिसमें जेम्स को हर कदम पर हार का सामना करना पड़ रहा था। और हर हार एक ऐसी तिलमिला देनी वाली चोट थी जिसे वह जन्म भर नहीं

भूल सकता था।

'चोट तो हो ही गई।' सिरोव बोला-

'मेरा मिशन फेल हुआ है।' जेम्स फिर बोला 'लेकिन इससे आप लोगों की स्थिति पर कोई अन्तर नहीं पड़ा है। मैंने आपके मकान से सम्बन्धित किसी आदमी का नाम या उसके कार्यकलापों का जिक्र प्रोफेसर के सामने नहीं किया था। मैने प्रोफेसर को आपके

मकान का पता अवश्य बताया था। लेकिन अब उससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि आप लोग वह मकान पहले ही छोड़ चुके हैं। जहाँ तक आप लोगों का सवाल है। हंगेरियन सीक्रेट पुलिस को कम से कम मेरी गलतियों की वजह से आपकी जानकारी नहीं हुई है। लेकिन दी बातें मेरी समझ में नहीं आ रही हैं।.

'क्या?'

'एक तो यह कि अगर होटल के कमरे में माइक्रोफोन था और वे लोग मेरी और प्रोफेसर की बातें सुन रहे थे तो उन्होंने मुझे वहीं गिरफ्तार क्यों नहीं कर लिया?'

'सिम्पल!' मेजर होवार्थ बोला- होटल के बाथस्मों में लगे माइक्रोफोन टेप रिकार्डरों से सम्बन्धित है। तुम्हारे होटल से निकल जाने के बाद किसी समय उन्होंने टेप रिकार्डर बजाकर देखे होंगे कि कौन क्या बातें कर रहा है। तुम्हारा और प्रोफेसर का वार्तालाप सुनकर उनके हुलिये बिगड़ गए होंगे।'

'दूसरी बात- जब आप लोगों का मालूम था कि मकान पर पुलिस का छापा पड़ने वाला है तो आपने मुझे मेरे होटल में टेलीफोन करके सूचित क्यों नहीं किया?'

'हमने फोन किया था लेकिन तुम्हारी ओर से कोई उत्तर नहीं मिला था।'

'मैं जरा जल्दी होटल से निकल आया था। मैंने फायर एस्केप की सीढ़ियां उतरते समय टेलीफोन की घंटी बजने की आवाज सुनी तो थी लेकिन मैं काल रिसीव करने के लिए वापस नहीं लौटा था। लेकिन आप लोग मुझे मकान के रास्ते में भी तो कहीं रोक सकते थे?'.

'रोक सकते थे?', इस बार सिरोव बोला- मेजर , बता ही दो।'

'वैरी वेल!' मेजर ऐसे स्वर में बोला जैसे कोई बड़ी अप्रिय बात स्वीकार कर रहा हो- 'मिस्टर जेम्स, आपने कर्नेल हीव्स को देखा है और आप स्वीकार करेंगे कि वह एक बेहद खतरनाक आदमी है।

वह मेरा अफसर है और हंगेरियन सीक्रेट पुलिस में वह सीनियोरिटी में दूसरे नम्बर का अफसर है। वह आदमी इतना काइयां है कि उससे में भी घबराता हूँ इसीलिए मेकअप में होने के बावजूद भी मैं उसके सामने नहीं आ रहा था। सिरोव भी उसकी कार्यक्षमता का लोहा मानता है। इसीलिए उसने बड़ी मेहनत से कर्नल हीव्स के दिमाग में यह बात बैठाई थी कि हम लोग आस्ट्रेलिया के वॉर्डर की ओर बढ़ रहे हैं जबकि वहाँ जाने का हमारा कतई इरादा नहीं था।'

'मतलब की बात कहो।' जेम्स व्यग्र स्वर से बोला ।

'मतलब की ही बात कह रहा हूँ।' मेजर बोला- 'पिछले कुछ दिनों से में महसूस कर रहा था कि कर्नल हीव्स मुझमें कुछ जरूरत से ज्यादा दिलचस्पी ले रहा है। वैसे तो हंगेरियन सीकेट पुलिस के हर अफसर की हरकतें समय समय पर पार्टी द्वारा या सीनियर अफसरों द्वारा चैक की ही जाती है लेकिन मुझे लग रहा था कि मेरे में कुछ ज्यादा ही दिलचस्पी ली जा रही है। कहने का मतलब यह है कि हमें अभी तक भी शक था कि तुम कर्नला हीव्स के आदमी हो और हमारी पार्टी का समूल नाश करने के लिए

नियुक्त किये गए 'हो। मिस्टर जेम्स, हम लोग बचे ही इसलिए हैं क्योंकि हम कोर्ड चांस नहीं लेते। आपकी ढेर सारी संदिग्ध बातों में एक यह भी थी कि प्रोफेसर की बुडापेस्ट में मौजूदगी के बारे में तुम जानते थे लेकिन हंगेरियन सीक्रेट पुलिस का उच्चाधिकारी होते हुए मैं नहीं जानता था। फिर मार्गिट आइलैंड पर उन तीन सिपाहियों ने आपको कर्फ्यू वाले इलाके में वाचमैन हट में छुपे हुए पाकर भी छोड़ कैसे. दिया? हमने सोचा शायद आप भी उन्हीं के साथी हों। हमने आपके होटल में फोन किया। वहाँ से उत्तर नहीं मिला। हमने सोचा.कहीं आप होटल की जगह एन्ड्रेसी उट में न पहुंच गए हों। इन तमाम बातों को नजर में रखते हुए हमने फैसला किया आपको एक बार फिर चैक कर लिया जाए इसलिए हमने जांन बूझकर आपको कर्नल हीव्स के हाथों में पड़ जाने दिया। हमने आपको गैरेज में प्रवेश करते भी देखा था। हम गली में गैरेज से लगभग पचास गज दूर खड़ी एक कार में छुपे हुए थे और वही कार बाद में इमर ने पुलिस की लारी में दे मारी थी। हमारा इरादा फौरन आपको छुड़ा लेने का था और वही हमने किया भी था लेकिन हमें यह नहीं मालूम था कि उस दस मिनट के अरसे में ही वे लोग आपकी यह गत बना दैंगे।

'अब तो आप लोग सन्तुष्ट है?' जेम्स अपना कटा-फटा चेहरा

सहलाता हुआ बोला।

'जो हुआ हम उसके लिए शर्मिन्दा है।' सिरोव नच स्वर से. बोला।

'शर्मिन्दा होने की कोई जरूरत नहीं है। आपकी स्थिति में शायद मैं भी ऐसा ही करता ।'

कई क्षण कोई कुछ नहीं बोला ।

फिर सिरोव बोला-'अब तुम्हारे मिशन का क्या होगा?' इस बात की तो गारन्टी है कि प्रोफेसर को वे लोग अब होटल में तो रहने देंगे नहीं।'

'और आस्ट्रेलियन बॉर्डर की भी बड़ी तगड़ी रखवाली शुरू हो जायेगी।-- मेजर होबार्थ बोला ।

जेम्स कुछ नहीं बोला। बोलने के लिए कुछ था भी नहीं।

उसी क्षण लारी एक झटके के साथ रुक गई और फिर इंजन की थरथराहट भी बन्द हो गई।

'मंजिल आ गई।' ड्राईविंग सीट से सैडर बोला ।

'फिलहाल उतरो!' सिरोव बोला- 'प्रोफेसर को निकालने की बात फिर सोचेंगे।'

सब लोग लारी में से निकल आयें।

जेम्स ने देखा वे एक खेत के किनारे बने पुराने से घर के सामने खड़े थे।

'लारी का क्या होगा?' जेम्स ने पूछा ।

'उसका इन्तजाम सेंडर कर लेगा।' सिरोव बोला-'चलो।' सब लोग घर की ओर चलने लगे।

अगले चौबीस घन्टे गांव के उस पुराने घर में बिना किसी विशेप घटना के घटित हुए गुजर गए। जेम्स ने बी. बी. सी. का योरोपियन ट्रान्समिशन सुना लेकिन उसके द्वारा व्रीयन के स्वीडन पहुंचने का संकेत शब्द नहीं सुनाई दिया।

जेम्स का दिल डूबने लगा।

कहीं वह आपरेशन भी तो-असफल नहीं हो गया।

पिछली ही रात को सिरोव के एक मित्र डॉक्टर ने जेम्स के सूज आये चेहरे और दुखते शरीर की सेवा की थी और उसे एक ऐसा करामाती इंजेक्शन दिया था कि उन चौबीस

घन्टों में जेम्स फिर से अपने आप में एक नई शक्ति का संचार होता अनुभव कर रहा था।

मेजर होवार्थ उसी रात को वापिस जा चुका था।

बुडापेस्ट और उस गांव में सम्पर्क स्थापित रखने का कार्य इमर कर रहा था।

मेजर होवार्थ ने सूचना भिजवाई थी कि आस्ट्रेलियन बॉर्डर पर पहरा और चैकिंग बेहद बढ़ा दी गई और प्रोफेसर जेनिक्स को थ्री काउन्स होटल में से हटा लिया गया है। साम्यवादी यह अफवाह फैला रहे हैं कि प्रोफेसर बीमार हैं और सम्भव है वह सोमवार को शुरु होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कान्फ्रेन्स में भाग न ले सके। मेजर यह नहीं जान पाया था कि प्रोफेसर को कहां ले जाया गया है लेकिन वह इस बात का दावा करता था कि वह हंगेरिकन सीकेट पुलिस के ऐन्ड्रेसी उट स्थित हैडक्वार्टर में या बुडापेस्ट के ऐसे ही किसी अन्य पुलिस के अड्डे पर नहीं लाया गया है। मेजर का ख्याल था कि या तो प्रोफेसर को सीधा वापिस मास्को ही भेज दिया गया है और या उस नगर से बाहर किसी सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। अगर साम्यवादी स्टेट्टिन में ब्रीयन हाथ से निकल गया या पहले ही निकल चुका है तो प्रोफेसर का मास्को ले जाया जाना निश्चित है क्योंकि बुडापेस्ट बार्डर से बहुत करीब है और अब प्रोफेसर का साम्यवादियों के चंगुल में रहना वैसे भी महत्वपूर्ण हो उठा था। व्रीयन के बाद प्रोफेसर का भी निकल जाना उनके गाल पर करारा तमाचा होगा।

अगले दिन ।

जेम्स ने फिर निश्चित समय पर रेडियो का स्विच आन कर दिया। बी. बी. सी. का एनाउन्सर समाचार प्रसारित करने लगा।

जेम्स के कान पूर्वनिर्धारित संकेत सुनने के लिए तत्पर थे।

'आज शाम को पेरिस की कान्फ्रेंस समाप्त हो जाने के बाद--- एनाउन्सर बोल रहा था- 'एक सरकारी वक्तव्य प्रसारित किया जायेगा। आशा है कि विदेश मन्त्री आज रात... क्षमा कीजिए, आज रात नहीं, कल रात वापिस विमान द्वारा स्वदेश लौट आयेंगे और मन्त्रीमण्डल को अपनी रिपोर्ट देंगे। यह अभी तक मालूम नहीं हो सका है कि...।'.

जेम्स ने रेडियो बन्द कर दिया।

उसने शान्ति की सांस ली। कम से कम एक तो अच्छा समाचार मिला था उसे। प्रोफेसर का लड़का व्रीयन अब साम्यवादियों के चंगुल से निकल कर सुरक्षित रूप से स्वीडन पहुंच गया था।

और फिर मेजर होवार्थ आया बहुत महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित जानकारी लेकर ।

प्रोफेसर हेराल्ड जेनिंग्स बुडापेस्ट नगर में बाहर स्थित स्टेट प्रिजन में था और तब से ठीक तीन घन्टे बाद रूस वापिस ले जाया जाने वाला था।

'कैसे?' जेम्स ने पूछा।

'बुडापेस्ट से पैक्स तक रेलगाड़ी द्वारा, पैक्स से मासको तक विमान द्वारा, बेहद बर्फ गिरने के कारण बुडापेस्ट हवाई अड्डा अस्थायी तौर पर बन्द कर दिया गया है और सड़कों की हालत भी बड़ी नाजुक है। पैक्स मेल में प्रोफेसर को पैक्स तक ले जाने के लिए एक कोच लगाया गया है।'

'पैक्स?' जेम्स ने दोहराया 'पैक्स कहां है?'

'बुडापेस्ट के दक्षिण से लंगभग सौ किलोमीटर दूर एक नगर है। पैक्स में हवाई अड्डा है और बह हवाई अड्डा अभी तक खुला है। पैक्स हवाई अड्डे से एक स्पेशल प्लेन प्रोफेसर को ले जायेगा और इतनी जल्दबाजी इसलिए की जा रही हैं क्योंकि साम्यवादियों को मालूम हो गया है कि प्रोफेसर का लड़का ब्रीयन उनके हाथ में निकल गया है।'

जेम्स एकदम बेचैन दिखाई देने लगा।

'अगर प्रोफेसर को पैक्स पहुंचने तक साम्यवादियों के पंजे से आजाद न करवाया गया तो एक बार मारको पहुंच जाने के बाद तुम लोगों की नजर में तो प्रोफेसर का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। मेजर गम्भीर स्वर से बोला ।

जेम्स ने धीरे से सिर उठाया और फिर यूँ बोला जैसे नींद में बड़वड़ा रहा हो।

'मुझे यह काम करना ही होगा, और अकेले करना होगा। प्रोफेसर को पैक्स तक ले जाने वाली ट्रेन तक मुझे पहुंचना ही होगा।'

'अकेले क्यों?'

'क्योंकि मैं आप लोगों को किसी मुसीबत में नहीं डालना चाहता, किसी बखेड़े में नहीं फंसाना चाहता। जब से मैने बुडापेस्ट में कदम रखा है, कोई काम ठीक से नहीं किया है और इस बारे तो मेरे सफल होने की अंश मात्र भी सम्भावना नहीं है। मेरे साथ आप लोग भी क्यों कोई ऐसा खतरा मोल लें जिसका नतीजा कुछ भी निकलने वाला न हो।'

'एम' मेरा दोस्त है! मेजर ने विरोध किया।

'उस दोस्ती के नाते आप लोग पहले ही मेरी आशा में अधिक सहायता कर चुके हैं।'

तुम- पागल हो। बेकार की भावुकता झाड़ रहे हो।'

'छोड़ो!' सिरोव एकदम दखल देता हुआ बोला- 'यह बाद की बातें हैं। पहले यह सोचो कि ट्रेन तक कैसे पहुंचा जाये?'

'मैं बताता हूँ।' मेजर होवार्थ बोला। उसने अपनी जेब से एक नक्शा निकाला और उसे मेज पर फैला दिया।

'यह सीसी है!' वह एक स्थान पर उंगली रखता हुआ बोला-'सीसी रेलवे स्टेशन से वह स्पेशल कोच पैक्स मेल में लगाया जायेगा जिसमें प्रोफेसर ने सफर करना है। प्रोफेसर को भी सीसी से ही उस में बिठाया जा रहा है।'

'उस कोच में अकेला प्रोफेसर ही होगा?' जेम्स ने पूछा।

'कोच में उम्र कैद के लिए साइबेरिया ले जाये जाने वाले कैदी भरे पड़े हैं।' प्रोफेसर को ले जाने वाला वह कोई स्पेशल डीलक्स कोच नहीं है। वह तो कैदियों और मौत की सजा

पाये हत्यारों से भेड़ बकरियों की तरह भरा हुआ एक गन्दा सा रेल का डिब्बा है जिसमे प्रोफेसर को भी कैदियों की तरह ठूंसा जा रहा है।'

फिर मेजर ने एक अन्य स्थान पर उंगली रखी 'यह सैक्जर्ड शहर है। यहां से यूगोस्लाविया का बार्डर केवल साठ किलोमीटर दूर है। यहाँ तक मेन रोड और रेलवे लाइन लगभग समानान्तर चलती है। यहाँ आकर रेलवे लाइन तो सीधी पैक्स तक चली जाती है और सड़क रेलवे लाइन को क्रास करती हुई नब्बे अंश के काण पर घूम जाती है। अगर हम लोग कुछ कर सकते हैं तो सैक्जर्ड और फैक्स के बीच में ही कर सकते हैं। और कुछ किया कैसे जायेगा, यह भारी समस्या है। मैं किसी भी ट्रेन को यूँ पटरी से उतार सकता हूँ। मेजर होवार्थ चुटकी बजा कर बोला-'लेकिन पैक्स मेल को डिटेन नहीं करूंगा। वह रेगूलर सर्विस ट्रेन है और उसमें मेरे सैकड़ो निर्दोष देशवासी सफर कर रहे होंगे। एक आदमी की खातिर में सैकड़ों स्त्री, पुरुपों और बच्चों का हत्यारा बोनना स्वीकार नहीं कर सकता ।'

'जरा मुझे नक्शा दिखाओ।' जेम्स बोला।

मेजर ने नक्शा उसके आगे कर दिया।

जेम्स कितनी ही देर नक्शे का अध्ययन करता रहा।

उसने मन ही मन एक स्क्रीम तैयार की।

उसने नक्शे में एक स्थान पर उंगली रख दी। वह स्थान पैक्स के उत्तर में थोड़ी ही दूर था। वहाँ पर सैक्जर्ड के बाद रेलवे लाइन से दूर हो जाने वाली सड़क लगभग चालीस किलो मीटर के बाद फिर रेलवे लाइन के समानान्तर आ जाती थी।

'आप लोग ट्रक द्वारा ट्रेन से पहले इस स्थान पर पहुंच सकते हैं ?

'हाँ, बशर्ते कि किस्मत हमारा साथ दे। अगर बर्फ के मारे सडक कहीं ब्लाक हो गई होगी तो मुश्किल हो जायेगी। लेकिन फिर भी जब तक सैन्डर साथ है तब तक एम लोग वहाँ पहुंचने का अच्छा खासा दावा कर सकते हैं। सैन्डर के आगे दुनियां की कोई रुकावट बाधा नहीं बनती ।'

'वैरी वैल। मेरी स्कीम यह है!' जेम्स बोला और उसने नपे तुले शब्दों में अपनी स्कीम बयान कर दीं।

सिरोव धीरे धीरे नकारात्मक ढंग से सिर हिलाने लगा। लेकिन भाषण द्वारा प्रवल प्रतिवाद करने वाला व्यक्ति मेजर होवार्थ था-'असम्भव! यह नहीं हो सकता।'

'ऐसा पहले किया जा चुका है।' जेम्स दृढ स्वर से बोला- 'सन् 1955 में, वोसगेस की पहाड़ियों में एसी ही स्कीम बड़ी सफलतापूर्वक काम में लाई जा चुकी है। और फिर इसके अतिरिक्त और कोई रास्ता भी तो नहीं है। चुपचाप बैठ कर हार स्वीकार कर लेने से तो कहीं अच्छा हे कि इस असम्भव लगने वाली स्कीम को ही ट्राई कर लिया जाये।'

'ठीक है।' सिरोव बोला।

'जैसा सब लोग कहें।' मेजर ने भी प्रतिवाद करना बन्द कर दिया।

जेम्स सन्तुष्ट दिखाई देने लगा।

'सैक्जर्ड स्टेशन पर गाड़ी लगभग ढाई घन्टे के बाद पहुंचेगी ।' मेजर बोला-'हमें उससे पहले वहाँ पहुंच जाना है। तैयार हो जाओ।'

सब लोग उठ खड़े हुए। मेजर ने नक्शा संमेट लिया।

*****

बर्फ का तूफान चल रहा था।

रेलगाडी कांपती डोलती रेल की पटरियों पर भागी जा रही थी। तूफान की रफ्तार इतनी तीव्र थी कि हर क्षण यही लगता था कि रेलगाड़ी तिनके की तरह हवा में उड़ जायेगी। सुनसान रास्तों पर रेल चलने की आवाज तोप के धमाकों की तरह गूंज रही थी। रेलगाड़ी बड़े पुराने ढंग की थी। सारे कोच लकड़ी के बने हुए थे और उनके खिड़कियों और दरवाजों को देखकर हैरात्ती होती थी कि वे उस वेगवान तूफान के सामने टिके कैसे हुए हैं?

तमाम कठिनाइयों के बावजूद भी रेलगाड़ी शाम के झुटपुटे में आगे बढ़ी जा रही थी।

रेलगाड़ी के भीतर जेम्स कांच के लम्बे पतले गलियारे में लड़खड़ाता हुआ आंग बढ़ रहा था। बर्फ के तूफान की उसे आशा नहीं थी। मौसम उसकी उम्मीद से ज्यादा खराब हो गया था । जो काम उसने 1954 में वासगेस की पहाड़ियों में गर्मियों की तारों भरी रात में किया था, वही काम आज उसे अब जीरो टेम्प्रेचर से नीचे में वर्क के तूफान का

मुकाबला करते हुए करना था। वे और सिरोव सैक्जर्ड रेलवे स्टेशन से केवल दस मिनट पहले ही बैठे थे और उन दस मिनटों में ही उसके मस्तिष्क में अपनी असम्भव स्कीम के सफल होने की. जो रही सही आशा थी वह भी खत्म हो गई थी।*

उसकी स्कीम कहने सुनने में बेहद खराब थी। उसने प्रोफेसर को मुक्त कराना था और प्रोफसर को मुक्त कराने के लिए उसे प्रोफेसर वाला स्पेशल कोच बाकी ट्रेन से अलग कर देना था और. यह तभी सम्भव था जब गाडी रुक जाए और उस स्पेशल कोच को गार्ड के डब्बे से जोडने वाली कपलिंग को खोलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाये। उस किसी भी प्रकार इंजन तक पहुंचना था और ड्राईवर को इस बात के लिए तैयार करना था कि वह एक निश्चित स्थान पर गाड़ी को रोक दें। ड्राइवर, तो उसे आशा थी साम्यवादियां से तंग आया हुआ कोई हंगरी का साधारण नारिक ही होगा और सम्भव था वह स्थिति को समझकर जेम्स की प्रार्थना स्वीकार कर ले और ड्राइवर और कोयला झोंकने वालों को मार देने का मतलब था, खुद उसकी, सिरोवं की, प्रोफसर की और सैकड़ों निर्दोप मुसाफिरों की मौत क्योंकि वह तो गाड़ी का इन्जन चलाना जानता नहीं था और ड्राइवर वगैरह धमकी से डरकर गाड़ी रोक ही दें इस बात की कोई गारन्टी नहीं था।

लेकिन पहले तो इंजन तक पहुंचना ही चांद तक पहुंचने जैसा कठिन कार्य था।

उसने अपना एक हाथ कोट की जेब में डाला हुआ था ताकि उसमें रखी बैटरी और हथौड़े का उभार किसी को सन्देहजनक न लगे और दूसरे हाथ में वह खिडकियों के साथ-साथ लगे सींखचों का सहारा लिए आगे बढ़ रहा था।

मोड पर वह सिरोव से टकरा गया।

सिरोव ने बिना जेम्स की ओर देख माफी मांगी और आगे बढ़कर उस स्थान पर पहुंच गया जहाँ से सामने का गलियारा पूरा दिखाई दे रहा था। फिर उसने टायलट का द्वार खोलकर भीतर झांका। टायलट खाली था।

'वेल!' वह होठों ही होठों में बुदबुदाया।

'दो आदमी मुझे अपनी निगरानी करते हुए मालूम हो रहे है।' जेम्स ने बताया ।

'कोई है?'

'मालूम नहीं! कपड़ों से तो वह पुलिस के आदमी नहीं मालूम होते.... ये आ रहे हैं!'

सिरोव ने गलियारे के दूसरे कोने की ओर दृष्टिपात किया जहाँ दो ट्रैच कोट धारी आदमी दिखाई दे रहे थे।

यह टायलट में घुस गया। उसने द्वार उतना बन्द कर लिया कि चौखट और द्वार के बीच में केवल एक दरार-सी रह गई।

दोनों आदमी चलते हुए जेम्स की बगल में से गुजर गए। एक ने विचित्र नेत्रों में जेम्स को देखा जबकि दूसरे ने उस ओर झांका भी नहीं।

उनके दृष्टि से ओझल होते ही सिरोव टायलट से बाहर निकल आया।

'तुम ठीक कह रहे हो। वे तुम्हें सन्देह की निगाहों से देख रहे है। वे लोग यूँ ही दो तीन चक्कर और तुम्हारे आस पास लगायेंगे "और उसके बाद तुमसे तुम्हारे कागजात की मांग कर बैठेंगे। उनमें से एक को में पहचानता हैं। वह सीकेट पुलिस का आदमी है। दूसरा पता नहीं कौन है। अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कान्फ्रेंस के दौरान में बुडापेस्ट को आने' वाली या बुडापेस्ट से जाने वाली हर ट्रेन में सीकेट पुलिस के आदमी तैनात है तुम एक बार कर्नल हीव्य के हाथ, में फंस कर निकले हो। तुम्हारा हुलिया हर सीकट पुलिस के आदमी को बना दिया गया होगा। यह आदमी खतरनाक साबित हो सकते हैं। सम्भव है यह तुम्हें पहचान ही जाय।'-

'इन्हें में सम्भाल लूंगा। आप नई बात बताइये।'

'गार्ड के डिब्बे में तीन सशस्त्र सिपाही मौजूद है। कैदियों के डिब्बे में कोई सिपाही नहीं है।

'क्यों?'

'क्योंकि कैदियों का डिब्बा खून जमा देने की हद तक ठण्डा है और गार्ड के डिब्बे में अंगीठी सुलग रही होगी। वे सिपाही अंगीठी के इर्द गिर्द बैठे हुए होंगे। हमेशा ऐसा ही होता है। सिपाही कैदियों । के साथ सफर नहीं करने। वे कैदियों के डिब्बे को बाहर से तान्ला लगाकर गार्ड के साथ जा बैठते हैं। और...?

सिरोव चुप हो गया और निर्लिप्त भाव में दूसरी ओर देखने नगा ।

जेम्स ने देखा वहां दोना आदमी वापिस लौट रहे थे। दोनों

धीरे-धीरे चलते हुए सिरोव और जेम्स के बीच में से गुजर गए।

'अभी तो यह तुम्हें, साइकालोजिकल ट्रीटमेंट दे रहें है। सिरोव बोला ।

जेम्स के होठों पर एक विषैली मुस्कुराहट दौड़ गई।

'तुम्हारी क्या पोजीशन है?'

'गलियारे के रास्ते इंजन तक पहुंचना असम्भव है!' जेम्स ने बताया।

'क्यों?' सिरोव के माथे पर बोला पड़ गये।

'इन्जन की ओर से तीसरे डिब्बे में फौजी भरे पड़े हैं। मैंने गलियारे में से आगे बढ़ने का प्रयत्न किया था लेकिन एक अफसर ने मुझे डांट कर भगा दिया था। मैंने लौटते समय एक बाहर के द्वार का हैंडिल घुमा कर देखा था, ताला लगा हुआ था।'

'फिर क्या करोगे?'

'कुछ तो करूंगा ही। करना ही पड़ेगा। आपको सीट मिली है।'

'हो! गार्ड से अगले डिब्बे में।'

'आप जाइये, में भी जाता हूँ। कुछ करने से पहले आप को बता जाऊंगा।'

'राईट!' सिरोव बोला और वापिस चलने लगा।

विपरीत दिशा से वो कोट वाले दोनों आदमी फिर आ रहे थे।

जेम्स लापरवाही से गलियार में चलने लगा।

समीप आकर उन दोनों ने भावहीन नेत्रों से जेम्स को देखा और आगे गुजर गए।

पता नहीं यह चूहे बिल्ली का खेल कब तक चलेगा। जेम्स ने सोचा।

वह गलियारे में चलता हुआ दो कोच और पार कर गया।

चौथ कोच में पहुंच कर वह दूसरे सिरे पर बने टायलट में घुस गया। उसने टार्च और हथौड़ा कपबोर्ड के पीछे छुपा दिए, रिवाल्वर को भीतर की जेब में निकाल कर कोट की बाहर वाली जेब में रख लिया और टायलट से बाहर निकल आया।

उसने धीरे से एक खिडकी का शीशा लगभग दो इंच ऊपर उठाया। बर्फीली हवा का तेज झांका उसके शरीर को तलवार की तरह काट गया। उसने फौरन शीशा गिरा दिया।

उसने कम्पार्टमेंट की दीवार के साथ पीठ टिका ली और फिर कांपते हाथों में एक सिगरेट गुलगा दिया।

तुफान रेल की रफ्तार से भी ज्यादा तेजी से चल रहा था और मुसीबत यह थी कि गाडी तूफान से विपरी त दिशा में चल रही थी।

एक क्षण के लिए खिड़की खोलने का परिणाम यह हुआ था कि वह सिर से पांव तक कांप गया था और अभी भी कांप रहा था। अगर ऐसे मौसम में कई मिनट तक बाहर रहना पड़ जाए तो....?

सिगरेट के कई लम्बे कश लेकिर उसने सिगरेट को फेंक दिया और दोनों डिब्बों को जोड़ने वाली कपलिंग में से होता हुआ अगले डिब्बे में चला गया।

अभी तक दोनों आदमी वापिस नहीं लौटे थे।

वह फिर टायलेट में घुस गया। अपने चाकू की सहायता से खूंटी पर से एक लकड़ी का टुकड़ा काट लिया और फिर उसे छील कर डोर कैच के छेद के नाप का बना लिया।

उसने वापस द्वार के समीप आकर द्वार खोला और लकड़ी का टुकड़ा डोर कैच के सामने के छेद में ठोंक दिया। उसने द्वार फिर बन्द कर दिया। द्वार तो बन्द हो गया लेकिन डोर कैच लकड़ी फंसी होने के कारण छेद में नहीं फसा।

गलियारे के दूसरे सिंर पर वही दो आदमी वापस आते दिखाई दे रहे थे।

जेम्स फिर टायलट में घुस गया। इस बार उसने जानबूझ कर बड़ी जोर में द्वार बन्द किया ताकि भड़ाक की आवाज उन दोनों आदमियों के कानों में भी पहुंच जाए।

अन्दर फर्श पर एक सुराही पड़ी थी। जेम्स ने उसे पानी से भरा और फिर उसे पूरी शक्ति से टायलट के शीशे को खिड़की पर दे मारा।

शीशे टूटने की अलाहट से वातावरण गूंज उठा।

बाहर से भागते कदमों की आहट सुनाई दी।

जेम्स ने धीरे से टायलट का द्वार खोला और बाहर झाँका ।

दोनों आदमी दरवाजे की खिडकी का शीशा उठाए बाहर अंधेर में झांका रहे थे और यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि क्या हो गया है और जेम्स कहां गायब हो गया है?

उनके ऐसे ही किसी एक्शन की जेम्स प्रतीक्षा भी कर रहा था।

जेम्स बिजली की तरह आगे बढ़ा। समीप पहुंचकर उसने हवा में छलांग लगाई और फिर उसके पांच पूरी शक्ति में एक दुलत्ती की सूरत में दोनों आदमियों की पीठ से टकराये।

द्वार भड़ाक से बाहर की ओर खुल गया। छेद में फंसाई हुई लकड़ी टूट गई और द्वार फ्री हो गया।

दोनों में से एक आदमी तो चिल्ला भी नहीं पाया था कि वह एक बार हवा में उछला और फिर पचास मील की रफ्तार से जाती हुई

रेल से बाहर कहीं विलिन हो गया।

आखिरी क्षण पर दूसरे आदमी के हाथ में द्वार की खिड़की आ गई थी और वह झूलते हुए द्वार के सहारे बाहर हवा में लटका हुआ था और कम्पार्टमेंट के भीतर आने के प्रयत्न में बुरी तरह छटपटा रहा था।

जेम्स ने अपनी रिवाल्वर निकाली और उसे नाल से पकड़ कर उसका एक प्रहार उस आदमी की खोपड़ी की ओर घुमा दिया।

उस आदमी ने प्रहार से बचने के लिए अपना एक हाथ सिर के आगे कर लिया।

रास्ते में ही जेम्स ने अपने हाथ की दिशा बदल दी और फिर रिवाल्वर की मूठ उस आदमी के उस हाथ से टकराई जिस से वह दरवाजा पकड़े हुए था।

उस आदमी के गले से निकली तेज चीख पहियों की खडखड़ाखहट में खो गई और उस चीख के साथ ही वह भी दृष्टि से ओझल हो गया।

जेम्स ने दरवाजा बन्द कर दिया और वापिस उस बाथरूम में लौटा जहाँ उसने अपनी बैटरी और हथौड़ा छुपाए थे।

दोनों चीजें दुबारा जेब के हवाले करके वह बाथरूम से बाहर निकल आया और कोच के कोने वाले द्वार की ओर बढ़ा। उसने कोने वाला द्वार खोला ।

तूफान का इतना तेज झोंका भीतर प्रविष्ट हुआ कि जेम्स के लिए अपना सन्तुलन कायस रख पाना कठिन हो गया। वह बरबस लड़खड़ाता हुआ दो कदम पीछे हट गया।

दीवार का सहारा लेकर वह फिर बड़ी मजबूती से कदम रखता हुआ आगे बढ़ा और द्वार के समीप पहुंच गया। उसने द्वार के बाहर की ओर लगी हुई रेलिंग को पकड़ा और डिब्बे के पायदान पर उतर गया और द्वार बन्द कर दिया।

अब वह गाड़ी के बाहर लटका हुआ था।

तूफान भीषण वेग से चल रहा था। चारों ओर बर्फ ही बर्फ दिखाई दे रही थी।

जेम्स को यूं लग रहा था जैसे अभी वह तूफान के साथ एक तिनके की तरह उड़ जायेगा। उसके चेहरे पर और खुले हाथों पर बर्फ के गोले टकरा रहे थे और उसे यूं लग रहा था जैसे उसे सूइयां चुभौई जा रही हों।

अंधेरे और बर्फ के तूफान के कारण जेम्स को अपने से दो फुट फासले की चीज भी दिखाई नहीं दे रही थी। उसने अन्धों की तरह

कोच की बाहर की सतह को टटोला लेकिन उसके हाथ में ऐसा कोई सहारा नहीं आया जिसके द्वारा वह आगे बढ़ पाता।

उसने अपने दोनों पांव मजबूती से पायदान में फंसाए, अपनी बांह को रेलिंग के साथ लपेटा और दायें हाथ को मुक्त करके जेब से टार्च निकाली। उसने टार्च जलाकर उसका प्रकाश डिब्बे के पिछले भाग पर डाला। अधिक देर तक चलती हुई गाड़ी पर एक हाथ के सहारे लटका रहना सम्भव नहीं था। वह केवल दस सैकिंड तक ही टार्च जलाए रह सका। उसके बाद उसने फौरन टार्च जेब में रखकर रेलिंग पर दूसरे हाथ द्वारा भी अपनी पकड़ मजबूत की।

उस दस सैकिंड के समय में ही वह डिब्बे के बाहर की स्थिति कां अच्छी तरह अवलोकन कर चुका था। वह द्वार जिसके बाहर यह लटका हुआ था, डिब्बे के पिछवाड़े से केवल पांच फुट दूर था। डिब्बे के पृष्ठ भाग पर लोहे की सीढ़ियां सी लगी हुई थीं। उस पांच फुट के फासले के बीच में एक बाथरूम की सीखचेदार खिड़की थी लेकिन उसके नीचे पांव टिकाने का किसी प्रकार का सहारा नहीं था।

जेम्स ने एक भी क्षण विचार करने पर नष्ट नहीं किया क्योंकि परिस्थिति विचार करने जैसी नहीं थी। जो कुछ वह करने वाला था उस पर दुबारा विचार करने पर उसका मन कभी उस बात के लिए गवाही नहीं देता। निपट अन्धकार, में केवल अनुमान से बाथरूम की सीखचेदार खिड़की की ओर कूद पड़ना गाड़ी से गिरकर और फिर उसके पहियों के नीचे आ कुचला जाना तत्काल मृत्यु को निमन्त्रण देने जैसा था।

पायदान के एकदम सिरे पर पहुंच कर उसने छलांग लगा दी।

एक क्षण के लिए वह चलती गाडी के साथ बिना किसी सहारे के हवा में झूला, फिर उसका शरीर भड़ाक से गाड़ी के साथ टकराया और फिर उसका एक हाथ बाथरूम की खिडकी के सींखचों में फंस गया। अब उसके दोनों हाथ सीखचों पर जकड़े हुए थे और उसका शरीर तूफान और गाड़ी की रफ्तार के साथ हवा में उड़ा जा रहा था। हर क्षण उसे यूं लग रहा था कि सीखचों से उसकी पकड़ छूट जायेगी। अधिक देर तक उस भयंकर स्थिति में रह पाना सम्भव नहीं था। बड़ी मेहनत से जेम्स अपने बाकी शरीर को अधिकार में कर पाया। उसके घुटने रेलगाड़ी के साथ लग गए। सावधानी से उसने अपना एक पैर उस कोच को अगले कोच से जोड़ने वाले कपलिंग की ओर बढ़ाया।

उसका पांव कपलिंग पर जा टिका ।

120

उसी प्रकार उसका दूसरा पांव भी कपलिंग पर पहुंच गया।

अब उसके पैर तो कपलिंग पर थे और हाथ अभी भी सींखचे थामे हुए थे। उसका शरीर जमीन से तीस अंश के कोण पर मुड़ा हुआ था।

फिर उसने अपना एक हाथ सींखचों से मुक्त किया और उससे कोच का किनारा टटोलने लगा। एक हुक जैसी चीज पर उसका हाथ पड़ा। उस हुक को खींच कर पहले उसने

उसकी मजबूती को परखा और उसे अपनी शरीर का वजन सम्भाल लेने योग्य मजबूत पाकर उसने सींखचों से अपना दूसरा हाथ भी हटा लिया ।

उसी क्षण गाड़ी एक मोड़ घूमती हुई एक सुरंग में घुस गई। एक क्षण के लिए तूफान के थपेड़ उसके शरीर से टकराने बन्द हो गए।

उसने दोनों हाथों में हुक को मजबूती से पकड़ लिया।

फिर उसने टटोल-टटोल कर लोहे की सीडीयों तक हाथ पहुंचाए ।

गाडी सुरंग से बाहर निकल आई।

तब तक जेम्स लोहे के डंडों वाली सीढ़ी पर पहुंच चुका था। उसके पैर भी कपलिंग से हटकर सीढ़ी के सबसे नीचे वाले डंडे पर आ चुके थे।

अब उसे गाड़ी के नीचे भागती हुई रेल की पटरियां दिखाई दे रही थीं।

वह एक एक पांव मजबूती से रखना हुआ कोच की छत पर पहुंच गया।

कोच की लकड़ी की ढलुआं छत पर बर्फ जमी हुई थी और वहाँ कोई ऐसी चीज भी नहीं थी जो सहारे के लिए इस्तेमाल की जा संके। बिना सहारे के बर्फ का तूफान जेम्स को एक तिनके की तरह उड़ा ले जाता।

जेम्स के मन पर निराशा छाने लगी। उसको अपनी सारी मेहनत बेकार जाती मालूम होने लगी। एक क्षण, केवल एक क्षण के लिए उसके मन में ख्याल आया कि वह वापिस रेल के आरामदेह वातावरण में चला जाए। लेकिन फौरन ही उसने अपने मन से वह ख्याल झटक दिया। उसके नेत्रों के सामने वृद्ध प्रोफेसर का चेहरा घूम गया जो गाड़ी के आखिरी डिब्बे में पेशेवर मुजरिमों के बीच जानवरों की तरह ठुसा बैठा था। उसे सिरोव का ख्यान आया जो बिना किसी स्वार्थ के केवल इसलिए जेम्स की सहायता कर रहा था क्योंकि वह उसक मित्र मेजर होवार्थ से सम्बद्ध है। इसे मेजर

होवार्थ का ख्याल आया जो सड़क के रास्ते वर्फीली सड़कों पर टूक चलाता हुआ निश्चित स्थल पर जेम्स से पहले पहुंचने का प्रयत्न कर रहा था। उसे सेंडर इमर और जूलिया का ख्याल आया जो उसे जानते भी नहीं थे लेकिन फिर भी इसलिए उसकी सहायता कर रहे थे क्योंकि उनके अंग्रेज ऐसा कर रहे हैं।

'मुझे यह काम करना ही होगा!' वह मन ही मन बुदबुदाया-'असफल रहकर मुझे उन लोगों को मुंह दिखाने का अधिकार नहीं।'

उसने अपनी जेब से चाकू निकाल लिया। बटन दबाकर उसने चाकू खोला और फिर पूर्ण शक्ति से उसके फल का प्रहार बर्फ से ढकी डिब्बे की लकड़ी की छत पर किया।

बर्फ को चीरता हुआ चाकू खूंटे की तरह छत पर गढ़ गया। जेम्स चाकू को पकड़ कर लोहे की सीढ़ियों से ऊपर आ गया और छत पर लेट गया।

उसने एक बार फिर टार्च निकाली और उसका प्रकाश डिब्बे की छत पर डाला, छत के बीचोंबीच कई स्थानों पर उसे चिमनी जैसा लगभग छः इन्ज ऊंचा गोल प्रोजेक्शन सा दिखाई दिया। शायद वह स्थान था जहाँ से टायलट लट की टंकी में पानी पहुंचाया जाता है। उसने टार्च बन्द करके जेब में रख ली।

अपने एक हाथ में मजबूती से चाकू को थामे जेम्स पहले प्रोजेक्शन की ओर घिसटने लगा।

प्रोजेक्शन उसके हाथ में आ गया। उसने अपनी एक बांह प्रोजेक्शन के गिर्द लपेट ली और दूसरे हाथ से चाकू को अपने स्थान से उखाड़ने लगा।

बाकू फिर उसके हाथ में आ गया। दूसरा प्रोजक्शन बहुत दूर था।

उसने फिर चाकू का अपने सामने लकड़ी में गाड़ा उसके सहारे दूसरे प्रोजेक्शन तक पहुंचने का प्रयत्न करने लगा।

दूसरा प्रोजेक्शन हाथ में आ जाने पर उसने चाकू को फिर उखाड़ लिया।

उसी क्षण गाड़ी एक गहरे मोड़ पर घूमने लगी।

अप्रत्याक्षित सैट्रीफ्यूगल फ़ोर्स के कारण जेम्स की पकड़ प्रोजेक्शन से छूट गई और उसका शरीर बर्फीली सपाट कृत पर ढलान की ओर फिसलने लगा ।

जेम्स आतंकित हो उठा।

उसने छटपटाते हुए दायें-बायें हाथ मारा लेकिन कोई सहारा उसकी पकड में नहीं आया।

122

वह फिसलता हुआ एकदम गाड़ी के सिरे पर पहुंच गया था। उसी क्षण किसी अज्ञात भावना से प्रेरित होकर उसने अपना चाकू वाला हाथ भड़ाक से छत पर दे मारा।

चाकू छत में गढ़ गया।

तब तक जेम्स का सारा शरीर छत से फिसल कर अधर में. लटक चुका था। केवल चाकू पर उसके एक हाथ की पकड़ उसका सम्पर्क रेलगाड़ी से स्थापित किए हुए थी और उसे निश्चित मौत से बचाये हुए थी।

चाकू किसी भी क्षण छत पर में उखड़ सकता था।

जेम्स पूरी शक्ति से अपने डिब्बे की साइड में लटके हुए शरीर को खींचकर छत पर लाने का प्रयत्न कर रहा था लेकिन सम्भव नहीं हो पा रहा था।

कई क्षण वह उसी स्थिति में लटका रहा।

चाकू के गिर्द लिपटी हुई उसकी उंगलियों में से शक्ति घटती जा रही थी और किसी भी क्षण चाकू से उसकी पकड़ टूट सकती थी।

फिर गाड़ी मोड को छोड़कर सीधी पटरियों पर दौड़ने लगी।

जेम्स सैट्रीफ्यूगल फॉर्म की हत्यारी पकड़ से निकल आया।

आशान्वित होकर उसने दोबारा हाथ पाँव मारने शुरू कर दिए।

एक-एक इन्च सरक कर उसने फिर अपना शरीर डिब्बे की छत पर खीचं लिया ।

प्रांजेक्शन फिर उसकी पकड में आ गया।

जेम्स ने फिर अपने सामने' की ओर छत पर चाकू का प्रहार किया लेकिन इस बार चाकू किसी कठोर वस्तु से टकराया और जेम्स का हाथ झन्ना गया। उसने देखा कि चाकू का फल एकदम मूठ से उखड़ गया था। मूठ उसके हाथ में रह गई थी और फल शायद किसी कील की टोपी से टकरा कर टूट गया था और कहीं गायब हो गया था।

जेम्स ने चाकू की मूठ फेंक दी। उसने दाई और दृष्टि फिराई, सड़क अब रेल की पटड़ियों के एकदम समानान्तर चल रही थी।

आगे बढने का आखिरी साधन भी हाथ से निकल गया था।

उसने प्रोजेक्शन को अपनी टांगों के बीच में दवाया और लेटे-लेट ही आगे की ओर हाथ बढ़ाकर छत टटोलने लगा। दूसरा प्रोजेक्शन शायद दूर था। वह उसके हाथ में नहीं

आया। वह और आगे तभी बढ़ सकता था जबकि वह प्रोजेक्शन को अपनी टांगों की पकड़ से मुक्त कर दे। ऐसा करने पर वह छत पर टिका नहीं रह संकता था। बर्फ का तुफान एक क्षण में उस तिनके की तरह अपने

साथ उड़ा कर ले जाता ।

फिर एकाएक एक वहशी ख्याल उसके दिमाग में आया।

उसने स्वयं को प्रोजेक्शन के आस-पास समेट लिया और उकडूं होकर बैठ गया। उसने जेब से फिर टार्च निकाली और उसका शक्तिशाली प्रकाश सामने की दिशा में डाला।

उसके और इंजन के बीच में दो डिब्बे और थे।

जेम्स ने मन ही मन फासला नापा। हर दो-दो डिब्बों के बीच में खाली छुटी जगह की स्थिति को मन ही मन याद किया और फिर टार्च बुझाकर वापिस जेब में रख ली।

फिर वह एक झटके के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो गया और पागलों की तरह तूफान के वेग को चीरता हुआ गाड़ी की छत पर भागा।

उसने पहला डिब्बा क्रास किया, दूसरा डिब्बा क्रास किया और फिर धम्म से इंजन के कोयलों के ऊपर जा गिरा।

उसके सारे शरीर में पीड़ा की एक तीव्र लहर दौड़ गई, लेकिन उसने जरा भी परवाह किये बिना सिर ऊपर उठाया।

तीन व्यक्ति आश्चर्य और अविश्वास भरे नेत्रों से उसे घूर रहे थे।

एक ड्राइवर था, दूसरा फायरमैन था और तीसंरा... तीसरा एक कारबाइनधारी सिपाही था।

तीनों सकते ही हालत में जेम्स को देख रहे थे जैसे वह आसमान से टपका हो।

जेम्स ने फुर्ती से जब में से रिवाल्वर निकाली लेकिन अभी उसकी उंगलियों ट्रैगर पर पहुंची भी नहीं थी कि रिवाल्वर उसके हाथ से निकल कर कोयलों पर जा गिरी । उसके हाथ ठण्डक के मारे निर्जीव हो चुके थे और उंगलियों में रिवाल्वर थामने की या रिवाल्वर का घोडा दबाने की शक्ति नहीं रह गई थी।

सबसे पहले सिपाही सकते की हालत में से निकल पाया।। उसने फुर्ती से कारबाइन अपने कन्धे से उतारी और वह जेम्स का निशाना बनकार गोली चलाने ही वाला था कि फायरमैन का बेलचा भड़ाक से सिपाही के सिर के पिछले भाग में टकराया। सिपाही के हाथ से कारबाइन निकल गई और उसका अचल शरीर कोयलों के ढेर पर जा गिरा।

जेम्स धीरे से कोयलों पर से उठा। उसके शरीर के कितने ही भागों पर से कपड़े फट गए थे और वहाँ से छिली हुई चमड़ी झांक रही थी। इसके चेहरे पर कोयलों की कालिख चढ़ गई थी और वह

एक भयानक भूत सा मालूम हो रहा था।।

- फायरमैन, जा अधिक से अधिक बीस साल का छोकरा था, देखकर हंस रहा था।

फायरमैन अचेत सिपाही की ओर संकेत करता हुआ दांत निकाल कर बोला-'बेचारा सिपाही मास्टर! अधिक गर्मी और अधिक सर्दी का दोहरा झटका बरदाश्त नहीं कर सका और बेहोश हो गया।'

'लेकिन...!' जेम्स हेरानी से हंगेरियन में बोला 'तुमने मुझे बचाया क्यों?'

'देखो, प्यारे! फायरमैन बोला-'तुम जो कोई भी हो, मुझे विश्वास है तुम इस साले कम्युनिस्ट सिपाही से तो अच्छे हो। अपनी आंखों के सामने किसी अपने देशवासी को किसी कम्युनिस्ट सिपाही को गोली का शिकार होने नहीं देख सकता।'

जेम्म ने शांति की सांस ली। प्रत्यक्ष था फायरमैन उसे हंगरी का ही नागरिक समझ रहा था।

'तुम रिजीस्टेंट मूवमेंट के मेम्बर हो?' फायर मैन ने पूछा।

'हाँ!' जेम्स बोला 'में रिजीस्टेस मूवमेंट के नेता से सम्बन्धित हूँ।

'जनरल सिरोव !' फायरमैन हंगरी में बोला।

'हॉ!' तुम जनरल की कैसे जानते हो?'

'मैं भी रिजीस्टेंट मूवमेंट का मेम्बर हूँ।'

'ओह!'

'हम तुम्हारी कुछ मदद कर सकते हैं?'

'आप लोग मेरी बहुत मदद कर सकते हैं!' जेम्स बोला और उसने सारी स्थिति बयान कर दी।

फायरमैन और ड्राइवर ने प्रश्नात्मक दृष्टि से एक दूसरे के देखा।

ड्राइवर हिचकिचा रहा था।

'हमें तुम्हारी सहायता करने से कोई एतराज नहीं हैं।' अन्त में ड्राइवर बोला-'लेकिन हमें अपनी सुरक्षा का भी तो ख्याल करना पडगा ।

'क्या मतलब ?'

'अगर हमने गाडी रोक दी तो बाद में हमसे भी तो प्रश्न किया जायेगा कि गाड़ी कैसे रुकी?'

'उसका इन्तजाम हो सकता है।

'कैसे ?'

125

'आप यह कह सकते है कि किसी ने रिवाल्वर दिखाकर आपको गाड़ी रोकने के लिए बाध्य कर दिया था और बाद में आप दोनों के हाथ पांव बांध दिये थे।'

'यह ठीक है लेकिन रस्सी...?'

'मेरे पास है।' जेम्स बोला।

उसने अपने वस्त्र कमर से ऊपर उठाये और कमर के गिर्द लिपटी हुई बीस गज लम्बी सिल्क की रस्सी निकाल ली।

'आप लोग खुद ही एक दूसरे को बांधिए। जेम्स बोला-'मेरी तो उंगलियां ठण्डक के मारे सुन्न हो गई हैं।'

'ठीक है!' फायरमैन बोला।

उसने रस्सी ले ली और उसे पहले ड्राइवर और फिर अपने हाथ पैरों के गिर्द लपेटने लगा।

इतने समय तक जेम्स इंजन की आग तापता रहा ताकि उसके सुला शरीर में रक्त का प्रवाह पुनर्स्थापित हो सके।

रस्सी की अखिरी गांठ जेम्स ने अपने हाथों से बांध दी।' दोनों जेम्स की सहायता करके खुश थे।

ड्राइवर के कहने पर जेम्स ने इंजन का वह लिवर आपरेट कर दिया जिससे गाड़ी रुकती है।

गाड़ी की गति धीर-धीरे कम होने लगी।

जेम्स ने दोनों का धन्यवाद किया और इंजन के पायदान पर आ खड़ा हुआ ।

जब गाड़ी की स्पीड इतनी कम हो जेम्स -सुरक्षित रूप से चलते इंजन से कूद सके, तो वह नीचे कूद गया और फिर गाड़ी के पिछले डिब्बों के समीप पहुंचा, तब तक गाड़ी केवल रेंग रही थी।

गार्ड के डिब्बे से अगले डिब्बे के द्वार पर उसे सिरोव के चेहरे की एक डालक दिखाई दी। उसके हाथ में रिवाल्वर थी।

गाई का डिब्बा रेंगता हुआ जेम्स के सामने से गुजर गया।

फिर गाड़ी एकदम रुक गई और डिब्बों के 'बफर एक दूसरे से टकरा कर चुप हो गए।

हथौड़ा और टार्च जेम्स के हाथ में आ गए थे। उसने टार्च जला ली और फिर दोनों डिब्बों को जोडने वाले लिंक खोल दिए और एअर चेक की कपलिंग पर हथौड का प्रहार करने लगा।

एक ही मिनट बाद गाड़ी का पिछला डिब्बा बाकी गाड़ी से एकदम अलग हो चुका था।

सिरोव गाड़ी में से नीचे कूद पड़ा। उसके एक हाथ में एक चाबियों का गुच्छा था और दूसरे हाथ में किसी भी विरोध पर

काबू पा लेने के लिए तैयार रिवाल्वर थी।

जेम्स ने सिरोव को संकेत किया और खुद वापिस इंजन की ओर भागा ।

इंजन के समीप पहुंच कर वह फिर भीतर घुस गया। जिस स्थान पर गाड़ी खड़ी थी उससे आगे एक मील तक गहरी ढलान थी।

ड्राइवर के निर्देशानुसार जेम्स ने एक बार फिर गाड़ी को थोड़ा स्टार्ट किया। गाड़ी चल पड़ने पर उसने स्टीम बन्द कर दी ओर ब्रेकें खोल कर खुद नीचे कूद गया।

गाड़ी ढलान पर लुढ़कने लगी।

थोड़ी देर बाद गाड़ी पहाड़ियों पर दृष्टि से ओझल हो गई।

रेलवे लाइन पर केवल आखिरी डिब्बा खड़ा था।

वह वापिस उस डिब्बे की ओर भागा।

सिरोव तब तक डिब्बे का ताला खोल चुका था और प्रोफेसर को बाहर निकाल चुका था।

बाकी कैदी भी मुक्ति का वह अप्रत्याशित अवसर छोड़ने वाले नहीं थे। वे भी एक एक करके डिब्बे में से निकलने लगे और फिर जिधर सींग समाय, भागने लगे।

प्रोफेसर कुछ ही घन्टों में कई साल अधिक बूढ़ा लगने लगा था। पहले तो स्वयं को मुक्त देख कर उसके चेहरे पर कोई भाव ही नहीं आये लेकिन धीरे-धीरे जब स्थिति उसकी समझ में आई और उसने जेम्स को देखा तो वह हर्षित हो उठा और बच्चों की तरह किलकारियां मारने लगा।

तीनों रेल और सडक के क्रासिंग की ओर चल दिये।

अभी वे उस ओर केवल दस कदम ही चले थे कि उनके कानों में किसी की प्रसन्नता भरी चीख पड़ी।

मेजर चीखता, चिल्लाता और अपनी दोनों बाहे फहराता हुआ उनकी ओर भागा आ रहा था।

उसके पीछे-पीछे वैसे ही उल्लास की प्रतिमूर्ति बने सैन्डर, जूलिया और इमर थे।

अगली सुबह के लगभग साढ़े छः बजे वे लोग सिरोव के उस इलाके में स्थित हैडक्वार्टर में पहुंच गये। सिरोव का वह हैडक्वार्टर आस्ट्रिया के बार्डर से केवल दस मील दूर था।

हंगरी की बर्फ की मोटी तहों से ढकी हुई सड़कों पर लगातार चौदह घन्टे कार द्वारा सफर करने के बाद वे लोग वहाँ पहुंच पाये थे।

बर्फ की भयानक बौछार के कारण रास्ते इतने दुर्गम और खतरनाक हो गये थे कि वे लोग कभी भी बीस मील प्रति घन्टा से अधिक रफ्तार से गाड़ी नहीं चला पाये थे और तब भी हर क्षण दुर्घटना हो जाने की सम्भावना बनी रहती थी।

चौदह घन्टे का वह सफर जेम्स की जिन्दगी का सबसे दुखदाई सफर था।

पूरे चौदह घन्टे हर किसी को भारी उत्कंठा, पकड़े जाने की चिन्ता, ठंडक, भूख और अनिद्रा का डट कर सामना करना पड़ा था लेकिन इन तमाम मुश्किलों के बावजूद भी मन्जिल पर पहुंच जाने के बाद हर किसी, का चेहरा प्रसन्नता और सन्तुष्टि से दमक रहा था।

सारी रात गाडी का स्टियरिंग व्हील केवल एक ही आदमी के हाथ में रहा था और वह था मेजर होवार्थ। चौदह घन्टे में तय किये गये ढाई सौ मील के फासले में केवल मेजर होवार्य ही गाडी चलाता रहा था।

रात में कितनी ही बार जेम्स ने सोचा था कि वह मेजर होवार्थ को आराम करने के लिए कहे और गाड़ी खुद ड्राइव करने लगे लेकिन हर बार उसने अपना यह विचार त्याग दिया था।

वह मेजर होवार्थ से अच्छा. ड्राइवर हरगिज भी नहीं था और फिर बर्फीली और खतरनाक मोड़ों वाली सड़कों पर गाडी को. सम्भाल पाना उसे अपने बस की बात मालूम नहीं हो रही थी।

मेजर होवार्थ को आराम' करने का अवसर देने से अधिक महत्वपूर्ण विषय था मंजिल पर सुरक्षित पहुंच जाना और उस स्थिति में यह तभी सम्भव मालूम हो रहा था जबकि गाड़ी का स्टेरिंग व्हील मेजर होवार्थ के हाथ में हो।

पैक्स से-जहाँ उन्होंने गाडी छोड़ी थी। सिरोव के हैडक्वार्टर का फासला सीधे रास्ते से केवल सौ मील था। मेजर होवार्थ ने जानबूझ कर लम्बा रास्ता चुना था क्योंकि छोटा रास्ता सुरक्षित नहीं था। मेजर होवार्थ के कथनानुसार लेक बालाटन के पचास मील लंबे इलाके के कारण पश्चिम की ओर से आस्ट्रिया के बार्डर पर पहुंच पाना असम्भव था और दक्षिणी इलाके और युगोस्लाविया के बीच की महत्वहीन सड़क की भी सीक्रेट पुलिस द्वास कड़ी निगरानी की जा रही थी। लगभग ऐसी ही स्थिति बालटन के उतरी भाग और बुडापेस्ट के बीच की सड़कों की थी। मेजर होवार्थ की नजर में सबसे अच्छा रूट वही था जिनसे उन्होंने सफर किया था। वे पहले लगभग सवा सौ मील उत्तर में चले गये थे, और फिर राजधानी के

उत्तरी भाग का बाहर से चक्कर लगाते हुए आस्ट्रिया के राज मार्ग पर पहुंच गए थे।

सिरोव के हैडक्वार्टर के रूप में प्रयुक्त होने वाली इमारत के आगमदेह वातावरण में पहुंच कर सबसे पहले उन्होंने डट कर भोजन किया और फिर मेजर होवार्थ ने 'बाराक' की बोतल निकाल ली।

सब लोग मेजर होवार्थ के समीप बैठ गये और 'बाराक' की चुस्कियां लेने लगे।

पूरी रात जागते रहने के बावजूद भी किसी को सोने की जल्दी ' नहीं थी क्योंकि सोने के लिए सारा दिन पड़ा था। मेजर होवार्थ और सिरोव का आधी रात से पहले बार्डर कार करने का प्रयत्न करने का इरादा नहीं था।

आठ बजे सिरोव ने रेडियों का स्विच आनं कर दिया। बुडापेस्ट रेडियो स्टेशन से समाचार प्रसारित होने लगे।

समाचार बुलेटिन में प्रोफेसर जेनिंग्स के भाग जाने को कोई उल्लेख नहीं था और न ही किसी को इसकी आशा थी। साम्यवादी अपनी ऐसी भारी हार को स्वीकार करने के लिए तैयार-नहीं थे।

मौसम की रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई कि अगले कई घन्टे तक लगातार पूरे हंगरी पर बर्फ की भारी वर्षा होने वाली थी।

सबसे दिल्चस्प समाचार यह था कि सारे दक्षिण-पश्चिम हंगरी में लेक वालटन में युगोस्लावियां के बार्डर तक बर्फ के ऐसे भयंकर तूफान चल रहे थे कि यातायात व्यवस्था एकदम ठप्प हो गई थी। हर सड़क, रेलवे लाइन और एयरपोर्ट सब पूरी तरह ब्लाक हो चुके थे। किसी भी साधन के किसी भी प्रकार के यातायात की कोई सम्भावना नहीं थी।

वे लोग बड़े हल्के दिल से गप्पें हांक रहे थे। केवल इमर कहीं और बैठा इमारत के आसपास की निगरानी कर रहा था।

'प्रोफसर!' एकाएक सिरोव प्रोफेसर से सम्बोधित हुआ। 'आप जानते हैं साम्यवादी एजेन्ट आपको कहां ले जा रहे थे और बाद में आपकी क्या दुर्गति करने वाले थे?'

'जानता हूँ।' प्रोफेसर आक्रोश भरे स्वर से बोला ।

'अब आप की साम्यवाद और साम्यवाद के पोषकों के बारे में क्या राय है?'

'राय!' प्रोफेसर भड़क कर बोला- बाई गाड, 'एक बार में इंगलैंड पहुंच लूँ। मैं साम्यवाद के बखिये उधेड़ कर रख दूंगा।

मैं साम्यवादियों को सारे संसार के सामने नंगा करके खड़ा कर दूंगा। मैं भी कोई मामुली आदमी नहीं हूँ , मेरा दावा है देश के सारे समाचार पत्र मेरी बात सुनेंगे।'

'आप कोई नया काम नहीं करेंगे?' सिरोव धीरे से बोला।

'क्या मतलब?'

सिरोव ने उत्तर देने का उपक्रम नहीं किया।

'सिरोव का मतलब है!" मैजर होवार्थ बोल्ना 'कि साम्यवाद का पर्दाफाश पहले ही हो चुका है, उसके पहले ही बखिये उधेड़े जा चुके है, उसको पहले ही नंगा किया जा चुका है।'

प्रोफेसर कई क्षण दांत भीचे चुपचाप बैठा, कभी सिरोव को और कभी मेजर होवार्थ को देखता रहा। अन्त में वह काफी हद तक शान्त स्वर से बोला 'लेकिन में इंगलैंड वापिस पहुंच कर चुप तो नहीं बैठा रह सकता। माना मैं सारे संसार के सामने सास्यवाद का सही चेहरा उतनी कुशलता से प्रस्तुत नहीं कर सकता जितनी कुशलता से वे लोग कर सकते हैं जो साम्यवादियों द्वारा निरन्तर सताये गये हैं लेकिन कम से कम में जनता को साम्यवाद की फैलती हुई आग से सावधान तो कर सकता हूं, कम से कम में लोगों को इस महामारी से बचे रहने की चेतावनी तो दे सकता हूँ।'

'इसकी अब जरूरत ही नहीं रही है?' सिरोव बोला।

'सिरोव का मतलब है।' होवार्थ बोला- 'कि अपने घर से बाहर तो साम्यवाद वैसे ही धराशायी होती जा रहा है।'

प्रोफेसर ग्रुप रहा।

'मुझे पूरा विश्वास है कि हंगरी की जनता साम्यवादियों के दमन चक से डरती है लेकिन साम्यवाद में कोई आस्था नहीं रखती। मेरी बात पर विश्वास न हो तो किसी इतवार की सुबह को हंगरी के. किसी चर्च में चले जाइये। आपको ऐसा लगेगा जैसे आज हंगरी की' जनता को चर्च जाने से अधिक महत्वपूर्ण काम और कोई नहीं मालूम होता। अगर वे लोग साम्यवाद में विश्वास रखते होते तो क्या यूँ श्राद्रावश ही चर्च की ओर खिंचे चले आते ।'

सिरोव एक क्षण फिर रुका और फिर बोला-'अंगर हंगरी जैसे देशों में साम्यवाद पिटा है तो इटली और फ्रांस जैसे देशों में पनपा भी है। क्यों? क्योंकि, अभी तक वहां के लोगों ने साम्यवाद का वह' भयानक चेहरा नहीं देखा है जो हमने देखा है।

'तो फिर तुम लोग क्या चाहते हो?' प्रोफेसर बोला- जो कुछ. मैंने देखा है या जो मेरे साथ बीती है, मैं वह सब भूल जाऊं ।'

'नहीं?' सिरोव सिर हिलाता हुआ गम्भीर स्वर से

बोला- हरगिज नहीं, मेरे विचार से किसी भी बात के प्रति उदासीनता से बड़ा अपराध कोई नहीं है। डॉक्टर जेनिग्स , मैं चाहता हूँ कि जब आप अपने घर पहुंचे तो अपने लोगों को बतायें कि सैन्ट्रल योरोप का हर निवासी अपनी अंकेली जिन्दगी अपने कन्धे पर ढो रहा है और समय बहुत कम है। आप अपने देशवासियों को बताइये कि हम भी स्वतन्त्रता के पवित्र वातावरण में सांस लेना चाहते हैं, कम से कम अपनी जिन्दगी में एक बार हम एक स्वतन्त्र देश के स्वतंत्र नागरिक कहलाना चाहते हैं। उन्हें बताइये कि हम अपने बच्चों को और अपने बच्चों के बच्चों को गुलामी की अन्धेरी और अंत हीन सड़क पर चलते नहीं देखना चाहते। हमारा स्वप्न है, शान्ति, हरे भरे खेत, चर्च के पवित्र वातावरण में बजती हुई धन्टियां, धूप में खेलते हुए स्वतन्त्र बच्चे, जिन्हें, भगवान करें, कभी भी जीवन में अभाव

या गुलामी का मुंह न देखना पड़े।' सिरोव चुप हो गया।

जेम्स ने देखा। उसके वृद्र चेहरे से तेज टपक रहा था। जेम्स को उस क्षणों में वह पहले से कहीं अधिक महान कहीं अधिक विशाल व्यक्ति लगा।

'तुम सह-अस्तित्व की बात कर रहे हो?' प्रोफेसर बोला।

'आज के संसार में वह बहुत जरुरी हो गया है कि शान्ति का विचार और शान्ति के लिए निःशस्त्रीकरण का विचार लोगों के दिमाग में ठोक-टोक कर बिठाया जाये। आज उस पर यह प्रकट करना बहुत जरूरी हो गया है कि हमारे इरादे शान्ति पूर्ण है। लेकिन जब तक अंग्रेज और अमेरिकन वेस्टर्न यूरोप के देशों को जंगी हथियारों से, हाइड्रोजन बमों से लैस करते रहेंगे। तब तक अभी यह बात कैसे स्वीकार कर लेंगे कि हमारे इरादे शान्तिपूर्ण है। हमारे एक हाथ में गुलाब का फूल हो और दूसरे हाथ में बन्टूक हो तो कौन मान लगा कि हमारे इरादे शान्तिपूर्ण है।

'तुम ठीक कह रहे हो।' प्रोफसर बोला ।

सिरोव विषदपूर्ण ढंग से सिर हिलाता हुआ चुप हो गया। प्रोफेसर का सिर झुका हुआ था। वह बेहद प्रभावित दिखाई दे रहा था।

मेजर होवार्थ, जूलिया और संडर चुप बैठे थे। उसी क्षण इमर भागता हुआ कमरे में प्रविष्ट हुआ।

'क्या हुआ?' मजर होवार्थ ने तीव्र स्वर में पूछा।

'किसी प्रकार सीक्रिट पुलिस को इस इमारत का पता लग गया है।

131

तीन भारी मिलिट्री व्हीक्ल इसी और बढ़े चले आ रहे हैं। इमर ने हांफते हुए बताया।

सब एकदम उठकर खड़े हो गये।

'हॉ!' इमर जल्दी जल्दी जबान चलाता हुआ बोला-'मै ऊपरली मन्जिन की एक खिड़की में बैठा था। में दूरवीन से आस-पास का इलाका देख रहा था। मुझे वे लोग संयोगवश ही दिखाई दे गये थे।'

'अभी वे कितनी दूर हैं?'

'लगभग आधा मील।'

'भागो,' मेजर होवार्थ जल्दी से बोला- 'सब लोग जाकर गाड़ी में बैटो। सेंडर तुम जाकर ड्राइविंग सीट पर बैठो और इंजन स्टार्ट रखो।

सब लोग बाहर की और झपटे ।

मेजर होवार्थ भीतर के एक कमरे में घुस गया।

जेम्स पहले तो कुछ कदम बाकी लोगों के साथ ही बाहर की और लपका लेकिन फिर सोच कर रुक गया। उसने इमर के हाथ में दूरबीन ले ली और हन की और न जाने वाली सीढ़ियों की आर भागा।

दूसरी मन्जिल की छत पर पहुंच कर उसने दूरबीन आंखों से लगा ली और दूर तक फैली हुई बर्फ में देखने लगा।

दूर बर्फ से ढकी सड़क पर सबसे पहले उसे एक भारी या हरे रंग का हर ओर से बन्द ट्रक दिखाई दिया। उसके पीछे एक उस से छोटा भूरे रंग का ट्रक था जिसमें कई फौजी भरे हुए थे। हर एक के हाथ में कारबाइन या आटोमेटिक रायफल जैसा कोई हथियार था।

भूरे ट्रक के पीछे जो तीसरा व्हीकल जेम्स को दिखाई दिया उसे देख कर उसका मुह खुला का खुला रह गया।

वह एक टैंक था।

जेम्स नीचे भागा ।

नीचे उसे मेजर होवार्थ दिखाई दिया। उसके एक हाथ में मशीनगन थी और दूसरे हाथ में बड़ा सा बैग था।

"वे लोग टैंक लेकर आये हैं। जेम्स ने हांफते हुए बताया ।

'क्या?' मेजर होवार्थ चौका।

'मैं ठीक कह रहा हूँ।

'पिछले कमरे में एक मशीनगन और गोलियों की पेंटी पड़ी है उन्हें ले आओ। --मेजर बाहर की ओर बढ़ता हुआ बोला ।

जेम्स भीतर के कमरे में भागा ।

132

उसने मशीनगन और गोलियों की पट्टियां उठाई और मेजर होवार्थ के पीछे लपका ।

दोनों दौड़ते हुए बाहर आ गये। सेब लोग गाड़ी में बैठ चुके थे। सेंडर ड्राइविंग सीट पर बैठा।

'सेडर !' मेजर होवार्थ ने आदेश दिया-गाड़ी स्टार्ट करो।'

'गाड़ी स्टार्ट नहीं हो रही है!' सेंडर का व्यग्र स्वर सुनाई दिया।

मेजर ड्राइविंग सीट की दिशा में लपका।

'बाहर निकलो !' वह सैन्डर से बोला।

सैन्डर गाड़ी से बाहर निकल आया।

मेजर ने अपने हाथ का सामान उसे थमाया और खुद ड्राइविंग सीट पर जा बैठा।

कितनी ही देर वंह डैश बोर्ड पर लगी विभिन्न चाबियों को उमेठता रहा।

सब लोग व्यग्रता से उसको देख रहे थे। गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई। अन्त में वह गाड़ी से बाहर कूड़ पड़ा। 'भागों। वह बोला।

'पुल वाली सडक की ओर भागो ।'

सीक्रेट पुलिस का काफला अभी दिखाई देना आरम्भ नहीं हुआ था।

सब पुल के पार पहुंच गये।

उसी क्षण सीक्रेट पुलिस का काफला इमारत के बगल की सड़क पर दिखाई देने लगा।

'तुम लोग सीधे इसी सड़क पर बार्डर की ओर भाग जाओ। ---मेजर बोला।

'और तुम,' जेम्स ने तीखी आवाज़ में कहा।

'सवाल मन करो ।' मेजर गर्जा-'जो मैं कह रहा हूँ.. वह सुनो। सिरोव को रास्ता मालूम है। चलो , बहस करने का समय नहीं है।'

'लेकिन तुम यहाँ क्या करोगे? जेम्स ने पूछा।

'मैं शत्रुओं को तुम्हारे पीछे आने से रोकने का प्रयत्न करूंगा।'

" यह काम तुम अकेले नहीं कर सकते। में भी यहीं ठहरंगा।

मुर्खता मत करो। में अकेला उन्हें रोक सकता हूँ। इन बैग में पर्याप्त बारुद और तार है। मैं यह पुल उड़ा दूंगा।'

'मैं नहीं जाऊंगा। जेम्स हाथ में थमी मशीनगन को मजबूती से थामता हुआ बोला ।

क्यों?'

'क्योंकि जो कुछ तुम करना चाहते हो, वह तुम अकेले नहीं कर पाओगे।

'और दो आदमी कर लेंगे?'

'हाँ, जेम्स दृढ़ स्वर से बोला ।

'आल राइट, मेजर बोला- मशीनगन इमर को दे दो। । वह मेरे साथ रहेगा।'

न जाने क्यों इमर एकदम हर्षित त दिखाई देने लगा।

"शद अप। जो में कहता हूँ वह करो।'

जेम्स ने हिचकिचाते हुए मशीनगन इमर के हाथ में दे दी।

इमर मेजर होवार्थ की बगल में आ खड़ा हुआ।

'भागो, मेजर बोला ।

सब लोग न चाहते हुए भी पेड़ों से ढकी हुई सड़क पर भाग निकले।

जेम्म हिचकिचाता हुआ वहीं खड़ा रहा।

शत्रु का काफला इमारत के सामने पहुंच गया।

'मैं कहता हूँ, भागो।' मेजर चिल्लाया।

जेम्म एक क्षण, चुप रहा और फिर निश्चयात्मक स्वर से बोला- 'में जवान आदमी हूँ बाकी लोगों से तेज भाग सकता हूँ, कम से कम पाच मिनट मुझे यहाँ ठहरने दो। बाद में मैं भागकर उन लोगों से जा मिलूंगा।

'पांच मिनट में तुम क्या कर लोगे?'

'जब तक तुम लोग पुल के नीचे बारूद विछाओगे, मैं शत्रु की गतिविधि देखता रहूंगा।

मेजर ने फिर बहस करने का प्रयत्न नहीं किया।

उसने मशीनगन जेम्स को थमा दी और इमर को संकेत किया।

इमर ने अपनी मशीनगन भी जेम्स के कदमों के समीप रख दी और मेजर के साथ हो लिया।

दोनों बैग सम्भाले हुए पुल की ओर बढ़ गए।

जेम्स ने दूरबीन अपनी आँखों से लगा ली और दूर इमारत की और देखने लगा ।

दूर ट्रक में से कर्नल हीव्स कूदा ।

उसने एक नजर वाहर खड़ी कार पर डाली और फिर टैंक के पास पहुंच गया।

भूरे ट्रक में से सशस्त्र फौजी बाहर कूद पड़े।

टैंक दोनों ट्रकों के समीप से होता हुआ इमारत के सामने आ गया।

टैक की तोप का रुख इमारत की ओर मुड़ने लगा।

फिर एक के बाद एक करके कई गोले तोप में से निकले और भयकर गर्जन की आवाज के साथ इमारत से जा टकराए।

शायद कर्नल हीव्स उन्हें अभी भी इमारत के भीतर ही समझ रहा था।

पलक झपकते ही इमारत एक मलबे का ढेर बनकर रह गई। कुछ सिपाहियों के साथ कर्नल इमारत की ओर बढ़ा। मेजर होवार्थ और इमर पुल के नीचे बारूद विछा रहे थे। जेम्स फिर इमारत की और देखने लगा।

दो मिनट बाद कर्नल हीव्स इमारत के मलबे के समीप से हट गया।

एक फौजी उसका ध्यान पुल की ओर आने वाली सड़क पर फैले कदमों के निशानों की ओर आकर्षित कर रहा था।

कर्नल हीव्स को समझते हुार देर नहीं लगी कि वे लोग भाग निकले हैं।

वह तेजी से अपने आदमियों को आदेश देने लगा।

दूरबीन में से जेम्स को केवल उसका मुंह और हाथ चलते दिखाई दे रहे थे।

सब लोग फिर ट्रकों में सवार हो गए और काफला पुल की और चल पड़ा।

- वह पुल केवल तीस फुट चौड़ा था और एक गहरे नाले के ऊपर बना हुआ था।

मेजर होवार्थ और इमर पुल के समीप से निकल आए।

मेजर रास्ते में एक तार बिछाता आ रहा था।

जेम्म के समीप पहुंचकर वह तार के सिरे को झाड़ियों के पेडों के झुरमुट में ले गया और उसे एक बैटरी और नीचें को दबने वाले हैडिल से जोड दिया।

उसने इमर को संकेत किया। वह हैंडिल के पास जा बैठा।

मेजर ने आगे बढ़कर जेम्स के हाथ से दोनों मशीनगन जबरदस्ती छीन लीं।

'भगवान के लिए अब फौरन भाग जाओ।' मेजर बोला ।

'लेकिन तुम मुझे यहाँ ठहरने क्यों नहीं देते?' जेम्स फिर बोला।

'क्योंकि तुम्हारी यहाँ जरूरत नहीं है। यहाँ केवल दो ही मशीनगन है। तीसरा आदमी क्या करेगा यहाँ?'

'लेकिन यह नहीं हो सकता। मेजर दृढ़ स्वर से बोला।

'क्यों?'

मेजर चुप रहा।

'क्योंकि?' मेजर एकदम फट पड़ा-'क्योंकि तुम मेरे मेहमान हो और इमर मेरा बेटा है।'

'क्या?' जेम्स एकदम हैरानी से चिल्लाया।

'हाँ '

'तो... तो.... जूलिया...

'जेम्स मुंह बाये उसे देखता रहा।'

उसी क्षण टैंक पुल पर आ गया।

इमर ने हैंडिल दबा दिया।

एक गगन भेदी धमाका हुआ।

पुल के परखचे उड़ गये।

टैंक की चैन टूट गई और वह पुल के साथ ही नाले में आ गिरा ।

'जेम्स सकते की हालत में वहीं खड़ा रहा।'

कर्नल हीव्स के. आदमी नाले में उतर रहे थे।

इमर की मशीनगन ने कई बार आग उगली और टैंक पर चढ़े हुये दोनों फौजी नाले में जा गिरे ।

उसी क्षण एक हैंड बम सनसनाता हुआ इमर के दस फुट दूर आकर बर्फीली जमीन से टकराया और एक भयानक अवाज के साथ फट गया।

पत्थरों के छोटे-छोटे टुकड़े उन लोगों के आस-पास बिखर गए।

'जेम्स!' मेजर फिर बोला-'मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि तुम्हारी मौजूदगी से हमारे हाथ मजबूत होने वाले नहीं हैं। इसके विपरीत अगर तुम यहाँ से नहीं, गए तो अकेला प्रोफेसर बार्डर पार कर जाने के बावजूद भी वहीं बर्फीले रास्तों में दम तोड़ देगा। प्रोफेसर को तुम्हारी जरूरत है।'

रह रह कर की मशीनगन एक तेज रेट-रेट की आवाज के साथ चल पड़ती थी।

दूसरी ओर से हैंड बम बराबर फेंके जा रहे थे।

लगता था अभी कर्नल हीव्स को उनकी स्थिति का सही अनुमान

नहीं हो पाया था।

मेजर होवार्थ की प्रार्थना भरी दृष्टि जेम्स के चेहरे पर टिकी थी।

इमर उन दोनों से बेखबर एक भारी जिम्मेदारी के तौर पर शत्रुओं को भूनने में लगा हुआ था।

जेम्स ने अपना हाथ मेजर की ओर बढ़ा दिया।

मेजर ने बड़े जोश से हाथ मिलाया और बोला ---गुडलक, माई ब्वाय ।'

जेम्स ने एक आखिरी दृष्टि इमर पर डाली और बार्डर की ओर भाग निकला।

सिरोव, सैंडर, जूलिया, प्रोफेसर हैरोल्ड जैनिंग्स और जेम्स लगभग दस फुट चौड़ी उस छोटी सी नहर के समीप पहुंच गए थे जो आस्ट्रिया और हंगरी के बीच में सीमा रेखा का काम करती थी। नहर का पानी सर्दी के अधिक्य के कारण जमकर बर्फ हो गया था।

भयंकर बर्फीले रास्ते कों उन लोगों ने बड़ी कठिनाई से तय किया था। कितनी ही बार सेंडर को जूलिया और वृद्ध प्रोफेसर को अपने कन्धे पर उठाना पड़ा था। कई बार रास्ते

पर इतनी गहरी बर्फ मिली थी कि वे लोग घुटनों तक बर्फ में धंस जाते थे। लेकिन वही भयकर बर्फ उनके लिए लाइफ इंश्योरेंस भी थी। रास्ते में कहीं, कोई पुलिस का आदमी दिखाई नहीं दिया था। नहर के पास भी कोई बार्डर सिक्योरिटी फोर्स नहीं थी। शायद सिक्योरिटी वाले अपने घरों की चारदीवारी में ऊष्णता का आनन्द ले. रहे थे और ऐसे गन्दे मौसम में किसी के बार्डर क्रास करने की सम्भावना पर कतई विचार नहीं करते थे।

पीछे से कर्नल हीव्स का कोई आदमी प्रकट नहीं हुआ था। इससे लगता था कि मेजर होवार्थ और इमर उन्हें पूरी सफलता से नाले के दूसरी ओर रोके हुए थे।

खुद उनकी क्या हालत थी, यह जानने का किसी के पास कोई साधन नहीं था।

रास्ते में जेम्स प्रोफेसर को बता चुका था कि उसका लड़का बीयन सुरक्षित रूप से स्वीडन पहुंच चुका है और इस तथ्य की ब्रिटिश सरकार द्वारा पुष्टि भी हो चुकी है। और यह कि उसकी पत्नी का आपरेशन एकदम सफल रहा था और वह मृत्यु के किसी भी प्रकार के खतरे से एकदम बाहर थी।

'दस फुट, केवल दस फुट चौड़ी पानी की यह नहर सारे योरोप

का सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थान है।' सिरोव भारी स्वर से बोला- 'नहर के इधर कम्यूनिस्ट हंगरी है और उधर आस्ट्रिया है। आजादी केवल दस फुट दूर है। प्रोफेसर हेरोल्ड जैनिंग्ज, अब कोई आपको आजादी की ओर कदम बढ़ाने से रोक नहीं सकता।'

कोई कुछ नहीं बोला। सब अपने दिल पर एक बोझ सा अनुभव कर रहे थे।

'बधाई मिस्टर जेम्स ।' जूलिया बोली- 'आपरेशन कामयाब रहा।'

जेम्स चुप रहा। जाने क्यों वह एकाएक स्वयं को अपराधी सा अनुभव करने लगा। न जाने क्यों उसे अपनी सफलता पर खुशी नहीं हो रही थी।

उसने क्या किया है? उसने सोचा वह तो बधाई का पात्र नहीं है। वह तो हंगरी में प्रवेश करते ही गिरफ्तार हो गया था। अगर मेजर होवार्थ न होता तो इस समय वह किसी कन्सैन्ट्रेशन कैम्प में होता। और अब? अभी भी वह मेजर होवार्थ के कारण ही आस्ट्रेलिया के बार्डर पर खंडा था। भगवान जाने मेजर होवार्थ और इमर पर क्या बीती?

उसने जूलिया की और देखा। वह सिरोव के कन्धे पर हाथ रखे चुपचाप खड़ी थी। जेम्स अधिक देर तक उस ओर नहीं देख सका।

'आप?' जेम्स भारी स्वर से सिरोव से सम्बोधित हुआ-'आप कहां जायेंगे?'

'हमारी चिन्ता मत करो?' सिरोव ने उत्तर दिया- 'यहाँ से थोडी ही दूर एक दूसरे रास्ते परे मेरा एक अन्डर ग्राउन्ड क्वार्टर है। हम सुरक्षित वहा पहुंच सकते हैं। मेरे और मेजर होवार्थ के अतिरिक्त किसी को भी उस स्थान की जानकारी नहीं है।'

मेजर को अपने भीतर कुछ टूटता हुआ महसूमस हुया

'गुड बाई, मिस्टर जेम्स।' सिरोव बोला- 'गुड बाई प्रोफेसर !' जेम्स ने प्रोफेसर का हाथ थामा और नहर' पार करके दूसरे किनारे पर पहुंच गया।

उसने मुड़कर देखा।

सिरोव , सैन्डर और जूलिया ने आखिरी बार हाथ हिलाकर उनसे विदा ली और धीरे-धीरे बर्फ की ओर बढ़ चले।

किसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

वृद्ध प्रोफेसर का हाथ थामे जेम्स तब तक वहाँ खड़ा रहा जब तक वे लो ग दृष्टि से ओझल नहीं हो गये।

***** समाप्त *****

sjeet